रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

बुधवार
15 जुलाई -2026
वर्ष 10, अंक 311
पेज 8, मूल्य 2 रुपए
रांची

10 साल से अमेरिका में बसे भारतीय ने बताई डरावनी सच्चाई

● कहा- आपको निगल जाएगा न्यूयॉर्क, बनना पड़ेगा 'हसलर'

शहर की तेज रफ्तार जिंदगी लोगों को अकेलापन महसूस कराती

नईदिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के सबसे बड़े आर्थिक और कारोबारी शहरों में गिने जाने वाले न्यूयार्क सिटी को लाखों लोग अपने सपनों का शहर मानते हैं। बेहतर करियर, ऊंची सैलरी और अनगिनत अवसरों की तलाश में हर साल हजारों भारतीय भी यहां पहुंचते हैं। लेकिन सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में पिछले 10 साल से न्यूयॉर्क में रह रहे एक भारतीय ने इस शहर की जिंदगी का दूसरा पहलू भी सामने रखा है। उनका कहना है कि न्यूयॉर्क में केवल अच्छी नौकरी या मोटी सैलरी काफी नहीं होती। यहां लंबे समय तक टिके रहने के लिए आत्मविश्वास, मजबूत मानसिकता और लगातार मेहनत करने का जज्बा होना बेहद जरूरी है। वीडियो में भारतीय ट्रैवल कंटेंट क्रिएटर कुणाल दत्त न्यूयॉर्क में रहने वाले एक भारतीय से बातचीत करते हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या शहर की तेज रफ्तार जिंदगी लोगों को अकेलापन महसूस करा सकती है, तो उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति खुद से संतुष्ट नहीं है या अपने काम से खुश नहीं है, तो न्यूयॉर्क में रहना मानसिक रूप से बेहद चुनौतीपूर्ण हो सकता है।उन्होंने कहा, यह शहर आपको निगल जाएगा।

'हसलर' बनना जरूरी

भारतीय निवासी के अनुसार, न्यूयॉर्क में वही लोग लंबे समय तक सफल रहते हैं जो हसलर होते हैं। उन्होंने कहा कि 23 से 36 वर्ष की उम्र करियर बनाने का सबसे महत्वपूर्ण समय होता है। इसी दौर में जितनी मेहनत की जाए, भविष्य उतना मजबूत बनता है। उन्होंने बताया कि 'हसलर' वह व्यक्ति होता है जो अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए लगातार प्रयास करता है, नए अवसर खोजता है और कठिन परिस्थितियों में भी हार नहीं मानता।

क्यों छोड़ देते हैं लोग न्यूयॉर्क?

भारतीय निवासी ने बताया कि कई लोग करियर की शुरुआत न्यूयॉर्क से करते हैं, लेकिन शादी, परिवार और बड़ा घर खरीदने की योजना बनने के बाद फ्लोरिडा और टेक्सास जैसे अपेक्षाकृत कम खर्च वाले राज्यों में बसना पसंद करते हैं। उनके अनुसार, इन राज्यों में जीवनयापन का खर्च कम होने के कारण लोग बेहतर वर्क-लाइफ बैलेंस हासिल कर पाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

वांगचुक 17 दिन से अनशन पर, 8.5 किलो वजन घटा

उद्धव-महुआ और अखिलेश की भूख हड़ताल खत्म करने की अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के जंतर-मंतर पर सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल का मंगलवार को 17वां दिन है। उनकी सेहत लगातार बिगड़ रही है। वजन 8.5 किलो कम हो गया है। अनशन शुरू होने पर वजन 67 किग्रा था। वांगचुक नीट पेपर लीक और परीक्षाओं में गड़बड़ी के मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर 28 जून से अनशन कर रहे हैं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव, शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे, टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा, एक्टर नसीरुद्दीन शाह, रत्ना पाठक शाह, राइटर अरुंधति रॉय समेत कई प्रमुख हस्तियों ने सोनम से अनशन खत्म करने की अपील की है। कॉकरोच जनता पार्टी ने कहा कि सरकार को वांगचुक की कोई चिंता नहीं है। सीजेपी फाउंडर अभिजीत दीपके ने कहा कि वांगचुक की जान को खतरा है। सरकार को मांगों पर ध्यान देना चाहिए।

कांग्रेस प्रधान पद से इस्तीफा दे सकते हैं राजा वड़िंग

दिल्ली में राहुल गांधी की खड़गे से मीटिंग, चन्नी-रंधावा को भी प्रधानगी नहीं मिलेगी

लुधियाना/चंडीगढ़/नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब में अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग कांग्रेस के प्रधान पद से इस्तीफा दे सकते हैं। दिल्ली में राहुल गांधी और राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बीच हुई मीटिंग के बीच से सोर्सेज से ये खबर सामने आ रही है। दरअसल, पंजाब कांग्रेस प्रभारी भूपेश बघेल की रिपोर्ट में ये साफ नजर आया है कि पूर्व सीएम व सांसद चरणजीत चन्नी और सांसद सुखजिंदर रंधावा किसी भी कीमत में राजा वड़िंग की अगुआई में चुनाव लड़ने को तैयार नहीं हैं। रंधावा तो उन्हें इशारों में कंप्रोमाइज्ड लीडर तक बता चुके हैं।

आगरा में विदेशी महिला पर्यटक की साड़ी खुली

महिला सिपाही ने साड़ी बांधी

आगरा (एजेंसी)। आगरा में साड़ी पहनकर ताजमहल देखने पहुंची अर्जेंटीना की महिला टूरिस्ट की साड़ी खुल गई। वह बार-बार साड़ी बांध रही थीं। मगर साड़ी खुल जा रही थी। इससे टूरिस्ट थोड़ा असहज हो गई। यह देख सुरक्षा में तैनात महिला सिपाही ने साड़ी बांधी। यह देख टूरिस्ट बहुत खुश हुई और उससे साड़ी बांधने और प्लेट्स बनाने का तरीका पूछा। सिपाही ने उसे साड़ी पहनना सिखाया। इसके बाद टूरिस्ट ने उनसे हाथ मिलाया और थैंक्यू यूपी पुलिस बोला।

भोजशाला मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा

भोजशाला परिसर के पास हर शुक्रवार नमाज होगी मुस्लिम पक्ष को अलग जगह दें, परिसर से छेड़छाड़ न करें

मप्र सरकार को दिए निर्देश- बिना कोर्ट की मंजूरी लिए परिसर में किसी भी तरह का बदलाव न करे

नईदिल्ली/धार(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश सरकार को धार भोजशाला मंदिर के पास नमाज के लिए कोई खुला स्थान देने को कहा है। कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि हर शुक्रवार दोपहर 1 से 3 बजे के बीच नमाज के लिए यह जगह दी जाए।

अदालत ने यह भी कहा कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) बिना कोर्ट की मंजूरी परिसर में किसी भी तरह का बदलाव न करे। सुप्रीम कोर्ट एमपी हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें परिसर को मंदिर करार दिया गया है।

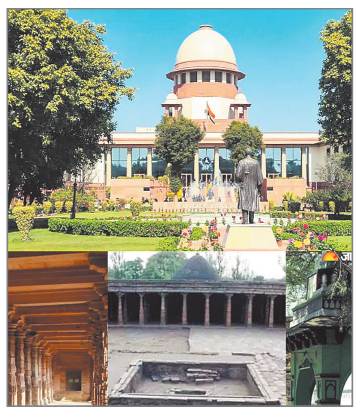

सुनवाई के बाद भोजशाला संयोजक गोपाल शर्मा ने कहा कि हाईकोर्ट के आदेश के अनुसार भोजशाला में नियमित पूजा-अर्चना जारी रहेगी। वहीं, तय जगह पर मुस्लिम समुदाय के लोग नमाज अदा कर सकेंगे।

भोजशाला परिसर में कोई भी संरचनात्मक बदलाव नहीं होगा- मुस्लिम पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता हुजैफा अहमदी की मांग स्वीकार करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) कोर्ट की पूर्व अनुमति के बिना भोजशाला परिसर में कोई भी संरचनात्मक बदलाव नहीं करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी संकेत दिया कि मामले की अंतिम सुनवाई करीब तीन सप्ताह बाद की जाएगी।

- **ज्ञानवापी मामला : मध्यस्थता कोर्ट में सुनवाई पूरी, दोनों पक्षों ने समझौता से किया इनकार-** ज्ञानवापी मामले में मध्यस्थता कोर्ट में सुनवाई आज (यानि मंगलवार) को पूरी हो गई। दोनों पक्षों ने मध्यस्थता से इनकार कर दिया है। चार पत्रावलियों पर ये बातचीत हुई है। चारों पत्रावलियों के पक्षकार आए थे और सभी ने इस मामले में किसी भी प्रकार की मध्यस्थता से इनकार किया और कोर्ट के निर्णय को सर्वमान्य मानने की बात कही।
- **मंदिर-मस्जिद पक्ष ने कहा, अदालत से तय होंगे मुकदमे-** सभी पक्षों ने अपनी-अपनी बातों पर दृढ़ता दिखाई कि कोई समझौता नहीं करेंगे, अपनी लड़ाई लड़ेंगे। इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार समझौते की वार्ता विफल हो गई।

कोर्ट ने अंतरिम राहत देने से इनकार किया

सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश के धार स्थित ऐतिहासिक भोजशाला परिसर को लेकर मुस्लिम पक्षों की याचिकाओं पर नोटिस जारी किया है। इन याचिकाओं में मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी गई है, जिसमें भोजशाला को मां सरस्वती का मंदिर माना गया था और परिसर में नमाज अदा करने पर रोक लगा दी गई थी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहन की पीठ ने मामले की सुनवाई की। हालांकि, कोर्ट ने फिलहाल अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया। यानी पहले जैसी व्यवस्था बहाल नहीं होगी, जिसके तहत शुक्रवार को मुस्लिम समुदाय को नमाज और निर्धारित दिनों में हिंदू पक्ष को पूजा की अनुमति थी।

ईरानी सेना का ऐलान

अमेरिकी दबाव से नहीं खुलेगा होर्मुज, ओमान में तेल टैंकर पर मिसाइल से हमला

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी/नईदिल्ली (एजेंसी)। ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट में सोमवार देर रात यूएई के दो तेल टैंकरों एमटी अल बहियाह और एमटी मोम्बासा पर क्रूज मिसाइलों से हमला किया। इसमें एक भारतीय की मौत हो गई। विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों जहाजों में 46 क्रू मेंबर्स थे जिसमें कुल 30 भारतीय थे।

मंत्रालय के मुताबिक एमटी अल बहियाह पर सवार 12 भारतीयों में से एक की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया। वहीं, एमटी मोम्बासा पर मौजूद 18 भारतीयों में से 9 घायल हुए हैं। इनमें 2 की हालत गंभीर बताई गई है। भारत ने मंगलवार सुबह ईरान के उप राजदूत मोहम्मद जवाद हुसैनी समेत ईरानी डिप्लोमेट्स को तलब किया। विदेश मंत्रालय ने घटना पर गंभीर चिंता जताई और ईरानी मिशन से जवाब मांगा।

इधर, अमेरिका ने मंगलवार सुबह ईरान पर करीब पांच घंटे बमबारी की।

नासिक में पर्यटकों पर हमला, 15 किमी तक पीछा किया

● चलती कार पर पत्थर-रॉड मारे, पीड़ित परिवार ने महिला से छेड़छाड़ का विरोध किया था

नासिक (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नासिक में घूमने गए एक पर्यटक परिवार पर मनचलों ने हमला कर दिया। आरोपियों ने एक महिला से छेड़छाड़ की थी। परिवार ने इसका विरोध किया तो 8-10 युवकों ने परिवार को घेर लिया। महिला का परिवार किसी तरह कार से वहां से भागा।

इसके बाद आरोपियों ने बाइकों से कार का करीब 15 किमी तक पीछा किया और लाठी-डंडों, रॉड और बेसबॉल स्टिक से उन पर जानलेवा हमला किया और चलती कार में तोड़फोड़ की। परिवार ने किसी तरह जान बचाई।

- **रास्ते में कई बार कार पर डंडों-रॉड से हमला किया-** नासिक पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, नासिक में ही रहने वाली पूनम भागवत 12 जुलाई की शाम अपने परिवार के साथ भावली वाटरफॉल घूमने गई थीं। इसी दौरान परिवार की एक लड़की के साथ कुछ स्थानीय मनचलों ने कथित छेड़छाड़ की। इस पर उन्होंने और उनके पति ने विरोध जताते हुए कहा कि आपको पता है यह पब्लिक प्लेस है। इतना सुनते ही दोनों युवकों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। इसका विरोध करने के बाद वे मौके से फरार हो गए।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने झारखंड के पूर्व मंत्री दिवंगत मन्नान मल्लिक को दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

रांची। झारखंड। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने झारखंड के पूर्व मंत्री मन्नान मल्लिक के आकस्मिक निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन एवं उनकी धर्मपत्नी विधायक कल्पना सोरेन आज झारखंड विधानसभा पहुंचकर दिवंगत मन्नान मल्लिक जी के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी।

मुख्यमंत्री ने मरांग बुरु से दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिजनों, समर्थकों एवं शुभचिंतकों को इस कठिन घड़ी में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने पूर्व मंत्री मन्नान मल्लिक के निधन पर शोक जताते हुए कहा कि वे लम्बे समय तक जनसेवा और सार्वजनिक जीवन में सक्रिय रहे, उन्होंने झारखंड, विशेषकर धनबाद की जनता की आवाज़ को मजबूती से उठाने का काम किया।

उनके निधन से राज्य ने एक अनुभवी जनप्रतिनिधि और सामाजिक सरोकारों से जुड़े नेता को खो दिया है। उनका निधन अपूरणीय क्षति है, उनकी कमी सदैव महसूस होगी।

● मुख्यमंत्री ने पूर्व मंत्री मन्नान मल्लिक के परिजनों से की मुलाकात

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन एवं उनकी धर्मपत्नी विधायक कल्पना ने इस दौरान पूर्व मंत्री दिवंगत मन्नान मल्लिक के शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर गहरी संवेदना प्रकट की तथा उनको ढांढ़स बंधाया। उल्लेखनीय है कि झारखंड के पूर्व मंत्री मन्नान मल्लिक पिछले कुछ समय से बीमार चल रहे थे। सुबह रांची के एक निजी अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली।

11 साल में तीसरी बार मानसून पर ब्रेक

नई दिल्ली/लखनऊ/भोपाल (एजेंसी)। देश के बड़े हिस्से में जुलाई में मानसून ब्रेक जैसी स्थिति बनी है। साल 2015 और 2021 के बाद 11 साल में यह तीसरा मौका है। मौसम विभाग के मुताबिक 6-7 दिनों तक उत्तर-पश्चिम, मध्य और दक्षिण भारत के अधिकांश हिस्सों में बारिश के आसार कम हैं। हालांकि, पूर्वोत्तर, बिहार और पश्चिम बंगाल में तेज बारिश जारी रहेगी।

मध्य प्रदेश में पहली बार जुलाई में मानसूनी सीजन में कम बारिश दर्ज की गई है। मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश में अब तक 241.8 मिमी बारिश हुई है, जो सामान्य बारिश 250.1 मिमी से 3प्रतिशत कम है।

यूपी में अब तक 19 प्रतिशत, एमपी में 3 प्रतिशत कम बारिश

वहीं, उत्तर प्रदेश में 1 जून से 13 जुलाई के बीच 161.6 मिमी बारिश हुई, जो कि औसतन 199.7 मिमी से 19 प्रतिशत कम है। राजस्थान में पिछले 24 घंटे में कहीं भी बारिश नहीं हुई। श्रीगंगानगर में अधिकतम पारा 41.5 डिग्री रहा।

नॉर्थ-ईस्ट राज्यों में बाढ़ जैसे हालात- पूर्वोत्तर में बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। बिहार, असम, मेघालय, सिक्किम, अरुणाचल में लैंडस्लाइड और बाढ़ की खबरें सामने आ रही हैं। सोमवार को अरुणाचल के कुरुंग कुमे जिले में कुमे नदी में बाढ़ के बाद भारत-चीन सीमा के पास टापा बॉर्डर आउटपोस्ट पर तैनात आईटीबीपी के 15 जवानों से संपर्क टूट गया। असम के टियोक में पुथी नदी ने एक तटबंध तोड़ दिया। कई गांव और कृषि भूमि पानी में डूब गए हैं। कई जगहों पर सड़कें टूट गई।

हीट इंडेक्स यानी फील लाइक टेम्परेचर बढ़ेगा- दरअसल, हवा में नमी बढ़ने पर शरीर से निकलने वाला पसीना जल्दी नहीं सूखता। इससे शरीर ठंडा नहीं हो पाता और मौसम वास्तविक तापमान से कहीं ज्यादा गर्म लगता है। इसे हीट इंडेक्स कहते हैं। भुवनेश्वर में पारा 36 डिग्री और 63 प्रतिशत आर्द्रता के साथ हीट इंडेक्स 49डिग्री तक पहुंच गया। मुंबई में 32 डिग्री पारा होने के बावजूद 70 प्रतिशत नमी के चलते 40 डिग्री जैसी गर्मी महसूस हो रही है। दिल्ली और श्रीगंगानगर में हीट इंडेक्स करीब 45-46 डिग्री है।

अरुणाचल प्रदेश: 84 मीटर लंबा पुल बहा, 8 गांवों का संपर्क टूटा- अरुणाचल प्रदेश में बाढ़ में क्रा दादी जिले में कुमेय नदी पर बना 84 मीटर लंबा पुल सोमवार को बाढ़ में बह गया। इसके बाद 8 गांवों का राज्य के बाकी हिस्सों से संपर्क पूरी तरह कट गया। राज्य में बारिश के कारण आई बाढ़ और लैंडस्लाइड से अब तक 7 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 29 लोग घायल हुए हैं। 26 जिलों के 425 गांवों में रहने वाले 97,182 लोग प्रभावित हुए हैं।

संक्षिप्त समाचार

नाबालिग की फोटो सोशल मीडिया पर डालना पड़ा भारी, मिली तीन साल की सजा

रांची, एजेंसी। पोक्सो एक्ट के विशेष न्यायाधीश बीके श्रीवास्तव की अदालत ने नाबालिग छात्रा की अश्लील तस्वीर खींचकर ब्लैकमेल के मामले में दोषी विशाल होरो को तीन वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनायी है। मामले में नामकुम थाना में शिकायत दर्ज करायी गयी थी। अभियोजन के अनुसार नामकुम थाना क्षेत्र की रहनेवाली पीड़िता से वर्ष 2021 में आरोपी की पहचान हुई थी। आरोपी बहाने से उसे कोकर स्थित अपने किराये के मकान में ले गया, जहां कपड़े बदलने के दौरान उसकी अश्लील तस्वीरें मोबाइल से खींच ली। इसके बाद आरोपी उन तस्वीरों को सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर पीड़िता को बार-बार मिलने के लिए मजबूर करता रहा। विरोध करने पर उसने तस्वीरें इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप पर साझा कर दी तथा पीड़िता और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी। कई लोग सोचते हैं कि उन्होंने फोटो नहीं बनायी, सिर्फ किसी का भेजा हुआ मैसेज आगे बढ़ा दिया। लेकिन कानून में यह तर्क हमेशा काम नहीं आता। अगर आप किसी की निजी या अश्लील तस्वीर जानते-बूझते शेयर करते हैं, तो आपके खिलाफ भी कार्रवाई हो सकती है। खासकर यदि वह तस्वीर किसी बच्चे या किशोर की हो।

लड़कियों ने पुलिस के सामने दिया बयान, अगवा किये जाने के बाद युवकों ने किया था सामूहिक दुष्कर्म

रांची, एजेंसी। रांची जिले के तुपुदाना ओपी क्षेत्र अंतर्गत भगवान होटल के पीछे किराये के मकान में दो नाबालिग लड़कियों को ले जाकर सामूहिक दुष्कर्म के मामले में गिरफ्तार चार आरोपियों को पुलिस ने सोमवार को जेल भेज दिया। वहीं दो नाबालिग आरोपियों को रिमांड होम भेजा गया। इस संबंध में रांची के सिटी एसपी पारस राणा ने बताया कि दोनों नाबालिग बच्चियों के साथ गैंगरेप की घटना घटी थी। इस संबंध में प्राथमिक की दर्ज कर ली गयी है। सभी आरोपियों को पूछताछ के बाद जेल भेज दिया गया। नाबालिग लड़कियों की मेडिकल जांच करा ली गयी है। सिटी एसपी ने बताया कि स्मार्ट सिटी के सभी सीसीटीवी की जांच की गयी, लेकिन कहीं भी न किशोरी दिखीं और न ही आरोपी दिखे। जब किशोरियों से पूछा गया, तो उन्होंने बताया कि वे अपने दोस्त के साथ स्मार्ट सिटी घूमने गयी थीं। यही से दोनों को अगवा कर लिया गया था। उसके बाद तुपुदाना इंसलरी के पास स्थित एक मकान में ले जाकर उनके साथ गलत काम किया गया। बाद में आये और चार लोगों ने भी सामूहिक दुष्कर्म किया।

किता-सिल्ली रेलखंड पर विकास कार्य के कारण ट्रेनों का बदला रूट, रांची रेल मंडल में दो जोड़ी ट्रेनें रहेंगी रद्द

रांची, एजेंसी। दक्षिण पूर्व रेलवे के रांची रेल मंडल के अंतर्गत किता-सिल्ली रेलखंड पर विकास कार्य के लिए ट्रैफिक एवं पावर ब्लॉक लिया जा रहा है। इसके चलते 11 जुलाई 2026 को कई ट्रेनों के परिचालन में बदलाव किया गया है। रेलवे ने यात्रियों से यात्रा शुरू करने से पहले अपनी ट्रेन की पूरी जानकारी प्राप्त करने की अपील की है। रेलवे द्वारा जारी सूचना के अनुसार, ट्रेन संख्या 13503/13504 बर्द्धमान-हटिया-बर्द्धमान मेमू एक्सप्रेस का 11 जुलाई को गोमो स्टेशन पर आंशिक समापन एवं आंशिक प्रारंभ होगा। इस दौरान गोमो-हटिया-गोमो रेलखंड पर इस ट्रेन का परिचालन रद्द रहेगा। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 18035/18036 खड़गपुर-हटिया-खड़गपुर एक्सप्रेस का आंशिक समापन आद्रा स्टेशन पर किया जाएगा तथा यह आद्रा स्टेशन से ही आंशिक रूप से संचालित होगी। इस कारण आद्रा-हटिया-आद्रा रेलखंड पर इस ट्रेन का परिचालन नहीं होगा। वहीं ट्रेन संख्या 63598/63597 आसनसोल-रांची-आसनसोल मेमू पैसेंजर का आंशिक समापन एवं आंशिक प्रारंभ मूरी स्टेशन पर होगा। इसके चलते मूरी-रांची-मूरी के बीच इस ट्रेन का परिचालन रद्द रहेगा। इसके अलावा ट्रेन संख्या 58663/58664 हटिया-सांकी-हटिया पैसेंजर तथा 58665/58666 हटिया-सांकी-हटिया पैसेंजर 11 जुलाई 2026 को पूरी तरह रद्द रहेंगी। रेलवे ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि वे इन परिवर्तनों को ध्यान में रखते हुए अपनी यात्रा की योजना बनाएं। रांची रेल मंडल की वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक (सीनियर डीसीएम) श्रेया सिंह ने कहा किता-सिल्ली रेलखंड पर आवश्यक विकास कार्यों को सुरक्षित और समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए ट्रैफिक ब्लॉक लिया गया है। इसके कारण कुछ ट्रेनों के परिचालन में अस्थायी परिवर्तन किए गए हैं। यात्रियों से अनुरोध है कि यात्रा से पहले रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट, एनटीईएस, रेल मदद पोर्टल अथवा हेल्पलाइन के माध्यम से अपनी ट्रेन की अद्यतन जानकारी अवश्य प्राप्त कर लें। ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, विकास कार्य पूरा होने के बाद संबंधित रेलखंड पर ट्रेनों का परिचालन सामान्य रूप से बहाल कर दिया जाएगा।

रथयात्रा मार्ग का समुचित समतलीकरण एवं साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश

● जगन्नाथपुर रथयात्रा की तैयारियों को लेकर जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त, रांची मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा किया गया स्थलीय निरीक्षण

● श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुगम व्यवस्था सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

रांची।आगामी जगन्नाथपुर रथयात्रा एवं मेले के सफल, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त, रांची मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा संबंधित अधिकारियों के साथ रथयात्रा मार्ग एवं मौसीबाड़ी परिसर का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान वरीय पुलिस अधीक्षक, रांची राकेश रंजन, पुलिस अधीक्षक (नगर) पारस राणा, अनुमण्डल पदाधिकारी सदर कुमार रजत, अपर जिला दण्डाधिकारी (विधि-व्यवस्था) धनंजय, पुलिस उपाधीक्षक हटिया नीरज कुमार, संबंधित थाना प्रभारी, मंदिर समिति के अध्यक्ष एवं सदस्य उपस्थित थे।

रांची जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने रथयात्रा मार्ग का निरीक्षण करते हुए निर्देश दिया कि पूरे मार्ग पर किसी भी प्रकार के कंकड़ अथवा अवरोध नहीं रहने चाहिए, ताकि रथ के संचालन एवं श्रद्धालुओं की आवाजाही में किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने संबंधित विभागों को रथयात्रा मार्ग का समुचित समतलीकरण एवं साफ-सफाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिये।

रांची जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने रथयात्रा मार्ग पर किसी भी प्रकार के अतिक्रमण को तत्काल हटाने एवं आयोजन अवधि के दौरान मार्ग को पूरी तरह अतिक्रमण मुक्त रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा और सुगम आवागमन सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसलिए सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें।

निरीक्षण के दौरान जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने रथयात्रा मार्ग के ऊपर से गुजर रहे बिजली के तारों को हटाने तथा आवश्यकतानुसार सुरक्षित वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश विद्युत विभाग के अधिकारियों को दिये।

साथ ही उन्होंने एक बार फिर से अपील करते हुए कहा कि मंदिर परिसर क्षेत्र में प्लास्टिक का उपयोग न हो इसमें सभी सहयोग करें।

मौसीबाड़ी परिसर के निरीक्षण के दौरान जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने टेंट व्यवस्था को और बेहतर बनाने तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए तथा सभी मूलभूत सुविधाएं समय से पूर्व उपलब्ध करा दी जाएं।

इस अवसर पर वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन ने सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि सभी पुलिस वॉच टावर पूर्णतः कार्यशील (फंक्शनल) रहें तथा प्रत्येक वॉच टावर पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि सड़क के डिवाइडर पर किसी भी प्रकार की दुकान नहीं लगने दी जाए, जिससे यातायात व्यवस्था एवं भीड़ नियंत्रण प्रभावित न हो।

सतगावां पुलिस ने अंग्रेजी शराब से लदा बोलेरो किया जब्त

कोडरमा, एजेंसी। कोडरमा की सतगावां पुलिस ने शराब तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए सोमवार रात करीब 9 बजे एक बोलेरो वाहन (क्रमांक 02 क 5136) को जब्त किया, जिसमें अवैध अंग्रेजी शराब की दर्जनों पेटियां लदी हुई थीं। यह कार्रवाई सतगावां थाना क्षेत्र के नासरगंज पेट्रोल पंप के पास की गई। थाना प्रभारी बबलू कुमार सिंह को गुप्त सूचना मिली थी कि गिरिडीह की ओर से शराब की एक बड़ी खेप क्षेत्र में पहुंचने वाली है। सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल योजना बनाकर इलाके में घेराबंदी शुरू कर दी। संदिग्ध वाहनों पर नजर रखी जाने लगी।

पीछा करने पर वाहन छोड़कर फरार हुआ तस्कर

थाना प्रभारी के निर्देश पर पुलिस बल थाना मोड़ पर तैनात था। इसी दौरान संदिग्ध बोलेरो वाहन वहां पहुंचा, जिसे रोकने का प्रयास किया गया। हालांकि, पुलिस को देखते ही चालक वाहन को तेज रफ्तार से भगा ले गया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत उसका पीछा शुरू कर दिया। पीछा किए जाने पर तस्कर ने नासरगंज पेट्रोल पंप के पीछे गाड़ी खड़ी कर दी और अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। घटना के दौरान कुछ समय के लिए इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

वाहन जब्त, तस्कर की तलाश में छापेमारी जारी

पीछा कर रही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर बोलेरो वाहन को अपने कब्जे में ले लिया। थाना प्रभारी बबलू कुमार सिंह ने बताया कि जब्त वाहन और उसमें लदी अंग्रेजी शराब को थाने लाया गया है, जहां शराब की पेटियों की गिनती और वाहन के कागजातों की जांच की जा रही है। पुलिस फिलहाल फरार शराब तस्कर की पहचान कर उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। थाना प्रभारी ने भरोसा जताया कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस कार्रवाई को इलाके में अवैध शराब कारोबार के खिलाफ बड़ी सफलता के रूप में देखा जा रहा है।

राज्य के सभी मतदान केंद्रों पर द्वितीय बीएलओ एवं बीएलए 2 की बैठक संपन्न

22 जुलाई को बीएलओ एवं बीएलए 2 के तृतीय एवं अंतिम बैठक में एएसडीडी सूची पर लिया जाएगा अंतिम निर्णय

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता
रांची / रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा है कि मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण केवल पात्र भारतीय नागरिकों के लिए है, गैर भारतीय इस प्रक्रिया में भाग न लें यह दंडनीय अपराध है। गैर भारतीय को यदि इन्यूमरेशन फॉर्म प्राप्त होता है तो वो इसे बिना भरे एवं हस्ताक्षर किए उचित कारण बताकर बीएलओ को लौटा दें। पदाधिकारी के. रवि कुमार मंगलवार को लोहरदगा में मतदान केंद्रों पर आयोजित बीएलओ एवं बीएलए 2 की बैठक एवं चुनाव पाठशाला में उपस्थित मतदाताओं को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने उपस्थित सभी बीएलओ, बीएलए, चुनाव पाठशाल के मेंबर्स के साथ मिलकर एसआईआर संबंधी उनके जानकारियों को जाना एवं बीएलओ को उनके कार्यों के लिए प्रोत्साहित भी किया।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत राज्य के प्रत्येक मतदान केंद्रों पर बीएलए 2 की बैठक एवं चुनाव पाठशाला का आयोजन किया गया था, जिसमें बीएलओ द्वारा

अपने मतदान केंद्र के एएसडीडी सूची को पढ़कर सुनाई गई। 22 जुलाई को बीएलओ एवं बीएलए 2 की तृतीय एवं अंतिम बैठक आयोजित की जाएगी। इस बैठक की कार्यवाही एवं फोटो भी बीएलओ ऐप के माध्यम से अपलोड किया जाएगा। 22 जुलाई की बैठक में एएसडीडी सूची को अंतिम रूप दिया जाएगा जिसक 5 अगस्त को मतदाता सूची के ड्राफ्ट पब्लिकेशन के साथ साथ एएसडीडी सूची का भी प्रकाशन किया जाएगा।

पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा कि वर्तमान मतदाता सूची के एक भी पात्र भारतीय नागरिक का नाम एसआईआर के ड्राफ्ट मतदाता सूची में न छुटे, एएसडीडी सूची को मूर्त रूप देते समय सभी

बीएलओ एवं बीएलए 2 विशेष ध्यान रखकर कार्य करें। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने प्रारूप मतदाता सूची से बाहर रहने वाली 5 श्रेणियां जिन्हें एएसडीडी सूची में डाला गया है एवं इन्हें प्रारूप मतदाता सूची से बाहर रखा जाएगा निम्न प्रकार हैः-

पहले से नामांकित (D - Duplicate/Duplicate Entr4): ऐसे मतदाता जिनका नाम एक से अधिक जगह दर्ज है। वे जहाँ सामान्य रूप से रहते हैं, वहाँ के फॉर्म पर हस्ताक्षर करेंगे और बाकी जगहों के फॉर्म को बिना हस्ताक्षर किए कारण लिखकर बीएलओ को लौटा देंगे।

रामगढ़ की 'गोल्डन गर्ल्स': नन्हें कदमों ने मैदान पर रचा इतिहास, गोला की बेटियां बनीं जिला चैंपियन

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

रामगढ़।हौसले बुलंद हों तो मंजिल मिलना तय है। मंगलवार को रामगढ़ स्थित गांधी मेमोरियल मुख्यमंत्री उत्कृष्ट प्लस विद्यालय के मैदान पर कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला। झारखंड शिक्षा परियोजना द्वारा आयोजित दो दिवसीय 'द्वितीय जिला स्तरीय लिटिल चैंप फुटबॉल प्रतियोगिता' के पहले दिन अंडर-12 बालिका वर्ग में गोला प्रखंड की नन्हीं बेटियों ने शानदार प्रदर्शन कर जिला चैंपियन का खिताब अपने नाम कर लिया।

मैदान पर सुबह से ही बच्चों का उत्साह देखते ही बन रहा था। रंग-बिरंगी जर्सी में सजी बेटियों की आंखों में जीत का सपना साफ नजर आ रहा था। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य केवल प्रतिस्पर्धा कराना नहीं था, बल्कि सरकारी विद्यालयों

की छात्राओं को खेल के माध्यम से अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता सिखाना भी था।

प्रतियोगिता का शुभारंभ जिला शिक्षा अधीक्षक खुशबू कुमारी, अनूप एम. केरकेट्टा, कुमार राज, सुलोचना कुमारी और विद्यालय के प्राचार्य संतोष कुमार अनल ने खिलाड़ियों से मिलकर किया। उन्होंने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि मैदान पर जीत के साथ-साथ खेल भावना और अनुशासन का भी विशेष महत्व है।

टूर्नामेंट में जिले के छह प्रखंडों की टीमों ने भाग लिया। पहला सेमीफाइनल दुलमी और पतरातू के बीच खेला गया। निर्धारित समय तक कोई गोल न होने के कारण मैच का निर्णय पेनल्टी शूटआउट से हुआ, जिसमें दुलमी की टीम ने जीत दर्ज कर फाइनल में प्रवेश किया।

फाइनल मुकाबला गोला और दुलमी की टीमों के बीच हुआ। मैच की शुरुआत से ही गोला की खिलाड़ियों ने शानदार तालमेल और आक्रामक रणनीति के साथ खेल दिखाया। उनके सटीक पास और तेज दौड़ के सामने दुलमी की टीम टिक नहीं सकी।

पाकुड़ के दर्जनों मतदान केंद्रों पर लगाए गए डिजिटाइजेशन कैंप, मतदाताओं की उमड़ी भीड़

पाकुड़, एजेंसी। मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर रविवार को जिले के शहरी और ग्रामीण इलाकों के दर्जनों मतदान केंद्रों पर डिजिटाइजेशन कैंप लगाए गए। जिला प्रशासन के निर्देश पर पाकुड़, लिट्टीपाड़ा और महेशपुर विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्रों पर लगाए गए कैंप में गणना प्रपत्र का वितरण, संग्रहण के साथ-साथ प्रपत्रों का ऑनलाइन डिजिटाइजेशन किया गया।

कैंपों में एसआईआर प्रपत्रों को जमा कराने और उसका डिजिटाइजेशन कराने बड़ी संख्या में मतदाता पहुंचे थे। बूथों पर आयोजित कैंप में मतदाताओं के बीच गणना प्रपत्रों का वितरण भी किया गया। मतदाताओं को सहयोग करने के लिए बूथ लेवल पदाधिकारी, बीएलओ सुपरवाइजर,

वोलेंटियर, राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट भी मौजूद रहे।

उप विकास आयुक्त अरविंद कुमार लाल, अनुमंडल पदाधिकारी साइमन मरांडी, उप जिला निर्वाचन पदाधिकारी मोजाहीद अंसारी, नगर प्रशासक अमरेंद्र कुमार चौधरी सहित अन्य पदाधिकारियों ने कैंपों का निरीक्षण भी किया। इस दौरान पदाधिकारियों ने कैंपों में घंटों समय दिया और वैसे मतदाताओं को सहयोग किया जो गणना प्रपत्र लेकर कई दिनों से परेशान थे। मौके पर मौजूद जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी मोजाहिद अंसारी ने बताया जिले के सुदूरवर्ती वैसे इलाके जहां नेटवर्क की समस्या है उन इलाके के लोगों की सहूलियत के लिए प्रशासन ने नेटवर्क वाले इलाकों में कैंप लगाने का निर्णय लिया, ताकि मतदाताओं द्वारा बीएलओ के पास जमा किए गए गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन किया जा सके। साथ ही वैसे मतदाता जो गणना प्रपत्र भरने में सक्षम नहीं हैं उन्हें मदद करने का भी काम कैंपों में किया जा रहा है।

कोडरमा पुलिस पहुंची तो भड़की नाबालिग पुलिस वालों पर ही चाकू चलाया

कोडरमा, एजेंसी। कोडरमा के चंदवारा थाना क्षेत्र के गरागड़ी गांव में सोमवार देर रात एक नाबालिग लड़की ने पुलिस टीम पर चाकू से हमला कर दिया। पुलिस जयनगर थाना क्षेत्र की रहने वाली नाबालिग को बरामद करने और उसे भगाकर शादी करने वाले युवक राहुल दास को गिरफ्तार करने पहुंची थी। जानकारी के अनुसार, नाबालिग 6 जुलाई को अपने प्रेमी के साथ फरार हो गई थी। जिसके बाद उसके पिता ने जयनगर थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया था कि राहुल दास उनकी बेटी को बहला-फुसलाकर भगा ले गया है। पुलिस तभी से दोनों की तलाश में जुटी थी।

सोमवार देर रात पुलिस को सूचना मिली कि नाबालिग और उसका प्रेमी गरागड़ी गांव में अपने घर आए हुए हैं। सूचना मिलते ही जयनगर थाना प्रभारी विकास कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस के साथ युवती की मां भी मौजूद थी। पुलिस के पहुंचते ही नाबालिग लड़की ने हंगामा शुरू कर दिया। जैसे ही एक महिला पुलिसकर्मी ने घर का दरवाजा खोलकर अंदर जाने की कोशिश की, नाबालिग ने अचानक चाकू से हमला कर दिया। हालांकि महिला पुलिसकर्मी की सतर्कता के कारण उन्हें कोई चोट नहीं आई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हमले के बाद पुलिस ने काफी मशक्कत कर नाबालिग युवती को काबू में किया, लेकिन इस दौरान उसने जमकर बवाल काटा और अपने प्रेमी राहुल दास को वहां से फरार होने का मौका दे दिया। युवती ने पुलिस को धमकी भी दी कि अगर उसके प्रेमी को कुछ हुआ तो वह आत्महत्या कर लेगी।

जियलगोडा में 2.5 एकड़ सरकारी तालाब को भू-माफियाओं की गिद्ध दृष्टि से कराया मुक्त

● हाइवा जब्त, गोविंदपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची / धनबाद।मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा गत 29 मई 2026 को उच्च अधिकारियों के साथ नगर विकास एवं आवास विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान जलस्रोतों पर अतिक्रमण करनेवालों के खिलाफ तुरंत केस दर्ज करने के निर्देश के आलोक में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निर्देशानुसार गोविंदपुर अंचल के जियलगोडा स्थित सरकारी तालाब को अतिक्रमण से मुक्त कराने के लिए त्वरित एवं बड़ी कार्रवाई की गई।

दरअसल, गोविंदपुर के अंचल अधिकारी यशवंत कुमार सिन्हा को सुबह लगभग 10 बजे जियलगोडा स्थित 2.5 एकड़ सरकारी तालाब का भू-माफियाओं द्वारा अवैध रूप से मिट्टी भरकर हड़पने किसी सूचना मिली।

सूचना मिलते ही अंचल अधिकारी प्रशासनिक टीम के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों को आते देख स्थल पर अवैध

कार्य में संलिप्त लोग हाइवा छोड़कर मौके से भाग खड़े हुए। अंचल अधिकारी ने तत्काल गोविंदपुर थाना प्रभारी को इसकी सूचना दी। कुछ ही पल में पुलिस भी मौके पर पहुंच गई।

पुलिस ने उक्त स्थल पर अवैध मिट्टी भराई कार्य में प्रयुक्त हाइवा संख्या डब्ल्यू.बी. 81 बी 0026 को दो सरकारी गवाहों के समक्ष जब्त कर लिया गया। जब्त वाहन को गश्ती दल को सुपुर्द कर गोविन्दपुर थाना लाया गया।

जांच में अंचल अधिकारी ने पाया कि मौजा जियलगोडा, थाना नं. 129, थाना गोविन्दपुर, अंचल गोविंदपुर के हाल सर्वे खाता संख्या 243, हाल सर्वे प्लॉट संख्या 687, कुल रकवा 2.49 एकड़, सरकारी आनाबाद, बिहार सरकार खाते की भूमि है, जिसका किस्म तालाब है। जो जलकर के रूप में है।

अंचल अधिकारी ने बताया कि उक्त तालाब एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक जलस्रोत है। इसका उपयोग स्थानीय ग्रामीणों द्वारा मछली पालन, धार्मिक अनुष्ठानों एवं मवेशियों के पानी पीने के लिए किया जाता है। भू-माफियाओं द्वारा इस बहुमूल्य सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुँचाकर अवैध कब्जा करने की नीयत से मिट्टी भराई की जा रही थी। इससे सरकारी संपत्ति को भारी नुकसान हुआ है।

इस संबंध में अंचल अधिकारी के लिखित आवेदन पर गोविन्दपुर थाना में कांड संख्या 215/2026 दिनांक 14.07.2026 दर्ज कर लिया गया है। प्राथमिकी में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 329(3), 61(2), 3(5) एवं सार्वजनिक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम, 1984 की धारा 3(2) के तहत जब्त हाइवा के मालिक, चालक एवं अज्ञात भू-माफियाओं के खिलाफ दर्ज की गई है। इस मामले में उपायुक्त आदित्य रंजन ने कड़े शब्दों में चेतावनी दी है कि सरकारी संपत्तियों, भूमि या तालाबों पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा या अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे भू-माफियाओं के खिलाफ आगे भी इसी प्रकार की सख्त कानूनी व दंडात्मक कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि जलस्रोतों पर अतिक्रमण पर्यावरण और जल निकासी व्यवस्था के लिए बड़ा खतरा है। ऐसे मामलों में कोई नरमी नहीं बरती जायेगी।

उपायुक्त ने कहा कि मुख्यमंत्री ने नदियों, तालाबों, डैम, नालों और अन्य जलस्रोतों पर हो रहे अतिक्रमण पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने अवैध निर्माणों की पहचान कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। साथ में अतिक्रमण कर बनाई गई संरचनाओं का सर्वे कर नोटिस जारी करने, अतिक्रमण नहीं हटानेवालों पर प्राथमिकी दर्ज कर अवैध निर्माण ध्वस्त करने का निर्देश दिया है। इसलिए सभी अंचल अधिकारियों को मुख्यमंत्री के निर्देशों का अक्षरशः पालन करने को कहा गया है।

वहीं सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव ने कहा कि पुलिस प्रशासन ने जब्त हाइवा के मालिक और चालक की पहचान के साथ-साथ इस पूरे सिंडिकेट के पीछे शामिल अज्ञात भू-माफियाओं की धरपकड़ के लिए कड़े निर्देश दिए हैं। मामले की निष्पक्ष और त्वरित जाँच सब-इंस्पेक्टर संतोष कुमार सिंह को सौंपी गई है। धनबाद पुलिस क्षेत्र में किसी भी सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुँचाने वाले तत्वों और भू-माफियाओं के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाएगी। सरकारी संपत्तियों को नुकसान पहुँचाने वाले ऐसे किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और उनके खिलाफ कठोरतम कानूनी व दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

जगन्नाथपुर रथयात्रा को लेकर 16 से 25 जुलाई तक रूट डायवर्ट

रांची, एजेंसी। जगन्नाथपुर रथयात्रा और मेले को लेकर रांची ट्रैफिक पुलिस ने 16 से 25 जुलाई तक विशेष यातायात व्यवस्था लागू करने का निर्णय लिया है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण और सुगम यातायात को ध्यान में रखते हुए शहर के कई प्रमुख मार्गों पर रूट डायवर्ट, नो-एंट्री और पार्किंग की व्यवस्था की गयी है। रथयात्रा 16 जुलाई को निकलेगी, जबकि 25 जुलाई को रथ वापसी (घुरती मेला) के साथ इसका समापन हो जायेगा। ट्रैफिक एसपी राकेश कुमार सिंह के अनुसार, बिरसा चौक से मेले में जानेवाले लोग अपने वाहन शहीद मैदान में पार्क करेंगे। तुपुदाना, हटिया और धुर्वा की ओर से आनेवाले वाहनों के लिए प्रभात तारा मैदान को पार्किंग स्थल बनाया गया है। रिंग रोड से मेला या शहर की ओर आनेवाले भारी व हल्के वाहन तिरिल मोड़, नॉर्थ गेट, प्रभात तारा मैदान और शालीमार बाजार होते हुए अपने गंतव्य तक जायेंगे। तिरिल मोड़ स्थित हेलिपैड में भी पार्किंग की व्यवस्था रहेगी ।यातायात व्यवस्था के तहत तिरिल मोड़ से मौसीबाड़ी गोलचक्कर, शहीद मैदान से मौसीबाड़ी गोलचक्कर तथा प्रभात तारा मैदान के मुहान से जगन्नाथपुर बाजार तक कार, ऑटो, सवारी वाहन और बाइक का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। बिरसा चौक से रिंग रोड जानेवाले वाहनों को सिंह मोड़, चांदनी चौक, धुर्वा गोलचक्कर और वीर कुंवर सिंह चौक होकर भेजा जायेगा। एचइसी और विधानसभा की ओर से रिंग रोड जाने वाले वाहनों के लिए भी वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किये गये हैं। इसी तरह रिंग रोड से शहर आने वाले वाहनों को धुर्वा गोलचक्कर, चांदनी चौक, सिंह मोड़ और बिरसा चौक होते हुए शहर की ओर भेजा जायेगा।

आठ करोड़ खर्च के बाद भी बंद हो गयी रांची की पब्लिक साइकिल शेयरिंग सेवा

रांची, एजेंसी। झारखंड की राजधानी रांची में वर्ष 2019 में बड़े दावों के साथ शुरू किया गया पब्लिक साइकिल शेयरिंग सिस्टम (पीसीएसएस) आखिरकार बंद हो गया है। अप्रैल 2025 में ऑपरेटर कंपनी चार्टर्ड स्पीड के साथ हुए करार की अवधि समाप्त होने के बाद कंपनी ने लगभग एक वर्ष तक सेवा जारी रखी। हालांकि, राज्य सरकार से आगे संचालन की अनुमति नहीं मिलने पर कंपनी ने काम बंद कर दिया। इसके साथ ही शहर में साइकिल शेयरिंग सिस्टम का संचालन पूरी तरह ठप हो गया। इस योजना पर अब तक करीब आठ करोड़ रुपये खर्च किये जा चुके हैं। मार्च 2019 में शुरू हुई इस परियोजना के तहत शहर के विभिन्न हिस्सों में 1200 स्मार्ट साइकिलें उपलब्ध करायी गयी थीं। करीब 60 स्थानों पर साइकिल स्टैंड बनाये गये थे। शुरुआती दौर में छात्रों, युवाओं और नौकरीपेशा लोगों ने इसका उपयोग किया। लेकिन, जल्द ही साइकिल चलाने वाले लोगों की संख्या घटनी शुरू हो गयी। फिर कोविड महामारी के बाद व्यवस्था धीरे-धीरे पटरी से उतरने लगी। साइकिलों के रखरखाव में कमी, चोरी की घटनाएं और तकनीकी समस्याओं के कारण बड़ी संख्या में साइकिलें खराब हो गयीं। कई साइकिलें चोरी भी हो गयीं। कई के पार्ट्स निकाल लिये गये और कुछ गोदामों में कबाड़ बनकर रह गयीं। ऑपरेटर एजेंसी और स्मार्ट सिटी प्रबंधन के बीच भुगतान को लेकर विवाद भी परियोजना पर भारी पड़ा। समय पर भुगतान नहीं होने का असर संचालन और रखरखाव पर पड़ा। दूसरी ओर शहर में अलग साइकिल ट्रैक का अभाव, मोबाइल ऐप की तकनीकी खामियां और सुरक्षा व्यवस्था कमजोर रहने से भी लोगों का भरोसा कम होता गया।

आस्था का चमत्कार: बारिश के लिए ग्रामीणों ने की पहाड़ की पूजा, अनुष्ठान के साथ ही शुरू हुई झमाझम बारिश

पूर्वी सिंहभूमरांची, एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम के धालभूमगढ़ प्रखंड से सटे देवसोल गांव में मंगलवार को एक अनोखा और आस्था से जुड़ा नजारा देखने को मिला। लंबे समय से बारिश नहीं होने से चिंतित हजारों ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से पहाड़ की पूजा-अर्चना की। स्थानीय लोगों का कहना है कि पूजा संपन्न होते ही क्षेत्र में झमाझम बारिश शुरू हो गई। इससे गांव में खुशी का माहौल बन गया और किसानों के चेहरे खिल उठे। देवसोल और आसपास के गांवों में पिछले कई सप्ताह से पर्याप्त बारिश नहीं होने के कारण खेत सूखने लगे थे। आषाढ़ का महीना बीतने को था, लेकिन मानसून की बेरुखी ने किसानों की चिंता बढ़ा दी थी। धान की खेती प्रभावित होने लगी थी और ग्रामीणों को आशंका थी कि यदि जल्द बारिश नहीं हुई तो फसल उत्पादन पर गंभीर असर पड़ेगा। लगातार बढ़ती चिंता के बीच ग्रामीणों ने अपनी परंपरा के अनुसार सामूहिक पहाड़ पूजा करने का निर्णय लिया ।मंगलवार सुबह गांव के ग्राम प्रधान के नेतृत्व में हजारों ग्रामीण पहाड़ पर एकत्र हुए। महिलाओं, पुरुषों और बुजुर्गों ने पारंपरिक विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की। ग्रामीणों ने प्रकृति देवता से अच्छी बारिश, भरपूर खेती, गांव की सुख-समृद्धि, जंगली जानवरों से सुरक्षा और सभी लोगों के निरोग रहने की कामना की।

राजस्व वसूली में तेजी लाने पर जोर

धनबाद में लंबित म्यूटेशन और प्रमाण पत्र मामलों के त्वरित निष्पादन के आयुक्त ने दिए निर्देश

धनबाद, एजेंसी। उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के आयुक्त विजय कुमार गुप्ता ने सोमवार को समाहरणालय सभागार में विभिन्न विभागों की राजस्व वसूली, राजस्व न्यायालय, आंतरिक संसाधन और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर-2026) की समीक्षा की। बैठक में उन्होंने अधिकारियों को निर्धारित राजस्व लक्ष्य हर हाल में हासिल करने के लिए प्रभावी कार्रवाई करने तथा विभागीय कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान, कमिश्नर ने साफ तौर पर कहा कि राज्य के विकास और जन-कल्याणकारी योजनाओं को सफलतापूर्वक लागू करने के लिए रेवेन्यू कलेक्शन (राजस्व वसूली) में बढ़ोतरी जरूरी है।

समीक्षा में खनन, वाणिज्य कर, परिवहन, उत्पाद, कृषि, निबंधन, मत्स्य, नगर निगम, विद्युत आपूर्ति, ई-रेवेन्यू कोर्ट और डीएमएफटी समेत विभिन्न विभागों की प्रगति का आकलन किया गया। संबंधित अधिकारियों ने वार्षिक लक्ष्य, अब तक की उपलब्धि और शेष लक्ष्य की जानकारी प्रस्तुत की।

आयुक्त ने लंबित दाखिल-खारिज (म्यूटेशन) मामलों पर असंतोष व्यक्त करते हुए सभी अंचल अधिकारियों को निर्धारित समय सीमा के भीतर आवेदनों का निपटारा करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि बिना ठोस कारण म्यूटेशन लंबित रखना न केवल राजस्व हित के विपरीत है, बल्कि राइट टू सर्विस अधिनियम के तहत भी दंडनीय हो सकता है। साथ ही उन्होंने अंचल अधिकारियों को नियमित हलका निरीक्षण कर सरकारी भूमि की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

आवेदनों का समय पर निपटान सुनिश्चित हो:

आयुक्त : जाति, आय, आवासीय सहित अन्य प्रमाण पत्रों की समीक्षा करते हुए आयुक्त ने कहा कि ये दस्तावेज आम नागरिकों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, इसलिए इनके आवेदनों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। नीलाम पत्र वाद की समीक्षा के दौरान बड़े बकाएदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। परिवहन विभाग को नियमित जांच अभियान चलाकर राजस्व लक्ष्य हासिल करने तथा नियम उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई करने को कहा गया। उत्पाद विभाग को अवैध शराब के खिलाफ अभियान तेज रखने तथा वाणिज्य कर विभाग को कर चोरी रोकने और कर संग्रह बढ़ाने के निर्देश मिले।

खनन विभाग की समीक्षा में आयुक्त ने अवैध खनन और खनिज परिवहन पर पूरी तरह अंकुश लगाने के लिए लगातार निगरानी और विशेष जांच अभियान चलाने का निर्देश दिया। उन्होंने बिना वैध दस्तावेज खनिज ढुलाई करने वाले वाहनों पर एमएमडीआर अधिनियम के तहत कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा।

स्वास्थ्य सेवाओं में उल्लेखनीय सुधार हुआ है:

आयुक्त : डीएमएफटी के तहत स्वास्थ्य क्षेत्र में किए गए कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों ने सदर अस्पताल, शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, तोपचांची में 12 बेड के डायलिसिस सेंटर सहित विभिन्न स्वास्थ्य परियोजनाओं की जानकारी दी। इस पर प्रमंडलीय आयुक्त ने धनबाद जिला प्रशासन की सराहना करते हुए कहा कि जिले में स्वास्थ्य सेवाओं में उल्लेखनीय सुधार हुआ है और अंतिम व्यक्ति तक बेहतर चिकित्सा सुविधा पहुंचाने की दिशा में अच्छा कार्य किया गया है।

बैठक में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर-2026) की भी समीक्षा हुई। आयुक्त ने गणना प्रपत्रों के वितरण के साथ डिजिटाइजेशन की प्रक्रिया में तेजी लाने तथा शहरी क्षेत्रों में बेहतर कार्ययोजना बनाकर अभियान संचालित करने के निर्देश दिए।

रातभर झाड़ियों में छिपे रहे कोबरा जवान, सुबह घर के बाहर से ऐसे दबोचा गया नक्सली रविंद्र गंझू

रांची, एजेंसी। कुख्यात माओवादी रविंद्र गंझू उर्फ सुरेंद्र गंझू को सोमवार, 13 जुलाई की सुबह में गिरफ्तार कर लिया गया। उसे लातेहार के चंदवा की लाधूप पंचायत के बांझीटोला स्थित उसके घर के पास पकड़ा गया। उसकी मौजूदगी की सूचना मिलने पर रविवार की रात से कोबरा के पांच जवान सादा लिबास में झाड़ियों में टकटकी लगाये बैठे थे। उन्होंने सुबह होते ही उसे घर के पास दौड़ा कर पकड़ लिया। रविंद्र प्रतिबंधित भाकपा माओवादी संगठन में रीजनल कमांडर के पद पर है। उस पर सरकार ने 15 लाख और एनआइए ने पांच लाख रुपये का इनाम रखा था। उसके ठिकाने से एके-56, एक पिस्टल और एक कट्टा मिला है। पिछले दो वर्षों में सीआरपीएफ का यह पहला ऑपरेशन कामयाब रहा।

ऑपरेशन से जुड़े अधिकारी ने बताया कि उसकी गिरफ्तारी बड़े ही नाटकीय अंदाज में हुई। ना गोली चली और ना कोई खास मशक्कत करनी पड़ी। रविंद्र झारखंड पुलिस के लिए लंबे समय से सिरदर्द बना हुआ था। सीआरपीएफ के खुफिया विंग को सूचना मिली थी कि रविंद्र अपने घर पर आया हुआ है। मौके पर रविंद्र गंझू खतरे का अंदेशा होने पर भागने लगा, जिसके बाद उसे जवानों ने दौड़ा कर पकड़ लिया। इसके बाद पहले से ही कुछ दूरी पर चार गाड़ियों में तैनात बैकअप जवान पहुंचे। फिर रविंद्र को साथ लेकर लातेहार चले गये।

रविंद्र गंझू लातेहार जिले के चंदवा स्थित हेसला मौजा के बांझीटोला का रहनेवाला है। उस पर लातेहार, लोहरदगा और गुमला आदि जिलों में 55 से ज्यादा मामले दर्ज हैं। उसकी गिरफ्तारी से पलामू और रांची प्रमंडल में नक्सली लीडरशीप खत्म हो गयी है। लातेहार पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। पुलिस सूत्र बताते हैं कि रविंद्र गंझू के अलावा भी दो और लोगों को पुलिस ने पकड़ा है।

खड़े ट्रेलर से टकराई पुलिस गाड़ी, कॉन्स्टेबल की मौत

धनबाद, एजेंसी। धनबाद के बरवाअड्डा थाना क्षेत्र में सोमवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसे में हजारीबाग पुलिस के एक आरक्षी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह दुर्घटना जोड़ापीटल के पास नेशनल हाईवे पर हुई। जानकारी के अनुसार, हजारीबाग जिले के चलकुशा थाना में तैनात आरक्षी राम लखन यादव एक पुलिस टीम के साथ धनबाद के मैथन थाना क्षेत्र में छापेमारी के लिए आए थे। टीम एक व्यक्ति को हिरासत में लेने के बाद वापस हजारीबाग लौट रही थी। इसी दौरान सुबह करीब 3:30 बजे उनकी गाड़ी सड़क किनारे खड़े एक ट्रेलर से पीछे से जा टकराई।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वाहन के आगे बैठे आरक्षी राम लखन यादव ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे में आरक्षी नरेश कुमार, आरक्षी ग्रीन पासवान, एक निजी चालक और एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही बरवाअड्डा थाना पुलिस मौके पर पहुंची।सभी घायलों को धनबाद के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज जारी है। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

मृतक आरक्षी राम लखन यादव के परिजन कामेश्वर चौधरी ने बताया कि वह झारखंड पुलिस में कार्यरत थे। ड्यूटी से लौटने के दौरान यह हादसा हुआ। उन्होंने बताया कि दुर्घटना में घायल चारों लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है, जिससे परिवार में चिंता का माहौल है। इधर, पुलिस ने इस सड़क दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर आशंका जताई जा रही है कि तेज रफ्तार और अंधेरे के कारण चालक को सड़क किनारे खड़े ट्रेलर का अंदाजा नहीं लग पाया, जिससे यह हादसा हुआ।

सांसद ढुल्लू महतो ने विधायक अरूप चटर्जी को भेजा 2 करोड़ का मानहानि नोटिस, सात दिन में मांगा जवाब

धनबाद, एजेंसी। सांसद ढुल्लू महतो ने निरसा विधायक अरूप चटर्जी को अपने अधिवक्ता के माध्यम से 2 करोड़ रुपए का मानहानि नोटिस भेजा है। नोटिस में आरोप लगाया गया है कि विधायक द्वारा हाल में आयोजित प्रेस वार्ता और उसके बाद विभिन्न प्रिंट, डिजिटल एवं सोशल मीडिया मंचों पर सांसद और उनके परिवार के खिलाफ झूठे, निराधार तथा प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने वाले बयान दिए गए।

नोटिस के अनुसार इन आरोपों का व्यापक स्तर पर प्रसारण और प्रकाशन हुआ, जिससे सांसद की सामाजिक, राजनीतिक और सार्वजनिक छवि को नुकसान पहुंचा है। सांसद का पक्ष है कि लगाए गए आरोप तथ्यों और साक्ष्यों पर आधारित नहीं हैं तथा उनकी प्रतिष्ठा को धूमिल करने के उद्देश्य से लगाए गए।

कानूनी नोटिस में कहा गया है कि इन बयानों के कारण सांसद और उनके परिवार को मानसिक पीड़ा, सामाजिक असहजता और मानहानि का सामना करना पड़ा। नोटिस में विधायक अरूप चटर्जी से सात दिनों के भीतर बिना शर्त सार्वजनिक लिखित माफी मांगने, सभी आरोप वापस लेने और सोशल मीडिया सहित अन्य माध्यमों से संबंधित वीडियो, पोस्ट व अन्य सामग्री हटाने की मांग की गई है।

इसके अलावा भविष्य में इस तरह के किसी भी कथित झूठे या मानहानिकारक बयान से परहेज करने तथा प्रतिष्ठा को हुई कथित क्षति के एवज में 2 करोड़ की क्षतिपूर्ति देने की भी मांग नोटिस में की गई है।

नोटिस में स्पष्ट किया गया है कि यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर इन मांगों का पालन नहीं किया गया तो सांसद की ओर से सक्षम न्यायालय में दीवानी और आपराधिक कार्रवाई सहित सभी उपलब्ध कानूनी विकल्प अपनाए जाएंगे।

इस पूरे मामले पर सांसद ढुल्लू महतो ने कहा कि लोकतंत्र में सभी को अपनी बात रखने का अधिकार है, लेकिन बिना तथ्य और प्रमाण के किसी पर झूठे आरोप लगाना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन में मर्यादा, जवाबदेही और तथ्यपरकता का पालन आवश्यक है। उनके अनुसार यह कदम किसी व्यक्तिगत दुर्भावना से नहीं, बल्कि सम्मान, सत्य और कानून के शासन की रक्षा के उद्देश्य से उठाया गया है। साथ ही उन्होंने कहा कि भविष्य में भी यदि कोई उनकी छवि को निराधार आरोपों के जरिए नुकसान पहुंचाने का प्रयास करेगा तो उसके खिलाफ कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी।

डीसी ने अवैध पत्थर की खदानों पर छापेमारी की

पोकलेन मशीन जब्त, बिजली कनेक्शन काटने का निर्देश

गिरिडीह, एजेंसी। जिले में अवैध पत्थर खनन के खिलाफ जिला प्रशासन ने रविवार को बड़ी कार्रवाई की। उपायुक्त रामनिवास यादव के नेतृत्व में बेंगाबाद थाना क्षेत्र के अरतोका स्थित अवैध पत्थर माइंस पर छापेमारी की गई। हालांकि प्रशासनिक टीम के पहुंचने से पहले ही माइंस में सन्नाटा पसरा हुआ था। छापेमारी के दौरान माइंस से कुछ दूरी पर अरतोका गांव के समीप बांस के झुरमुट के पास खड़ी एक पोकलेन मशीन को जब्त किया गया।

छापेमारी के दौरान उपायुक्त रामनिवास यादव के साथ बेंगाबाद के अंचलाधिकारी सफी आलम, बीडीओ सुनील कुमार मुर्मू, थाना प्रभारी अमन कुमार सिंह तथा पुलिस बल मौजूद थे। अधिकारी ने माइंस की सैकड़ों फीट गहरी सुरंग में उतरकर निरीक्षण किया। उपायुक्त ने निरीक्षण के दौरान माइंस के भीतर विस्फोटक सामग्री होने की आशंका पर तत्काल जिला खनन विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही प्रभारी जिला खनन पदाधिकारी विश्वनाथ उरांव मौके पर पहुंचे। इसके बाद सीओ और बीडीओ ने डीएमओ के साथ दोबारा सुरंग में उतरकर विस्फोट के लिए बनाए गए होल की जांच की। जांच के दौरान खजूर के पत्तों से ढके होल को खोलकर देखा गया, लेकिन वहां किसी प्रकार का विस्फोटक पदार्थ या तार नहीं मिला।

प्रभारी जिला खनन पदाधिकारी विश्वनाथ उरांव ने बताया कि प्रथम दृष्टया संदेह के आधार पर एक पोकलेन मशीन जब्त की गई है। उन्होंने कहा कि माइंस के भीतर विस्फोटक लगाए जाने की आशंका को लेकर दोबारा जांच की गई। जिसमें विस्फोट के लिए बनाए गए होल मिले, लेकिन उनमें कोई विस्फोटक सामग्री नहीं पाई गई। पूरे मामले की विस्तृत जांच के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने माइंस के समीप बिजली आपूर्ति होती देख नाराजगी जताई। उन्होंने दूरभाष पर बिजली विभाग के अधिकारियों को तत्काल अवैध माइंस का बिजली कनेक्शन काटने का निर्देश दिया।

तीन साल की बच्ची से दुष्कर्म आरोपी गिरफ्तार, पंचायत पर पैसे लेकर मामले को दबाने का आरोप

गुमला, एजेंसी। जिले में तीन साल की बच्ची से दुष्कर्म के मामले में पंचायत सदस्यों का शर्मनाक चेहरा सामने आया है। यह घटना घाघरा थाना क्षेत्र के पलमा गांव की है। यहां पंचायत के कुछ सदस्यों ने आरोपी पर मामले को दबाने के बहाने एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया था। पंचायत ने आरोपी से तत्काल 20 हजार रुपये वसूले और उस राशि से मांस व शराब की पार्टी की। आरोपी को शेष 80 हजार रुपये एक सप्ताह में देने को कहा गया था। इसी दौरान जब गांव में पंचायत सदस्य पार्टी कर रहे थे, तभी पुलिस बल गांव पहुंच गया।

पुलिस ने मौके से आरोपी सुनील लोहरा को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत कर जेल भेज दिया। वहीं थाना प्रभारी मोहन कुमार ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि पंचायत में इस मामले को दबाने की कोशिश की जा रही है और गांव के दबाव में मामला थाने तक नहीं पहुंच पा रहा था। इसके बाद घाघरा पुलिस ने गांव जाकर पीड़िता की मां के बयान पर प्राथमिकी दर्ज की और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

घटना उस समय हुई जब सुनील लोहरा पीड़िता के घर पहुंचा और बच्ची की मां से कहा कि वह उसकी तीन वर्षीय बेटी की देखभाल करेगा ताकि वह अपना काम कर सके। इसके बाद आरोपी सुनील लोहरा ने बच्ची से दुष्कर्म किया। जब बच्ची खून से लथपथ होकर रोने लगी, तो उसकी मां दौड़कर पहुंची। जानकारी मिलने पर पंचायत के कुछ सदस्यों ने मामले को दबाने की योजना बनाई। पहले बच्ची को एक निजी डॉक्टर से दिखाया गया, फिर रविवार को गांव में पंचायत की गई।

अरंगी पंचायत के मुखिया लोदो एक्का ने बताया कि पलमा गांव में बच्ची से दुष्कर्म के बाद कुछ लोगों ने बैठक की थी। इसकी कोई सूचना उसे नहीं दी गई थी। जब पुलिस गांव पहुंची, तब उन्हें बैठक की जानकारी मिली।

आरती के दौरान पुजारी को आया हार्ट अटैक, मौत

रांची, एजेंसी। रांची से इन दिनों एक दिल दहला देने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें एक पुजारी आरती करते-करते अचानक जमीन पर गिरते नजर आ रहे हैं। जानकारी के मुताबिक यह घटना राजधानी के रातू रोड स्थित इंद्रपुरी (रोड नंबर 9) की है।

यहां रविवार को संध्या आरती के दौरान मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य रजनी कांत मिश्रा नियमित रूप से संध्या आरती कर रहे थे। उसी दौरान अचानक उन्हें दिल का दौरा पड़ा और वे सीधे जमीन पर गिर गए। इस घटना से मंदिर में मौजूद श्रद्धालुओं के बीच अफरा-तफरी मच गई। कुछ ही पलों में माहौल पूरी तरह बदल गया और लोग घबराकर उनकी मदद के लिए दौड़ पड़े। प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय लोगों ने बताया कि यह सब इतनी तेजी से हुआ कि किसी को संभलने का मौका तक नहीं मिला।

वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि आचार्य रजनी कांत मिश्रा नियमित रूप से संध्या आरती कर रहे थे। उसी दौरान अचानक उन्हें दिल का दौरा पड़ा और वे सीधे जमीन पर गिर गए। इस घटना से मंदिर में मौजूद श्रद्धालुओं के बीच अफरा-तफरी मच गई। कुछ ही पलों में माहौल पूरी तरह बदल गया और लोग घबराकर उनकी मदद के लिए दौड़ पड़े। प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय लोगों ने बताया कि यह सब इतनी तेजी से हुआ कि किसी को संभलने का मौका तक नहीं मिला।

घटना के बाद वहां मौजूद वरिष्ठ भाजपा नेता रमेश सिंह और अन्य स्थानीय नागरिकों ने बिना समय गंवाए आचार्य को तुरंत अस्पताल पहुंचाने का प्रयास किया। आनन-फानन में उन्हें नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

रांची के मोरहाबादी वेंडिंग जोन-2 में नगर निगम की बड़ी कार्रवाई,

33 दुकानों में अवैध किरायेदारी का खुलासा

रांची, एजेंसी। राजधानी के मोरहाबादी वेंडिंग जोन-2 में अनियमितताओं के खिलाफ रांची नगर निगम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 33 आवंटित दुकानों में अवैध किरायेदारी के मामलों की पहचान की है।

लंबे समय से मिल रही शिकायतों के बाद निगम ने सोमवार को वेंडिंग जोन में व्यापक जांच और सत्यापन अभियान चलाया। जांच में सामने आया कि कई आवंटित दुकानदार स्वयं दुकान संचालित करने के बजाय उसे किराये पर देकर दूसरे स्थानों पर व्यवसाय कर रहे थे। इसके अलावा सरकारी भूमि पर अतिक्रमण और बिना अनुमति स्थायी निर्माण के मामले भी सामने आए हैं।

नगर निगम के अनुसार जांच के दौरान 33 आवंटियों द्वारा नियमों के विरुद्ध अपनी दुकान या स्थल अन्य लोगों को किराये पर दिए जाने की पुष्टि हुई। वहीं 10 दुकानदारों ने

बिना किसी स्वीकृति के शटर, शेड अथवा स्थायी संरचना का निर्माण कर लिया था, जो वेंडिंग जोन के नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। इसके अतिरिक्त दो मामलों में एक ही परिवार के दो सदस्यों द्वारा अलग-अलग आवंटन लेकर व्यवसाय संचालित किए जाने का मामला भी सामने आया है।

रांची नगर निगम ने इन सभी मामलों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित दुकानदारों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई शुरू कर दी है। नियमों के तहत कारण बताओ नोटिस जारी किए जा रहे हैं। साथ ही आवंटन रद्द करने तथा अन्य आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की प्रक्रिया भी प्रारंभ कर दी गई है। जांच में जिन प्रमुख आवंटियों के खिलाफ अनियमितताएं मिली हैं, उनमें संतोष मुंडा, फुलमनी मुंडा, मिथिलेश कुमार, रवि रंजन कुमार, छोटू वर्मा, सुमित चटर्जी और रंजीत कुमार सिंह सहित अन्य शामिल हैं।

नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि वेंडिंग जोन का उद्देश्य वास्तविक और पात्र स्ट्रीट वेंडरों को सम्मानजनक एवं व्यवस्थित आजीविका उपलब्ध कराना है। किसी भी परिस्थिति में आवंटित स्थल की व्यावसायिक किरायेदारी, अवैध हस्तांतरण या सरकारी भूमि पर अतिक्रमण स्वीकार्य नहीं है। निगम का कहना है कि कुछ लोगों द्वारा कार्रवाई को लेकर लगाए जा रहे आरोप भ्रामक हैं, जबकि जांच में स्वयं संबंधित आवंटियों द्वारा नियमों के उल्लंघन की पुष्टि हुई है। निगम की कार्रवाई केवल नियमों के अनुपालन, सार्वजनिक हित और वेंडिंग जोन में पारदर्शी व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से की जा रही है।नगर आयुक्त सुशांत गौरव ने कहा कि रांची नगर निगम की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि वेंडिंग जोन का लाभ केवल वास्तविक और पात्र स्ट्रीट वेंडरों को मिले। किसी भी तरह की अवैध किरायेदारी, नियमों का उल्लंघन या सरकारी भूमि पर अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जांच अभियान आगे भी नियमित रूप से जारी रहेगा और जहां भी अनियमितता मिलेगी, वहां बिना किसी भेदभाव के सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

नगर निगम ने सभी वेंडरों से अपील की है कि वे आवंटन की शर्तों और निर्धारित नियमों का पूर्ण पालन करें। निगम ने यह भी स्पष्ट किया कि भविष्य में भी वेंडिंग जोन का नियमित निरीक्षण और सत्यापन अभियान जारी रहेगा तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

भीषण सड़क हादसा, दो बाइक की टक्कर में तीन युवकों की मौत

मोतिहारी, एजेंसी। बिहार के मोतिहारी में भीषण सड़क हादसा हुआ है। अरेराज-पशुपतिनाथ मुख्य मार्ग पर गोविंदगंज थाना क्षेत्र के भेलानारी पुल के पास दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने की टक्कर में तीन युवकों की मौत हो गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई।प्राप्त जानकारी के अनुसार, एक अपाची बाइक पर सवार दो युवक सलेमपुर जीवधारा के रहने वाले थे। उनकी पहचान रवि किशन और अनिश कुमार के रूप में हुई है। वहीं दूसरी बाइक पर सवार युवक गोविंदगंज थाना क्षेत्र के भेलानारी गांव का निवासी बताया जा रहा है।प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दोनों बाइक की टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद सड़क पर चीख-पुकार मच गई और राहगीरों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। गोविंदगंज थाना अध्यक्ष राजू मिश्रा अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और गंभीर रूप से घायल तीसरे युवक को तत्काल अस्पताल पहुंचाया।हालांकि अस्पताल में इलाज के दौरान तीसरे युवक ने भी दम तोड़ दिया। इस तरह इस दर्दनाक हादसे में तीनों युवकों की जान चली गई। घटना के बाद मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे इलाके में शोक का माहौल है।वहीं, पुलिस ने तीनों शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। साथ ही दुर्घटनाग्रस्त दोनों बाइकों को भी जब्त कर लिया गया है। प्रारंभिक जांच में यह मामला तेज रफ्तार और आमने-सामने की टक्कर का प्रतीत हो रहा है। हालांकि पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

एनकाउंटर : डबल मर्डर मामले में 24 घंटे के अंदर पुलिस का एक्शन

वैशाली, एजेंसी। बिहार के वैशाली जिले के बिदुपुर थाना क्षेत्र में सोमवार को पुलिस और आर्मी जवान व उनके पिता की हत्या के मुख्य आरोपी जगदीश राय के बीच एनकाउंटर हुआ। आरोपी को गिरफ्तार करने पहुंची पुलिस टीम पर जगदीश राय ने फायरिंग की, जिसके जवाब में पुलिस ने भी गोली चलाई। गोली लगने से आरोपी घायल हो गया। दरअसल डबल मर्डर के बाद से ही पुलिस आरोपी की तलाश कर रही थी। इसी बीच बिदुपुर थाना से तीन-चार किलोमीटर दूर सुनसान जगह पर जगदीश राय के छुपे होने की सूचना पुलिस को मिली। जिसके बाद पुलिस टीम उसे गिरफ्तार करने के लिए जैसे ही मौके पर पहुंची, आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। वैशाली एसपी शुभांक मिश्रा ने बताया कि जवाबी कार्रवाई में पुलिस टीम ने भी फायरिंग की जिससे मुख्य आरोपी के दोनों पैर में घुटने के नीचे गोली लगी है। उसका सदर अस्पताल में इलाज चल रहा है और उसकी हालत सामान्य बनी हुई है। 'आर्मी जवान और उनके पिता की गोली मारकर हत्या करने के मुख्य आरोपी के दोनो पैर में घुटने के नीचे गोली लगी है और उसकी हालत सामान्य है। आरोपी ने पुलिस गाड़ी पर भी दो गोली चलाई है, जिसके जवाब में पुलिस ने गोली चलाई है। बीते कल मुनारिक राय और उनके आर्मी जवान पुत्र जितेंद्र कुमार की गोली मरकर हत्या कर दी गई थी। जितेंद्र कुमार आर्मी के जवान थे और जोधपुर में तैनात थे। जितेंद्र हाल ही में छुट्टी लेकर अपने घर आए थे। इसी दौरान गोलीबारी कर पिता-पुत्र की हत्या कर दी गई। मामला पारिवारिक विवाद जुड़ा है। आर्मी जवान जितेंद्र कुमार के पिता मुनारिक राय का अपने पटीदार से विवाद चल रहा था। इसी कड़ी में बीते रविवार को सुबह रास्ते के विवाद को लेकर दोनों पक्षों के बीच जमकर बहस हुई, जिसने देखते ही देखते हिंसक रूप ले लिया।

हरे रंग पर चढ़ा भगवा, 20 साल बाद 10 सर्कुलर रोड को नई पहचान देने की कोशिश

पटना, एजेंसी। पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और लालू प्रसाद यादव जिस बंगले में 20 सालों तक रहे, अब वह भगवा रंग में रंगने लगा है। 10 सर्कुलर रोड स्थित बंगला पहले हर तरफ हरा-हरा नजर आता था लेकिन अब उस हरे रंग पर भगवा रंग चढ़ने लगा है। पूर्व सीएम और बिहार विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष राबड़ी देवी 10 सर्कुलर रोड का बंगला छोड़ चुकी हैं। बिहार सरकार की ओर से उन्हें 10 सर्कुलर रोड बंगला के स्थान पर 39 हार्डिंग रोड का बंगला आवंटित किया गया है लेकिन वह अभी सरकारी बंगले में न जाकर अपने कौटिल्य नगर स्थित निजी बंगले में शिफ्ट हुई हैं। राबड़ी देवी के 10 सर्कुलर रोड बंगला छोड़ने के बाद इसे नया रंग रूप दिया जा रहा है। बाहरी गेट जो पहले हरे रंग में दिख रहा था, अब भगवा रंग में दिखने लगा है। पहले जहां-जहां हर रंग था, सबको भगवा रंग में रंगा जा रहा है। 10 सर्कुलर रोड बंगला सम्राट चौधरी की सरकार ने डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग के मंत्री नंद किशोर राम को आवंटित किया गया है। रंग रोगन और मरम्मत के बाद नंदकिशोर राम को बंगला मिल जाएगा लेकिन 10 सर्कुलर रोड बंगला पिछले दो दशक से लालू परिवार के कारण चर्चा में रहा।वहीं, अब भगवा रंग में रंगे जाने के कारण 10 सर्कुलर रोड फिर से चर्चा में है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की सरकार ने राबड़ी देवी से जब यह बंगला लेने का फैसला लिया, तभी से इस पर खूब सियासत भी हुई है। राष्ट्रीय जनता दल की तरफ से सरकार पर कई तरह के आरोप भी लगाए गए।

4000 में राजगीर और 5000 में वाल्मीकिनगर की हवाई सैर

बिहार में हेली टूरिज्म की उड़ान शुरू, पहले चरण में तीन प्रमुख पर्यटन स्थल शामिल

पटना, एजेंसी। बिहार में पर्यटन को नई ऊंचाई देने की दिशा में सोमवार को एक बड़ी पहल हुई। सीएम सम्राट चौधरी ने 'मुख्यमंत्री बिहार हेली-टूरिज्म एवं एयर टूरिज्म सेवा योजना-2026' का औपचारिक शुभारंभ कर दिया। इसके साथ ही बिहार पर्यटन विभाग के ऑनलाइन पोर्टल पर हेली टूरिज्म की बुकिंग भी शुरू हो गई है।

इस योजना के तहत पर्यटक अब हेलीकॉप्टर और राजकीय विमान के जरिए राज्य के प्रमुख धार्मिक, ऐतिहासिक और प्राकृतिक पर्यटन स्थलों की यात्रा कर सकेंगे। पर्यटन विभाग के अनुसार नियमित हेली टूरिज्म सेवा 18 जुलाई से शुरू होगी।

योजना के पहले चरण में पश्चिम चंपारण का वाल्मीकिनगर, कैमूर जिले का मां मुंडेश्वरी मंदिर और नालंदा का राजगीर शामिल किया गया है। वाल्मीकिनगर के लिए राजकीय विमान की सेवा उपलब्ध कराई जाएगी, जबकि राजगीर और कैमूर के लिए 6+2 सीटर हेलीकॉप्टर संचालित किए जाएंगे। प्रत्येक उड़ान में अधिकतम पांच सीटें पर्यटकों के लिए आरक्षित रहेंगी।

सप्ताहांत पर मिलेगी हवाई यात्रा की सुविधाः पर्यटन विभाग ने हेली टूरिज्म सेवा को फिलहाल प्रत्येक शनिवार और रविवार

संचालित करने का निर्णय लिया है। पटना से वाल्मीकिनगर के लिए सुबह 10 बजे और दोपहर 3 बजे उड़ान भरेगी, जबकि वापसी क्रमशः सुबह 11 बजे और शाम 4:30 बजे होगी। इस रूट पर प्रति सप्ताह 20-20 सीटें उपलब्ध रहेंगी।

पटना से राजगीर के लिए हेलीकॉप्टर सुबह 9:30 बजे उड़ान भरेगा और 10:30 बजे वापस लौटेगा। वहीं पटना से कैमूर के करमचट डैम हेलिपैड के लिए सुबह 11 बजे उड़ान होगी और दोपहर 12:45 बजे वापसी होगी। दोनों रूटों पर प्रति सप्ताह 10-10 सीटें निर्धारित की गई हैं।

स्काईलाइन का भी मिलेगा हवाई नजाराः इस योजना की एक खास आकर्षण 'हेलीकॉप्टर जॉय राइड' भी है। इसके तहत पर्यटक हेलीकॉप्टर से पटना शहर का हवाई दृश्य देख सकेंगे। यह सेवा भी प्रत्येक शनिवार और रविवार उपलब्ध रहेगी। दोपहर 3 बजे से शुरू होने वाली प्रत्येक राइड 10 मिनट की होगी। एक दिन में चार राइड संचालित होंगी और प्रत्येक राइड में पांच यात्रियों को सफर करने का अवसर मिलेगा।

जानिये कितना होगा किरायाः राज्य सरकार ने आम लोगों और पर्यटकों को ध्यान में रखते हुए रियायती किराया तय किया है। पटना से राजगीर का किराया 4000 रुपये प्रति यात्री रखा गया है। पटना से वाल्मीकिनगर जाने के लिए 5000 रुपये और पटना से कैमूर के लिए 6000 रुपये प्रति यात्री देने होंगे। वहीं पटना शहर की 10 मिनट की हेलीकॉप्टर जॉय राइड का किराया 2100 रुपये प्रति सीट निर्धारित किया गया है।

ऑनलाइन शुरू हुई बुकिंगः पर्यटन विभाग ने योजना के साथ ही ऑनलाइन बुकिंग भी शुरू कर दी है। इच्छुक पर्यटक बिहार पर्यटन विभाग के आधिकारिक पोर्टल पर जाकर अपनी सीट आरक्षित कर सकते हैं। विभाग का मानना है कि ऑनलाइन बुकिंग व्यवस्था से पर्यटकों को पारदर्शी और आसान सुविधा मिलेगी तथा राज्य में पर्यटन को नया विस्तार मिलेगा।कई परियोजनाओं को मिली सौगातः हेली टूरिज्म योजना के शुभारंभ के साथ मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पर्यटन नीति के तहत कई अन्य महत्वपूर्ण परियोजनाओं की भी शुरुआत की। हेली टूरिज्म के लिए बिहार पर्यटन विभाग के ऑनलाइन पोर्टल पर इसकी बुकिंग आमलोग कर सकते हैं।

बढ़ेगी रोप-वे की संख्याः सम्राट चौधरी ने कहा कि कल्पना करें कि पटना मरीन ड्राइव से बाबा हरिहरनाथ तक आप रोप-वे से गंगा के ऊपर से जा रहे हैं। विभाग को इस पर भी काम करने की जरूरत है। बिहार में टूरिज्म को बढ़ावा देने और अधिक से अधिक सुविधाएं विकसित करने के लिए सरकार काम कर रही है। पर्यटन विभाग को इस पर और काम करने की जरूरत है कि हम अधिक से अधिक क्या कर सकते हैं। सीएम ने कहा कि भगवान बुद्ध को भी ज्ञान इसी धरती पर हुआ और बिहार के लोग ही बिहार को अभी अच्छे से नहीं जानते हैं। बिहार के लोग बिहार के विभिन्न पर्यटन स्थल पर आसानी से जा सके और उन्हें विभिन्न पर्यटन स्थल की जानकारी हो इसके लिए काम किया जा रहा है। अधिक से अधिक रोप-वे बनाने, प्राइवेट इन्वेस्टर को लाकर टूरिज्म को प्रमोट कर दें की दिशा में सरकार लगातार काम कर रही है।

बोधगया में बनेगा विश्वस्तरीय ध्यान केंद्रः मुख्यमंत्री ने गया के बोधगया में 165।44 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले बौद्ध ध्यान एवं अनुभव केंद्र का शिलान्यास भी किया। इसके अलावे 28।50 करोड़ रुपये की लागत वाली कई पर्यटन विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया।

इनमें मनेर शरीफ में थीमैटिक गेट, दीघा घाट पर पर्यटक सुविधाओं का विकास, गया के संडेश्वर नाथ शिव मंदिर और गांधी मैदान पार्क का पुनर्विकास, वैष्णो मंदिर के प्रवेश द्वार एवं लाइटिंग, भोजपुर के बेलाउर सूर्य मंदिर का विकास, शिवहर के देवकुली धाम का सौंदर्यीकरण और वैशाली के नानक साहब लालगंज के विकास कार्य शामिल हैं।

पढ़ाई के लिए मां ने डांटा तो 13 साल के इकलौते बेटे ने की खुदकुशी

नालंदा , एजेंसी। बिहार के नालंदा में एक नाबालिग बच्चे ने मां की डांट से आहत होकर खुदकुशी कर ली। मामला जिले के बेन थाना क्षेत्र के करजारा गांव का है। मां ने अपने बच्चे को पढ़ाई के लिए फटकार लगाई लेकिन बच्चे ने उसे दिल पर लेकर ऐसा आत्मघाती कदम उठाया। बच्चे का नाम करण था और वह महज 13 साल का था।

पढ़ाई के लिए मां ने फटकारा तो बेटे ने की खुदकुशी : आठवीं में पढ़ने वाले करण की मां ने गर्मी की छुट्टी के बाद स्कूल खुलने और विद्यालय जाने को कहा तो वह नहीं गया लेकिन इसी कारण उसे मां ने खूब फटकार लगाई। मां की फटकार से करण विचलित हो गया और उसने घर में रखा कोई जहरीला पदार्थ खा लिया।

अस्पताल में इलाज के दौरान मौत : जहरीला पदार्थ खाने से करण की तबीयत बिगड़ने लगी। ऐसे में उसे बिहार शरीफ के मॉडल अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। करण अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। बेटे की मौत होने पर मां सदमे में चली गई। उसे अंदाजा भी नहीं था कि उसका बेटा उसे दुनिया में अकेला छोड़कर चला जाएगा।

बेटे की मौत से बदहवास हुई मां : परिजनों के अनुसार, करण के परिवार में माता-पिता के अलावा एक बहन है। उसकी असमय मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, जबकि पूरे गांव में शोक का माहौल है। बताया जाता है कि परिजन शव का पोस्टमार्टम कराए बिना ही उसे अंतिम संस्कार के लिए करजारा गांव ले गए।

इस संबंध में बेन थानाध्यक्ष रवि राजकुमार ने बताया कि ''घटना की आधिकारिक सूचना अभी तक थाना को प्राप्त नहीं हुई है। यदि परिजनों द्वारा आवेदन दिया जाता है, तो नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस मामले की जानकारी जुटा रही है।''

27 जिलों में मूसलाधार बारिश का अलर्ट, 18 जुलाई तक सावधान रहने की अपील

पटना, एजेंसी। बिहार में मानसून एक बार फिर सक्रिय दिख रहा है। मौसम विभाग ने सोमवार को 27 जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। कई जिलों में वज्रपात के साथ भारी बारिश की चेतावनी है। सुपौल, अररिया, किशनगंज, मधेपुरा, पूर्णिया, भागलपुर, कटिहार और बांका जिलों में आंधी-तूफान, मेघगर्जन और वज्रपात के साथ भारी बारिश की संभावना है। इन इलाकों में मानसून सबसे ज्यादा सक्रिय रहेगा।

इन 27 जिलों में विशेष सावधानी: मौसम विभाग ने कुल 27 जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में सीतामढ़ी, शिवहर, मधुबनी, सुपौल, अररिया, किशनगंज, पूर्णिया, मधेपुरा, सहरसा, दरभंगा, मुजफ्फरपुर, वैशाली, समस्तीपुर, पटना, बेगूसराय, खगड़िया, जहानाबाद, नालंदा, गया, नवादा, शेखपुरा, लखीसराय, जमुई, मुंगेर, बांका, भागलपुर और कटिहार शामिल हैं, जहां विशेष सावधानी बरतनी होगी।

तीन दिनों तक भीषण आंधी-तूफानः मौसम विज्ञान केंद्र पटना के अनुसार प्रभावित जिलों में 15 जुलाई तक भारी बारिश और भीषण आंधी-तूफान की स्थिति बनी रहेगी। चिह्नित इलाकों में 65 से 70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की चेतावनी दी गई है। इसे देखते हुए स्थानीय प्रशासन को भी अलर्ट किया गया है। पटना में उमस और आंशिक बूंदाबांदीः पटना में रविवार को दिनभर भीषण उमस से लोग परेशान रहे। हालांकि, शाम पांच बजे के आसपास कंकड़बाग सहित कुछ इलाकों में आंशिक बूंदाबांदी हुई। आईएमडी के अनुसार इस चक्रवाती परिसंचरण के प्रभाव से राजधानी और आसपास रुक-रुक कर बारिश होती रहेगी।

भारी बारिश और येलो अलर्ट वाले जिलेः मौसम विभाग ने 15 जुलाई को वैशाली, समस्तीपुर, बेगूसराय, खगड़िया और भागलपुर में भारी बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया है। इन जिलों के अलावा सुपौल, अररिया, किशनगंज, सहरसा, मधेपुरा, पूर्णिया, कटिहार, पटना, जहानाबाद, गया, नालंदा, नवादा, शेखपुरा, लखीसराय, जमुई, मुंगेर और बांका में फिलहाल येलो अलर्ट जारी किया गया है।

बिहार में बेटी के जन्मदिन पर मुखिया ने गरीबों को दान की करोड़ों की जमीन

भोजपुर, एजेंसी। बिहार के भोजपुर जिले की सरथुआ पंचायत के मुखिया राकेश सिंह ने अपनी 5 साल की बेटी प्रिंसी राज के जन्मदिन को यादगार बनाने के लिए एक अनूठी पहल की है। उन्होंने अपनी 18 कट्ठा जमीन गरीब परिवारों को दान कर दी। इस दान से उन परिवारों को घर बनाने का सपना साकार होने जा रहा है, जिनके पास वर्षों से जमीन का एक टुकड़ा भी नहीं था।

मुखिया ने गरीबों को दान की करोड़ों की जमीनः राकेश सिंह ने बताया कि उन्होंने बेटी के जन्मदिन को मात्र उत्सव तक सीमित न रखकर समाज के नाम समर्पित करने का फैसला लिया। उन्होंने कहा, किसी भी व्यक्ति के लिए सबसे बड़ी सुरक्षा उसका अपना घर होता है। इस पहल से दर्जनों जरूरतमंद परिवारों को आशियाना बनाने का अवसर मिलेगा।

बेटी के जन्मदिन पर गरीब परिवारों को तोहफाः ग्रामीणों के अनुसार राकेश सिंह लंबे समय से सामाजिक कार्यों में सक्रिय रहे हैं। जरूरतमंदों को आर्थिक सहायता पहुंचाना, गरीबों के बीच भोजन और वस्त्र वितरित करना, ठंड के दिनों में कंबल बांटना तथा विपरीत परिस्थितियों में लोगों की हरसंभव मदद करना उनकी नियमित गतिविधियां बन चुकी हैं। उनकी यह छवि इलाके में एक संवेदनशील नेता के रूप में स्थापित हो चुकी है।

मुखिया के सोच को लोगों ने सराहाः मुखिया राकेश सिंह का मानना है कि यदि समाज का प्रत्येक सक्षम व्यक्ति एक जरूरतमंद परिवार का हाथ थाम ले तो बेघर होने की समस्या काफी हद तक कम की जा सकती है। उन्होंने अपील की कि लोग व्यक्तिगत स्वार्थ से ऊपर उठकर सामाजिक उत्तरदायित्व निभाएं। उनकी इस सोच को स्थानीय लोगों ने सराहा है।

'किसी भी व्यक्ति के लिए सबसे बड़ी सुरक्षा उसका खुद का घर होता है। यदि मेरी जमीन किसी गरीब परिवार के जीवन में स्थायी बदलाव ला सकती है तो इससे बड़ी खुशी कोई नहीं हो सकती। बेटी के जन्मदिन को केवल उत्सव तक सीमित रखने के बजाय समाज के नाम समर्पित करने का निर्णय लिया। '

राकेश सिंह की इस पहले की हर कोई कर रहा तारीफः राकेश सिंह की इस पहल को लोग केवल जमीन का दान नहीं, बल्कि मानवता, संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व की जीती-जागती मिसाल मान रहे हैं।

हिलसा में मालगाड़ी की 4 बोगियां बेपटरी, कई ट्रेनें प्रभावित

नालंदा, एजेंसी। बिहार के नालंदा के हिलसा रेलवे स्टेशन के पास मालगाड़ी की चार बोगियां अचानक पटरी से उतर गईं। इस हादसे के कारण न केवल ट्रेन का परिचालन बाधित हुआ बल्कि हिलसा-चिकसौरा मार्ग समेत कई रेलवे फाटकों पर भारी जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई है। इस घनटा के बाद लोगों में काफ़ी नाराज़गी देखी जा रही है। सैकड़ों लोग ग्रामीण क्षेत्रों से बाज़ार रोज़मर्रा ज़रूरतों के लिए जाते हैं।

मालगाड़ी के चार डिब्बे बेपटरीः इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार एक खाली मालगाड़ी फतुहा से नटेसर की ओर जा रही थी। हिलसा स्टेशन में एंट्री के दौरान मालगाड़ी की चार बोगियां अचानक पटरी से उतर गई। गनीमत यह रही कि इस दुर्घटना में किसी के हताहत होने या जान-माल का नुकसान नहीं हुआ है।

ट्रेनों की आवाजाही ठपः स्टेशन प्रबंधन ने फ़ौरन बेपटरी हुई मालगाड़ी के डिब्बों की जानकारी उच्च अधिकारियों को दी। जिसके बाद मौके पर जीआरपी और आरपीएफ की टीम पहुंची। इस हादसे के कारण क्षेत्र में ट्रेनों की आवाजाही ठप हो गई है।

प्रभावित ट्रेनों के नामः प्रभावित ट्रेनों में मुख्य रूप से दिल्ली से इस्लामपुर जाने वाली मगध एक्सप्रेस, पटना-इस्लामपुर लोकल और इस्लामपुर-हटिया ट्रेन शामिल है। मौके पर मौजूद टीआई कुंदन कुमार ने बताया कि घटना के समय मालगाड़ी की स्पीड करीब 15 से 20 किलोमीटर प्रति घंटा थी।बायपास का यात्री कर रहे इस्तेमालः रेलवे ट्रैक पर बोगियों के आने के कारण हिलसा से चिकसौरा जाने वाले मार्ग और आसपास के रेलवे फाटकों पर वाहनों की लंबी कतार लग गई है।

भारत नेपाल बॉर्डर पर बड़े नेटवर्क का खुलासा,

कोडीन सिरप और विदेशी करेंसी बरामद, तीन गिरफ्तार

मधुबनी, एजेंसी। बिहार के मधुबनी जिले में पुलिस ने नशीली दवाओं और विदेशी करेंसी रैकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने दो अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी कर प्रतिबंधित कोडीन युक्त कफ सिरप, तीन देशों की मुद्रा और अन्य सामान के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है।

कोडीन सिरप, विदेशी करेंसी तस्करी का बड़ा खुलासाः मधुबनी पुलिस ने यह कार्रवाई जिले के लदनियां थाना पुलिस द्वारा विशेष छापेमारी अभियान के दौरान की गई। पुलिस ने आरोपियों के पास से 11,42,100 रुपये नेपाली करेंसी, 750 रुपये नकली नेपाली करेंसी, 5,33,101 रुपये भारतीय करेंसी, 6 रियाल सऊदी अरब की करेंसी, 5 दिरहम संयुक्त अरब अमीरात की करेंसी और तीन मोबाइल फोन बरामद किया है।

भारत नेपाल बॉर्डर पर बड़ी कार्रवाईः मधुबनी पुलिस ने नशे के अवैध कारोबार का खुलासा करते हुए तीन तस्कर को गिरफ्तार किया है, जिसमें ब्रह्मदेव कुमार राम (निवासी पिपराही, थाना लदनियां, जिला मधुबनी), बब्लू कुमार चौधरी (निवासी खाजेडीह, थाना लदनियां, जिला मधुबनी) और शम्भू प्रसाद साह (निवासी पिपराही, थाना लदनियां, जिला मधुबनी) शामिल है।

ऐसे हुआ पूरे नेटवर्क का खुलासाः वरीय पुलिस अधीक्षक योगेंद्र कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर मधुबनी की लदनियां थाना पुलिस ने कड़हरवा गांव के पास घेराबंदी कर बाइक सवार ब्रह्मदेव कुमार राम को गिरफ्तार किया। उसकी बाइक से 19 लीटर प्रतिबंधित कोडीन सिरप बरामद हुआ।

पहला आरोपी, ब्रह्मदेव कुमार राम गिरफ्तारः गिरफ्तार ब्रह्मदेव कुमार राम ने पुलिस पूछताछ में बताया कि वो ''पिपराही निवासी शम्भू प्रसाद साह के दुकान से नेपाली पैसा देकर भारतीय पैसा लेता है। उस पैसे को वो और शम्भू प्रसाद साह दोनों कोडिन सीरफ के धंधे में पैसा लगाता हैं और मुनाफा के पैसे को आपस में बांट लेता हैं।''

दूसरा आरोपी, मेडिकल हॉल पर छापेमारीः पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि वह खाजेडीह चौक स्थित बबलू मेडिकल हॉल से सिरप खरीदकर नेपाल के सीमावर्ती क्षेत्रों में ऊंचे दाम पर बेचता था। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक शिवम धाकड़ के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने लदनियां थाना क्षेत्र में यह कार्रवाई की।

तीसरे आरोपी के यहां मिली विदेशी करेंसीः पूछताछ में बब्लू ने बताया कि वह अपने भाई दीपक चौधरी के साथ मिलकर यह अवैध कारोबार संचालित करता था। जिसके बाद पुलिस ने छापेमारी में 11,42,100 रुपये नेपाली करेंसी, 750 रुपये नकली नेपाली करेंसी, 5,33,101 रुपये भारतीय करेंसी, 6 रियाल सऊदी अरब की करेंसी, 5 दिरहम संयुक्त अरब अमीरात की करेंसी बरामद की।

न्यायिक हिरासत में तीनों आरोपीः अब मधुबनी पुलिस इस नेटवर्क के अन्य सदस्यों के लिंक की भी जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक, मामले में लदनियां थाना में संबंधित धाराओं में कांड दर्ज कर गिरफ्तार तीनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा हैं एवं अन्य विधि सम्मत अग्रिम कार्रवाई की जा रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

आईएएस की बढ़ती तैनाती पर अफसरों का विरोध, जूनियर आईएएस की तैनाती से बढ़ा असंतोष

लखनऊ, एजेंसी। विभागीय अधिकारियों में इस बात पर असंतोष है कि 20 से 25 साल की सेवा देने वाले अधिकारियों के ऊपर पांच-छह साल के राजस्व और कर के मामले में अनुभवहीन आईएएस को तैनात किया जा रहा है। उन्होंने इसे इसे व्यापार कर सेवा नियमावली के प्रावधानों के विरुद्ध बताया है। राज्य कर विभाग में आईएएस अधिकारियों की स्वीकृत पदों से अधिक तैनाती का मुद्दा गरमा गया है। राज्य कर अधिकारियों के संगठन जीएसटी ऑफिसर्स सर्विस एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर आपत्ति जताई है। शासन ने इस पत्र का संज्ञान लिया है। मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव ने पूरे मामले की जांच के निर्देश दिए हैं। विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि 1.25 लाख करोड़ रुपये का राजस्व देने वाले इस महत्वपूर्ण विभाग को नए आईएएस का ट्रेनिंग सेंटर नहीं बनाना चाहिए। असंतोष की शुरुआत कानपुर में आईएएस अधिकारी की तैनाती से हुई। कानपुर में अपर आयुक्त स्तर के दो पद हैं। पहले सैमुअल पाल को नियुक्त किया गया था। अब वर्ष 2019 बैच की आईएएस अधिकारी सान्या छाबड़ा को यह जिम्मेदारी दी गई है। एसोसिएशन ने इसे व्यापार कर सेवा नियमावली के प्रावधानों के विरुद्ध बताया है।

एपीफैनी कंपाउंड जमीन घोटाले का आरोपी एलडीटीए चेयरमैन गिरफ्तार

कानपुर, एजेंसी। दो साल पहले लेखपाल ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पूछताछ में पूर्व मंत्री का नाम भी सामने आया है। चुन्नीगंज स्थित एपीफैनी कंपाउंड जमीन कब्जा और फर्जीवाड़ा कर बेचेने के आरोप में कर्नलगंज पुलिस ने लखनऊ डायोसिस ट्रस्ट एसोसिएशन (एलडीटीए) के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं पदेन चेयरमैन रेव जानसन टी जान को गिरफ्तार किया है। उसे इस फर्जीवाड़े का मास्टरमाइंड माना जा रहा था। उसके खिलाफ अदालत से गैर जमानती वारंट जारी था। पुलिस ने उसे लखनऊ से पकड़ा है। मामले में पूर्व मंत्री शिव कुमार बेरिया समेत 12 पर चार्जशीट दर्ज हो चुकी है। वर्ष 2024 में लेखपाल विपिन कुमार की तहरीर पर कर्नलगंज थाने में रिपोर्ट दर्ज हुई थी। इसमें हाथरस निवासी रेव जानसन टी जान, चर्च ऑफ इंडिया ट्रस्ट एसोसिएशन के अधिकृत ट्रस्टी अनिल कुमार, अर्पित मिश्र, दीपक कुमार और दुर्योधन कुमार समेत अन्य को आरोपी बनाया गया था। आरोप था कि इन लोगों ने कूट रचित दस्तावेजों से ट्रस्ट की जमीन को बेचा है। आरोप था कि अर्पित मिश्रा ने जनवरी 2021 को तलाक महल निवासी मो. सलीम उर्फ बिरयानी को 450 वर्ग गज जमीन लीज डीड पर दी थी। जांच में सामने आया कि मास्टर माइंड रेव जानसन टी जान ने ही एपीफैनी कंपाउंड की 16 हजार वर्ग गज की जमीन का पांच करोड़ रुपये में आजमगढ़ सकतपुर निवासी सैफ अहमद, रामनारायण बाजार तारघर रोड निवासी इरशाद हुसैन, चमनगंज निवासी दानिश खलीली व अधिवक्ता अनूप जायसवाल को अनुबंध किया था। इसके बाद इन चारों ने कंपाउंड की जमीन सलीम बिरियानी, मो. रईस, अर्पित मिश्र समेत लोगों को रजिस्ट्री व डीड की थी।

दो बच्चियों संग पानी की टंकी पर चढ़ी महिला, बोली-सीएम योगी से मिलवाइए

गोरखपुर, एजेंसी। दबंगों के कब्जे से अपनी जमीन मुक्त कराने की मांग को लेकर सहजनवा इलाके की एक महिला रविवार को अपनी दो छोटी बच्चियों के साथ सदर तहसील परिसर स्थित करीब 100 फीट ऊंची पानी की टंकी पर चढ़ गई। महिला को टंकी पर चढ़ा देख अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही कैंट थाने की पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए। करीब आधे घंटे तक चली मशक्कत और कार्रवाई के आश्वासन के बाद महिला दोनों बच्चियों के साथ नीचे उतरी। घटना रविवार पूर्वाह्न करीब 11:30 बजे की है। सहजनवा क्षेत्र के मुस्तफाबाद उर्फ मलऊर गांव निवासी राहुल प्रताप सिंह की पत्नी कृष्ण कांति सिंह अपनी सात और 10 वर्ष की दो बच्चियों के साथ सदर तहसील पहुंची थीं। तहसील परिसर में प्रवेश करने के बाद वह बच्चियों को साथ लेकर टंकी पर चढ़ गईं। वहां मौजूद लोगों ने सूचना पुलिस को दे दी। इसके बाद पुलिस और प्रशासनिक अमले में हड़कंप मच गया। टंकी पर चढ़ी महिला का कहना था कि वर्ष 2017 से उसकी जमीन पर गांव के दबंगों ने कब्जा कर रखा है। कई बार पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को प्रार्थना पत्र देने के बावजूद अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। महिला ने आरोप लगाया कि गांव के एक दबंग परिवार अपने रसूख के बल पर उत्पीड़न करवा रहा है। उसके प्रभाव में आकर पुलिस मुझे और पति को आए दिन थाने ले जाकर प्रताड़ित करती है और घर पहुंचकर अभद्र व्यवहार भी करती है। तहसील परिसर करीब आधे घंटे तक हाईवोल्टेज ड्रामा चला। मौके पर पहुंची पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने महिला को निष्पक्ष जांच और उचित कार्रवाई का भरोसा दिलाया। इसके बाद वह दोनों बच्चियों के साथ सुरक्षित नीचे उतर आई। महिला ने तहसीलदार ज्ञान प्रकाश सिंह को प्रार्थना पत्र सौंपा। तहसीलदार ने शिकायत की जांच कर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

किस पेट्रोल में कितना एथेनॉल, नहीं मिल रही जानकारी,

प्रीमियम पेट्रोल भराने वालों का भी माइलेज घटा

लखनऊ, एजेंसी। लगातार खराब हो रही गाड़ियों और माइलेज घटने से वाहन मालिक परेशान हैं। ऑयल कंपनियों ने अब तक पेट्रोल पंपों पर सूचना दर्ज नहीं कराई है।

राजधानी लखनऊ में वाहन मालिक पेट्रोल में एथेनॉल की सहभागिता को लेकर असमंजस में हैं। आए दिन उनके वाहन बीच रोड पर खड़े हो रहे हैं। करीब 110 रुपये प्रति लीटर प्रीमियम पेट्रोल भराने वाले भी घटते माइलेज से तनाव में हैं।

वाहन मालिकों का कहना है कि यह बताया ही नहीं जाता कि किस पेट्रोल में कितने फीसदी एथेनॉल है। व्यापारी नेता मनीष कुमार वर्मा ने कहा कि लोग पेट्रोल के कारण वाहनों के सड़क पर बंद होने से परेशान हैं, मगर जिला प्रशासन और ऑयल कंपनियां मदद के लिए आगे नहीं आई हैं। उन्होंने सभी पेट्रोल पंप पर एथेनॉल के मिश्रण की सूचना अंकित कराने की मांग की।

साथ ही कहा कि ऑयल कंपनियों को जागरूकता अभियान चलाकर ग्राहकों को जानकारी देनी चाहिए कि कितने पुराने वाहन में कौन से पेट्रोल का इस्तेमाल करने से बेहतर माइलेज मिलेगा।

मिलावट और जांच का डर : व्यापार मंडल के एक बड़े नेता ने कहा कि पेट्रोल में मिलावट की गड़बड़ी जगजाहिर है। पेट्रोल पंप के ज्यादातर मालिक नेता लोग हैं, ऐसे में नेताओं के पंप के पेट्रोल से नमूने भरने का साहस कौन करे।

इंदिरानगर के एचआईजी रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के महासचिव सुनील कुमार त्यागी ने बताया कि एक माह से कार का शौक महंगा पड़ रहा है। पहले 1000 रुपये के साधारण पेट्रोल से कार 100 किमी चलती थी, जो अब 70 किमी ही चलती है। एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल के इस्तेमाल से माइलेज घटा है।

लखनऊ महानगर सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष मनीष वर्मा ने कहा कि 15 दिन में स्कूटी ने परेशान कर दिया। कंपनी में दिखाने पर पता चला कि एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल के कारण खराबी आ गई है। कंपनी ने प्रीमियम पेट्रोल के इस्तेमाल की सलाह दी, लेकिन इससे भी माइलेज कम हो गया।

एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल से गाड़ियों के एवरेज और इंजन पर असर पड़ने की खबरों के बाद ग्राहकों का रुझान 100 फीसदी खालिस पेट्रोल की ओर बढ़ा है। 91 ऑक्टेन नंबर वाले 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल के बजाय, ग्राहक अब 95 ऑक्टेन से लेकर 100 ऑक्टेन नंबर वाले उच्च गुणवत्ता के पेट्रोल की मांग कर रहे हैं। हालांकि, मांग ज्यादा होने के कारण ज्यादातर पेट्रोल पंपों पर इनका स्टॉक उपलब्ध नहीं है।

सोमवार को राजधानी के कुछ पेट्रोल पंपों पर इसकी पड़ताल की गई तो 95 ऑक्टेन से 100 ऑक्टेन नंबर वाला उच्च गुणवत्ता का पेट्रोल नहीं मिला। हजरतगंज स्थित हिंदुस्तान पेट्रोलियम, अलीगंज के भारत पेट्रोलियम और महानगर व अशोक मार्ग स्थित इंडियन ऑयल के पंपों पर यह पेट्रोल उपलब्ध नहीं था।

ग्राहकों की मांग पर कर्मचारी उन्हें सादे पेट्रोल के साथ 10 रुपये के ऐडऑन सैशे को टंकी में डालने की सलाह देते दिखे, जिससे पेट्रोल में लुब्रिकेंट बढ़ने पर इंजन पर कोई फर्क न पड़े। पंप कर्मचारियों ने बताया कि उच्च गुणवत्ता वाले पेट्रोल की मांग बढ़ने से स्टॉक खत्म हो गया है। सूत्रों के अनुसार, सरकार ई-20 पेट्रोल की बिक्री पर जोर दे रही है, जिससे उच्च गुणवत्ता वाले पेट्रोल की बिक्री पर रोक लगाई जा रही है।

मानसून सुस्त, यूपी के कई शहरों में चार दिन बारिश के आसार नहीं

कानपुर, एजेंसी। हीट इंडेक्स बढ़ा है। 36.5 डिग्री तापमान पर लोगों को 46 डिग्री वाली गर्मी महसूस हो रही है।

मानसून सुस्त पड़ गया है। प्रदेश के एकीकृत पूर्वानुमान केंद्र का अनुमान है कि चार दिन तक अभी तेज बारिश नहीं होगी सिर्फ स्थानीय स्तर पर कहीं बूंदाबांदी हो सकती है। मानसूनी बारिश औसत से कम है। अधिकतम तापमान धीरे-धीरे बढ़ना शुरू हो गया है। इसके साथ ही हीट इंडेक्स बढ़ गया है। इससे 36.5 डिग्री तापमान पर लोगों को 46 डिग्री वाली गर्मी महसूस हो रही है।

एकीकृत पूर्वानुमान केंद्र के प्रभारी वरिष्ठ मौसम विज्ञानी डॉ. अतुल कुमार सिंह का कहना है कि चार दिन बाद मौसमी सिस्टम में बदलाव होने पर बारिश होगी। स्थानीय स्तर पर निम्न दबाव का क्षेत्र बनने पर छिटपुट बूंदाबांदी हो सकती है। अधिकतम तापमान प्रतिदिन एक से डेढ़ डिग्री बढ़ने लगा है। इसके साथ ही रात के न्यूनतम तापमान में भी इजाफा हो रहा है।

24 घंटे में अधिकतम तापमान 1.5 डिग्री और न्यूनतम तापमान चार डिग्री बढ़ा है। सुबह और दोपहर की नमी घट रही है। सोमवार को सुबह की नमी 72 प्रतिशत और दोपहर की 62 प्रतिशत दर्ज हुई है। सीएसए के मौसम विभाग के नोडल एवं तकनीकी अधिकारी अजय मिश्रा ने बताया कि हीट इंडेक्स की वजह से गर्मी ज्यादा महसूस हो रही है।

यूपी होमगार्ड भर्ती: इन नौ जिलों में बदलीं शारीरिक दक्षता-दस्तावेज सत्यापन की तारीखें

लखनऊ, एजेंसी। यूपी होमगार्ड भर्ती परीक्षा में दस्तावेजों के सत्यापन एवं शारीरिक मानक परीक्षा (डीवी-पीएसटी) के लिए नौ जिलों में परीक्षा की तारीख में परिवर्तन किया गया है।

प्रदेश में होमगार्ड भर्ती के लिए उप्र पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित दस्तावेजों के सत्यापन एवं शारीरिक मानक परीक्षा (डीवी-पीएसटी) के लिए नौ जिलों में परीक्षा की तारीख में परिवर्तन किया गया है। इसमें सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, मेरठ, गाजियाबाद, बुलंदशहर, हापुड़, नोएडा और बागपत शामिल हैं।

बोर्ड के अपर सचिव भर्ती सत्यार्थ अनिरुद्ध पंकज ने बताया कि होमगार्ड के पदों पर एनरोलमेंट के अंतर्गत चयनित अभ्यर्थियों की डीवी-पीएसटी की कार्यवाही सभी जिलों की रिजर्व पुलिस लाइंस में 13 जुलाई से 7 अगस्त तक आयोजित की गई है। अपरिहार्य कारणों से सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, मेरठ, गाजियाबाद, बुलंदशहर, हापुड़, नोएडा व बागपत में 4 अगस्त से 6 अगस्त को डीवी-पीएसटी की तारीखों में परिवर्तन किया गया है।

संशोधित तारीखों के प्रवेश पत्र बोर्ड की वेबसाइट पर अपलोड कर दिए गए हैं। इन जिलों के अभ्यर्थी अपना संशोधित तिथि का प्रवेश पत्र डाउनलोड करके उसमें अंकित परीक्षा केंद्र पर संशोधित निर्धारित तिथि व समय पर मूल अभिलेखों तथा मूल अभिलेखों की एक स्वः प्रमाणित प्रति के साथ उपस्थित होना सुनिश्चित करेगें। उन्होंने अभ्यर्थियों से अपेक्षा की है कि वे आगे के अहम निर्देशों हेतु बोर्ड की वेबसाइट का अवलोकन करते रहें। परीक्षा संबंधी सभी सूचनाएं एवं निर्देश वेबसाइट के माध्यम से ही दी जाएंगी।

सरयू का रौद्र रूप: बलिया में नदी में समा गए छह आशियाने, 12 मकान कटान की जद में

बलिया, एजेंसी। बलिया जिले में कटान के चलते ग्रामीण चिंतित हैं। लोगों ने प्रशासन पर उपेक्षा का आरोप लगाया। उधर, नायब तहसीलदार ने कहा कि रिपोर्ट की दोबारा जांच होगी।

बलिया जिले में सरयू नदी का कटान बैरिया क्षेत्र के गोपालनगर टाड़ी में लगातार चौथे वर्ष भी तबाही मचा रहा है। रविवार की आधी रात तेज कटान के चलते ग्रामीणों के अनुसार छह लोगों के आशियाने सरयू नदी में समा गए, जबकि 10 से अधिक मकान कटान के मुहाने पर पहुंच गए हैं। गांव में दहशत का माहौल है। लोग अपने हाथों से वर्षों की मेहनत से बनाए घरों को उजाड़कर ट्रैक्टर पर सामान लादकर सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन कर रहे हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि कई बार सूचना देने के बावजूद तहसील प्रशासन का कोई जिम्मेदार अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। उनका कहना है कि अधिकारियों की बात तो दूर, लेखपाल ने भी समय पर गांव का हाल जानने की जरूरत नहीं समझी। रविवार रात स्वामीनाथ यादव, किशोरिया देवी पत्नी हरिचरण यादव, अनिल यादव, श्रीनिवास यादव और वीरेंद्र यादव के मकान कटान की भेंट चढ़ गए। वहीं बबन यादव, राजकुमार यादव, सत्यदेव यादव समेत 10 से अधिक परिवारों के मकान अब भी नदी के किनारे खतरे की जद में हैं और कभी भी नदी में समा सकते हैं।

कटान रोकने के लिए बाढ़ विभाग की ओर से प्लास्टिक की बोरियों में मिट्टी भरकर कटान स्थल पर डाली जा रही है, लेकिन ग्रामीणों का आरोप है कि इससे कोई प्रभावी राहत नहीं मिल रही। लगातार बढ़ते कटान से पूरे गांव में भय और असुरक्षा का माहौल है। कटान की तीव्रता से नाराज ग्रामीणों ने सोमवार को मौके पर तहसील प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने बाढ़ विभाग और प्रशासन पर समय रहते प्रभावी कटानरोधी कार्य नहीं कराने का आरोप लगाया। ग्रामीणों ने क्षेत्रीय सांसद और विधायक पर भी इस गंभीर समस्या के प्रति पर्याप्त संवेदनशीलता नहीं दिखाने का आरोप लगाया।

उधर, गोपालनगर और वशिष्ठनगर की सीमा पर भी सरयू नदी ने कटान शुरू कर दिया है। ग्रामीणों के अनुसार नदी अब बस्ती से महज 20 मीटर की दूरी पर बह रही है। यदि कटान की यही रफ्तार बनी रही तो अगले 24 घंटे में कई और मकान इसकी जद में आ सकते हैं।

कानपुर में भीषण हादसा: हाईवे पर खड़े ट्रक में घुसी स्कॉर्पियो

भाई-बहन समेत तीन की मौत, 9 लोग घायल

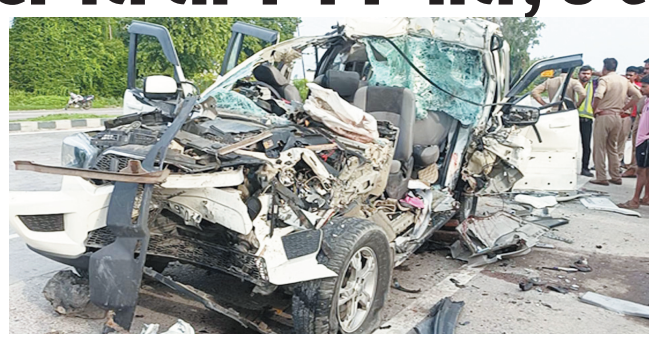

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में भीषण सड़क हादसा हुआ। घटना में तीन लोगों की जान चली गई जबकि नौ लोग घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई।

महाराजपुर में कानपुर-प्रयागराज नेशनल हाईवे पर रूमा के पास सोमवार सुबह सवारियों से भरी बेकाबू स्कॉर्पियो सड़क पर खड़े ट्रक में पीछे से जा घुसी। हादसे में स्कॉर्पियो सवार बिहार, गया के गांव धमना पोस्ट खपिया निवासी नरेश मांझी के बेटे दिलखुश (8), बेटी नेहा (15) और चालक हरियाणा के सिरसा डिग बड्डी निवासी बजरंग कुमार (45) समेत तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। बच्चे, महिला और पुरुष मिलाकर घायल अन्य नौ लोगों को गंभीर हालत में कांशीराम अस्पताल भेजा गया जहां से उन्हें हैलट रेफर किया गया। हादसे के बाद हाईवे पर जाम लग गया। पुलिस और एनएचएआई की टीम ने क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त वाहन को हटवाकर यातायात सुचारु कराया।

महाराजपुर पुलिस के अनुसार सोमवार सुबह करीब 5:30 बजे एक सफेद रंग की स्कॉर्पियो हरियाणा के सिरसा से कानपुर-प्रयागराज नेशनल हाईवे से होते हुए बिहार जा रही थी। कार रूमा स्थित न्यू जेके ढाबे के पास पहुंची। यहां परचून का सामान लदा खड़े ट्रक में स्कॉर्पियो पीछे से जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्कॉर्पियो के परखच्चे उड़ गए।

अंदर बैठे कुछ लोग सड़क पर जा गिरे। हाईवे किनारे रहने वाले लोग तेज आवाज सुन कर मदद के लिए भागे। पुलिस ने गंभीर रूप से घायल कई लोगों को जीप में डालकर कांशीराम अस्पताल भेजा जहां से उन्हें हैलट अस्पताल रेफर कर दिया गया। घायलों में गया के गांव धमना पोस्ट खपिया निवासी नरेश मांझी (40), उनकी पत्नी सावित्री देवी (31), बेटी स्नेहा (8), झारखंड के थाना हैदरगंज के गांव बड़े बिगहा निवासी वकील यादव (35), उनकी बेटी अनीशा कुमारी (10) और रिया (8), झारखंड के हैदरगंज के बेला निवासी मुनेश्वर यादव की बेटी कविता (18), सिरसा के डिग बड्डी निवासी बजरंग का बेटा हिमांशु (22), बिहार के गया निवासी केशर (28) शामिल हैं।

हादसे के बाद हैलट पहुंचे डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह, मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. संजय काला, एडिशनल पुलिस कमिश्नर डॉ. विपिन ताडा ने घायलों का हालचाल लिया। पुलिस ने परिजन को हादसे की सूचना देकर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसा पास लगे एक सीसी कैमरे में कैद हुआ है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि स्कॉर्पियो की रफ्तार 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से अधिक रही होगी। एडिशनल पुलिस कमिश्नर डॉ. विपिन ताडा ने बताया कि प्राथमिक जांच में चालक को झपकी आना हादसे की वजह मानी जा रही है। पुलिस को क्षतिग्रस्त कार के अंदर से ईसाई धर्म की प्रार्थना सभा के कुछ पर्चे और धार्मिक किताब मिली है जिसकी जांच की जा रही है।

शार्ट सर्किट की चिंगारी से लगी आग, कबाड़ गोदाम धू-धूकर जला

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में कबाड़ गोदाम में भीषण आग लग गई। घटना जूही की है। फायर ब्रिगेड ने मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। जूही स्थित कबाड़ गोदाम में सोमवार तड़के आग लग गई। शॉर्ट सर्किट की चिंगारी से आग लगने की आशंका है। प्लास्टिक और पन्नी के चलते आग तेजी से फैली। आग की चपेट में आने से कबाड़ गोदाम के पास बनी झोपड़ी भी जल गई। विनोबानगर निवासी माया यादव के घर के सामने प्लॉट है।

इसमें जूही निवासी मो. आरिफ कबाड़ और परमपुरवा निवासी शेरू बांस का गोदाम बनाए है। गोदाम के पास ही कबाड़ बीनने वाले श्रवण और मीना भी झोपड़ी बनाकर रहते थे। मो. आरिफ ने बताया कि सोमवार सुबह करीब पौने सात बजे गोदाम में आग लगने की सूचना मिली थी। प्लास्टिक जलने से उठे दम घोंटू धुएं से लोगों का सांस लेना दूभर हो गया। कुछ देर में आग बगल में बने बांस के गोदाम तक पहुंच गई।

सूचना पर फजलगंज, किदवईनगर और मीरपुर फायर स्टेशन से फायर ब्रिगेड की छह गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। आग से श्रवण की झोपड़ी भी जल गई। सीएफओ दीपक शर्मा ने बताया कि शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका है।

लाठी-डंडा लेकर जेसीबी के आगे लेट गईं महिलाएं,

चार थानों के 80 से ज्यादा पुलिसकर्मी पहुंचे, जमकर हुआ हंगामा

चंदौली, एजेंसी। चंदौली जिले के भरदुआ गांव में वन विभाग की जमीन पर कब्जे को लेकर बवाल हुआ। इस दौरान 300 ग्रामीणों ने जेसीबी को रोक दिया। वहीं 50 से ज्यादा महिलाएं जेसीबी के सामने लेट गईं। चार थानों की पुलिस फोर्स पहुंची। चंदौली जिले के नौगढ़ तहसील क्षेत्र के जयमोहनी रेंज स्थित भरदुआ गांव में सोमवार को वन विभाग की लगभग 30 बीघा भूमि को कब्जामुक्त कराने पहुंची प्रशासनिक टीम को ग्रामीणों के भारी विरोध का सामना करना पड़ा। खेत की जुताई और वन भूमि की सुरक्षा के लिए खाई खुदवाने पहुंची टीम के सामने करीब 50 से अधिक महिलाएं जेसीबी के आगे लेट गईं, जबकि 300 के करीब ग्रामीण लाठी-डंडों के साथ मौके पर जुट गए। देखते ही देखते माहौल तनावपूर्ण हो गया और प्रशासन को भारी पुलिस बल बुलाना पड़ा। कई घंटे तक चले हंगामे और बहस के बाद प्रशासनिक टीम बिना कार्रवाई पूरी किए लौट गई।

प्रशासन की कार्रवाई की सूचना मिलते ही भरदुआ गांव में बड़ी संख्या में ग्रामीण खेतों की ओर पहुंच गए। ग्रामीणों का आरोप था कि जिस जमीन पर उनके परिवार पिछले करीब 50 वर्षों से खेती करते आ रहे हैं, उसे बिना किसी पूर्व सूचना या नोटिस के खाली कराया जा रहा है। उन्होंने इसे अन्यायपूर्ण बताते हुए विरोध शुरू कर दिया। एसडीएम विनय मिश्रा मौके पर पहुंचे और ट्रैक्टर से खेत की जुताई शुरू करा दी। इसका विरोध करते हुए महिलाएं ट्रैक्टर के आगे खड़ी हो गईं। कुछ महिलाएं ट्रैक्टर पर चढ़ गईं, जबकि अन्य ने एसडीएम के वाहन को घेर लिया। देखते ही देखते विरोध प्रदर्शन उग्र हो गया।

स्थिति बिगड़ने की आशंका को देखते हुए पुलिस प्रशासन हरकत में आया। मौके पर चार थानों की पुलिस, क्षेत्राधिकारी चकिया तथा लगभग 80 पुलिसकर्मी तैनात किए गए। वहीं वन विभाग की ओर से एसडीओ वरुण सिंह भी अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ मौके पर पहुंचे। वन विभाग की टीम ने जेसीबी मंगाकर भूमि की सुरक्षा के लिए खाई खुदवाने की तैयारी शुरू की, लेकिन महिलाओं ने जेसीबी के सामने लेटकर कार्रवाई रोक दी। ग्रामीणों और प्रशासन के बीच घंटों तक बहस और नोकझोंक चलती रही। काफी समझाने के बाद भी जब ग्रामीण पीछे हटने को तैयार नहीं हुए तो प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई स्थगित कर दी और जेसीबी वापस भेज दी गई। ग्रामीणों ने साफ कहा कि यह जमीन उनके परिवारों की आजीविका का एकमात्र साधन है। यदि जमीन छीन ली गई तो उनके सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो जाएगा। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि वे किसी भी कीमत पर जमीन खाली नहीं करेंगे। वहीं प्रशासन का कहना है कि संबंधित भूमि वन विभाग की सरकारी जमीन है, जिस पर किसी प्रकार का अवैध कब्जा स्वीकार नहीं किया जाएगा।

प्रशासनिक कार्रवाई शुरू होते ही गांव की महिलाएं सबसे आगे आ गईं। महिलाओं ने पहले ट्रैक्टर को रोका, फिर जेसीबी के आगे लेटकर काम बंद करा दिया। कई महिलाओं ने अधिकारियों से तीखी बहस करते हुए कहा कि जब तक उनका पक्ष नहीं सुना जाएगा, तब तक किसी भी कीमत पर कार्रवाई नहीं होने दी जाएगी।

स्थिति को देखते हुए चकिया क्षेत्राधिकारी के नेतृत्व में नौगढ़, चकरघट्टा, चकिया और साहबगंज थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। लगभग 80 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई। पुलिस ने पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर किसी भी अप्रिय घटना को रोकने का प्रयास किया।

होर्मुज स्ट्रेट में भारतीय नाविकों की मौत पर भारत भड़का, ईरानी राजनयिकों को किया तलब

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच एक बार फिर से हमले शुरू हो गए हैं. अमेरिका ने ईरान के ठिकानों पर हमले किए. जवाबी कार्रवाई करते हुए ईरान ने होर्मज स्ट्रेट में यूएई के दो टैंकरों को निशाना बनाया. टैंकरों पर मिसाइल से किए गए हमलों में एक भारतीय क्रू मेंबर की मौत की खबर आई है. इसके साथ-साथ कई अन्य सदस्य भी घायल हुए हैं.

इस हमले में भारतीय नाविक की मौत पर भारत ने कड़ा रुख अपनाया है. विदेश मंत्रालय ने आज मंगलवार को ईरानी मिशन के उप प्रमुख मोहम्मद जवाद हुसैनी समेत अन्य राजनयिकों को तलब किया है. भारतीय विदेश मंत्रालय ने गंभीर चिंता जताते हुए इन लोगों से स्पष्टीकरण मांगा है. अब से कुछ देर पहले इस हाई-लेवल मीटिंग के बाद, मोहम्मद जवाद हुसैनी समेत ईरानी डिप्लोमैट्स को नेशनल मंत्रालय से बाहर निकलते देखा गया.

यह हाई-लेवल डिप्लोमैटिक कदम यूएई के रक्षा मंत्रालय की मंगलवार सुबह की ऑफिशियल घोषणा के बाद उठाया गया है, जिसमें कन्फर्म किया गया था कि यूएई के झंडे वाले टैंकर, मोम्बासा और बाहिया, ओमानी जलक्षेत्र में होर्मुज स्ट्रेट के दक्षिणी रास्ते से गुजरते समय ईरानी क्रूज मिसाइलों से निशाना बने थे. वहीं, यूएई के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि ओमान के जलक्षेत्र में होर्मुज जलडमरूमध्य के दक्षिणी रास्ते में दो ईरानी क्रूज मिसाइलों ने नेशनल टैंकरों (मोम्बासा) और (बाहिया) को निशाना बनाया. मोम्बासा को टारगेट करके किए गए जानलेवा हमले में एक भारतीय नागरिक की जान चली गई, जबकि आठ दूसरे नाविक घायल हो गए. जिन लोगों का मेडिकल इलाज चल रहा है, उनमें से चार को गंभीर चोटें आई, कुल मिलाकर छह भारतीय नागरिक और दो यूक्रेनी नागरिक थे. नागरिकों की मौत के अलावा, मिसाइल हमलों से दोनों कमर्शियल जहाजों में आग लग गई, जिससे सामान को बहुत नुकसान हुआ, लेकिन इमरजेंसी टीमों ने आग पर काबू पा लिया. समुद्री हमले पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए, यूएई ने इस घटना की निंदा करते हुए इसे 'गंभीर उल्लंघन और इंटरनेशनल कानून का साफ उल्लंघन' बताया. अबू धाबी ने कड़ी चेतावनी दी कि वह जवाबी कार्रवाई करने और अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिए सभी ज़रूरी प्रोटोकॉल लागू करने का अधिकार रखता है. मंत्रालय ने कहा कि राज्य के पास इस बढ़ते तनाव पर जवाब देने और अपने इलाकों, लोगों और निवासियों की सुरक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठाने का पूरा अधिकार है।

रक्षाबंधन पर महिलाओं को 2500 रुपये देने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार ने महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये देने वाली योजना को अगले महीने रक्षाबंधन के आसपास शुरू करने की तैयारी शुरू कर दी है। सोमवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक में योजना के पात्रता नियम तय कर दिए गए। दिल्ली सरकार ने महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये देने वाली योजना को अगले महीने रक्षाबंधन के आसपास शुरू करने की तैयारी शुरू कर दी है। सोमवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक में योजना के पात्रता नियम तय कर दिए गए। आधिकारिक नाम बदलकर दिल्ली लक्ष्मी योजना कर दिया है। दिल्ली सरकार की महिला समृद्धि योजना (अब दिल्ली लक्ष्मी योजना) बेहद वर्चित और उम्मीदों वाली है।

ई 20 पेट्रोल के खिलाफ केजरीवाल ने शुरू किया ऑनलाइन सिग्नेचर कैंपेन

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने ई 20 पेट्रोल के मुद्दे पर केंद्र सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है. उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर देशभर में ई 20 पेट्रोल को लेकर उठ रही शिकायतों का हवाला देते हुए दो प्रमुख मांगें रखी हैं.

केजरीवाल ने हर पेट्रोल पंप पर शुद्ध पेट्रोल और ई 20 पेट्रोल दोनों का विकल्प उपलब्ध कराने तथा

कम माइलेज मिलने के कारण ई 20 की कीमत सामान्य पेट्रोल से कम रखने की मांग की है. साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री से मुलाकात का समय भी मांगा है. इतना ही नहीं केजरीवाल ने आज 'स्टॉप ई 20 पेट्रोल' ऑनलाइन सिग्नेचर अभियान शुरू किया.

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि ई 20 पेट्रोल को लेकर देशभर के लोगों में नाराजगी है. उन्होंने कहा कि लोग लगातार शिकायत कर रहे है कि ई 20 पेट्रोल से गाड़ियों की माइलेज कम हो रहा है और कई वाहनों के इंजन और अन्य पार्ट्स पर भी इसका असर पड़ रहा है. उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सरकार का दायित्व है कि वह जनता की आवाज सुने. केजरीवाल ने बताया कि इसी उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है. पत्र में उन्होंने आम लोगों की समस्याओं का जिक्र करते हुए कहा है कि सरकार को इस मुद्दे पर तुरंत ध्यान देना चाहिए और जनता के हित में फैसला लेना चाहिए. शुद्ध पेट्रोल और ई 20 पेट्रोल, दोनों का विकल्प उपलब्ध कराया जाए. उन्होंने कहा कि यदि कोई उपभोक्ता ई 20 पेट्रोल नहीं भरवाना चाहता और सामान्य पेट्रोल का उपयोग करना चाहता है तो उसे यह सुविधा मिलनी चाहिए. दूसरी मांग ई 20 की कीमत को लेकर है. उन्होंने कहा कि यदि ई 20 पेट्रोल से माइलेज कम मिल रही है तो उसकी कीमत भी सामान्य पेट्रोल से कम होनी चाहिए. उन्होंने कहा कि जब एक लीटर पेट्रोल से वाहन कम दूरी तय करेगा तो उपभोक्ता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा. ऐसे में सरकार को इसकी कीमत कम करनी चाहिए. आप प्रमुख ने बताया कि उन्होंने पत्र में प्रधानमंत्री से मुलाकात का समय भी मांगा है. उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों में पेट्रोल पंपों और सर्विस स्टेशनों पर जाकर लोगों से मिला हूं और वाहन मालिकों की समस्याओं को करीब से सुना है.

संक्षिप्त समाचार

10वीं पास सर्टिफिकेट के लिए आर-3 भाषा पास करना हुआ अनिवार्य

नई दिल्ली : केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने तीसरी भाषा के मूल्यांकन को लेकर नया लैंग्वेज असेसमेंट फ्रेमवर्क जारी कर दिया है. बोर्ड ने साफ किया है कि कक्षा 10 का सेकेंडरी पास सर्टिफिकेट लेने के लिए छात्रों का आर 3 भाषा में उत्तीर्ण होना जरूरी होगा. हालांकि, इस वर्ष आर3 की कोई बोर्ड परीक्षा नहीं होगी. इसका मूल्यांकन स्कूल स्तर पर आंतरिक परीक्षा के माध्यम से होगा. वहीं, कक्षा 9 में आर 3 में असफल होने वाले छात्रों को कक्षा 10 में प्रमोट कर दिया जाएगा, लेकिन उन्हें कक्षा 10 के दौरान इस भाषा को पास करना होगा. तीसरी भाषा की परीक्षा बोर्ड नहीं लेगा. प्रत्येक स्कूल अपने स्तर पर आंतरिक मूल्यांकन के जरिए छात्रों का आकलन करेगा. बोर्ड का कहना है कि इस व्यवस्था का उद्देश्य भाषा सीखने को अधिक व्यावहारिक और छात्र-केंद्रित बनाना है. स्कूलों को मूल्यांकन प्रक्रिया पारदर्शी और निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार पूरी करनी होगी. बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि यदि कोई छात्र कक्षा 9 में आर 3 भाषा में सफल नहीं हो पाता है, तो केवल इसी आधार पर उसे कक्षा 10 में जाने से नहीं रोका जाएगा. ऐसे विद्यार्थियों को अगली कक्षा में प्रमोट कर दिया जाएगा. हालांकि, उन्हें कक्षा 10 के दौरान आर 3 भाषा में उत्तीर्ण होना अनिवार्य होगा. इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि छात्र की पढ़ाई प्रभावित न हो, लेकिन भाषा सीखने की प्रक्रिया भी पूरी हो. सेकेंडरी स्कूल परीक्षा का पास सर्टिफिकेट तभी जारी किया जाएगा, जब छात्र ऋ8 भाषा में भी सफल होगा. यदि कोई विद्यार्थी अन्य सभी विषयों में पास हो जाए, लेकिन ऋ8 में असफल रहे, तो उसे निर्धारित प्रक्रिया के तहत पहले इस भाषा में सफल होना होगा. इसके बाद ही उसे कक्षा 10 का पास प्रमाणपत्र मिलेगा. छात्रों को राहत देते हुए ने यह भी व्यवस्था की है कि यदि कोई विद्यार्थी कक्षा 10 में आर 3 भाषा में असफल रहता है, तो उसे अंतिम परिणाम घोषित होने से पहले पुनर्मूल्यांकन का एक अवसर दिया जाएगा. यदि छात्र इस पुनर्मूल्यांकन में सफल हो जाता है तो उसे आर 3 में उत्तीर्ण माना जाएगा और उसका पास सर्टिफिकेट जारी किया जाएगा. बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि कक्षा 8 में जिन तीन भाषाओं का अध्ययन छात्र कर रहे थे, वही तीन भाषाएं कक्षा 9 में भी जारी रहेंगी. इन तीन भाषाओं में से किसी एक को ऋ8 के रूप में माना जाएगा. यानी छात्रों को नई भाषा चुनने की जरूरत नहीं होगी.

निर्माण स्थल पर धूल उड़ते ही होगी कार्रवाई, डस्ट पोर्टल 2.0 लॉन्च

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में अब से हर एक निर्माण स्थल पर उड़ने वाली धूल का हिसाब एआई कैमरे लेंगे। सरकार ने सोमवार को एआई संचालित डस्ट पोर्टल 2.0 लॉन्च किया है, जिसने 500 वर्ग गज या उससे बड़े सभी निर्माण स्थलों की डिजिटल निगरानी शुरू कर दी है। दिल्ली में अब से हर एक निर्माण स्थल पर उड़ने वाली धूल का हिसाब एआई कैमरे लेंगे। सरकार ने सोमवार को एआई संचालित डस्ट पोर्टल 2.0 लॉन्च किया है, जिसने 500 वर्ग गज या उससे बड़े सभी निर्माण स्थलों की डिजिटल निगरानी शुरू कर दी है। 360 डिग्री कैमरों, सेंसर और रियल टाइम डाटा से लैस ये सिस्टम नियमों का उल्लंघन होने पर संबंधित एजेंसियों को अलर्ट करेगा और तत्काल कार्रवाई हो जाएगी। सचिवालय में दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) की ओर से विकसित यह अत्याधुनिक डिजिटल प्लेटफॉर्म शुरू किया गया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इसके लिए डीपीसीसी की टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि अब तक निर्माण स्थलों की निगरानी मुख्य रूप से मैनुअल तरीके से होती थी। नई व्यवस्था में एआई, जीआईएस मैपिंग, 360 डिग्री कैमरे और पीएम-10 व पीएम-2.5 सेंसर लगातार निगरानी करेंगे।

केंद्र के सामने रखी अपनी मांगें

मणिपुर हिंसा के बीच गृह मंत्रालय पहुंचे कुकी नेता

नई दिल्ली, एजेंसी। कुकी-ज़ो काउंसिल ने सोमवार को केंद्र सरकार से मणिपुर में कुकी-ज़ो समुदाय के लिए एक राजनीतिक समाधान निकालने की प्रक्रिया को तेज करने का आग्रह किया है. काउंसिल ने लगातार हो रही हिंसा, मानवाधिकारों के उल्लंघन और बुनियादी सुविधाओं से वंचित किए जाने का आरोप लगाया है. इसके साथ ही, काउंसिल के एक प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली में गृह मंत्रालय और इंटेलिजेंस ब्यूरो के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चर्चा भी की.

इस प्रतिनिधिमंडल ने गृह मंत्रालय के मध्यस्थ (इंटरलोक्यूटर) अजय लाल और इंटेलिजेंस ब्यूरो के निदेशक महेश दीक्षित से मुलाकात की, जहां उन्होंने मणिपुर में सुरक्षा स्थिति को लेकर अपनी चिंताएं सामने रखीं. काउंसिल ने कहा कि अपनी मांगों को आगे बढ़ाने के लिए वे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन से भी मुलाकात कर सकते हैं.

सोमवार को कुकी-जो काउंसिल के प्रवक्ता गिन्ज़ा वुअलज़ोंग ने कहा, 'तीन साल से अधिक समय से चल रहे जातीय संघर्ष के दौरान कुकी-ज़ो समुदाय को बड़े पैमाने पर नुकसान उठाना पड़ा है. पिछले पांच महीनों में हमने संदिग्ध नागा उग्रवादियों के हाथों कम से कम 15 कुकी-ज़ो लोगों को खोया है. '

गिन्ज़ा ने कहा कि इस साल मार्च से अब तक, मणिपुर के नागाओं से जुड़े चल रहे संघर्ष के दौरान 14 कुकी-ज़ो गांवों में कम से कम 55 घरों को जला दिया गया है. उन्होंने दावा किया कि इन हमलों के पीछे संदिग्ध एनएससीएन (मुइवा) और जेड यू एफ-के उग्रवादियों का हाथ है. गिन्ज़ा ने अलग-अलग घटनाओं में तीन पादरियों और चार अन्य कुकी-ज़ो नागरिकों की हत्या का भी ज़िक्र किया. आरोप लगाया कि इन मामलों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया है.

काउंसिल ने आरोप लगाया कि कुकी-ज़ो लोगों को अभी भी स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित किया जा रहा है, उनकी खाद्य आपूर्ति (राशन) रोकी जा रही है और उनके आने-जाने व अन्य ज़रूरी सेवाओं पर पाबंदियां लगाई जा रही हैं. उन्होंने प्रशासन पर सभी को समान न्याय और सुरक्षा देने में पूरी तरह नाकाम रहने का भी आरोप लगाया.

प्रतिनिधिमंडल ने स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच में भी भेदभाव का आरोप लगाया. उन्होंने दावा किया कि जून महीने में तीन घायल

कुकी-ज़ो लोगों को इंफाल के रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज ले जाया गया था, लेकिन वहां विरोध प्रदर्शनों के कारण कथित तौर पर उन्हें इलाज नहीं मिलने दिया गया. इस वजह से सुरक्षा बलों को मजबूरन उन्हें चूराचांदपुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में शिफ्ट करना पड़ा.

गिन्ज़ा ने कहा, 'यह बेहद परेशान करने वाली घटना सरकारी संस्थानों में कुकी-ज़ो नागरिकों की सुरक्षित स्वास्थ्य सेवा पाने की क्षमता पर गंभीर सवाल खड़े करती है. घायल नागरिकों का बिना किसी डर या धमकी के इलाज न करा पाना, संवैधानिक गारंटी और बुनियादी मानवीय सिद्धांतों का गंभीर उल्लंघन है. '

काउंसिल ने आगे आरोप लगाया कि सेनापति और उसके आसपास के कुछ हिस्सों में की गई नाकाबंदी ने कुकी-ज़ो बहुल इलाकों में ज़रूरी चीज़ों की आपूर्ति (सप्लाई) को बुरी तरह प्रभावित किया है. रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ जगहों पर रसोई गैस सिलेंडर की कीमत 3,000 से 5,000 रुपये के बीच पहुंच गई है.

उन्होंने कहा, 'कुकी-ज़ो लोग, खासकर कांगपोकपी, उखरुल और कामजोंग जिलों में रहने वाले लोग, परिवहन और आपूर्ति मार्गों में रुकावट के कारण भारी कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं. ' मौजूदा राज्य सरकार को सुरक्षा देने में नाकाम बताते हुए काउंसिल ने कहा कि कुकी-ज़ो निवासियों के बीच 'सुरक्षा की कोई भावना नहीं है' और उन्होंने केंद्र सरकार से इसमें सीधे हस्तक्षेप करने का आग्रह किया. अपनी मुख्य मांगों में, कुकी-ज़ो काउंसिल ने जान-माल की तुरंत सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और ज़रूरी चीज़ों की निर्बाध पहुंच की बहाली, संवेदनशील गांवों की सुरक्षा, हिंसा की सभी घटनाओं की समयबद्ध व निष्पक्ष जांच, और सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशंस समूहों के साथ राजनीतिक बातचीत को जल्द से जल्द पूरा करने की मांग की है. काउंसिल ने एक दीर्घकालिक राजनीतिक समाधान के रूप में विधानसभा के साथ केंद्र शासित प्रदेश बनाने की अपनी मांग को फिर से दोहराया. उसने आगे कहा कि केंद्र सरकार के साथ चल रही राजनीतिक बातचीत हर महीने हो रही है और उम्मीद जताई कि सरकार सोमवार की बैठक में उठाए गए मुद्दों पर कार्रवाई करेगी।

एपल के मुकदमे के बीच फिर भिड़े मस्क-ऑल्टमैनट्रेड, दोनों के बीच हुई तीखी बयानबाजी

वाशिंगटन, एजेंसी। एआई उद्योग की दो बड़ी हस्तियों एलन मस्क और ओपनएआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सैम ऑल्टमैन के बीच लंबे समय से चला आ रहा विवाद फिर खुलकर सामने आ गया है। एपल द्वारा ओपनएआई के खिलाफ कथित ट्रेड सीक्रेट चोरी का मुकदमा दायर किए जाने के बाद दोनों ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक-दूसरे पर तीखे व्यक्तिगत हमले किए। घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है, जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में नई तकनीकों, निवेश और बाजार पर वर्चस्व की होड़ लगातार तेज होती जा रही है।

सीएनबीसी की रिपोर्ट के अनुसार एपल के मुकदमे की खबर सामने आने के बाद एलन मस्क ने एक्स पर सैम ऑल्टमैन को निशाने पर लेते हुए कई पोस्ट किए। उन्होंने ऑल्टमैन पर कटाक्ष करते हुए उन्हें धोखाधड़ी से जोड़ने वाली टिप्पणियां कीं और लगातार कई पोस्ट के जरिए उन पर हमला बोला। कुछ ही देर बाद ऑल्टमैन ने भी जवाब देते हुए मस्क के दावों और उनके व्यवहार पर तंज कसा। एलन मस्क और सैम ऑल्टमैन ने वर्ष 2015 में अन्य वैज्ञानिकों और तकनीकी विशेषज्ञों के साथ

मिलकर ओपनएआई की स्थापना एक गैर-लाभकारी शोध संस्था के रूप में की थी। उद्देश्य सुरक्षित और मानव हित में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का विकास करना था।

ऑल्टमैन ने भी दिया जवाब: मस्क की पोस्ट के बाद सैम ऑल्टमैन ने भी जवाबी हमला किया। उन्होंने लिखा कि ओपनएआई के नए जीपीटी-5.6 सोल मॉडल की गुणवत्ता का सबसे बड़ा प्रमाण यही है कि एलन मस्क फिर से उन पर लगातार टिप्पणी कर रहे हैं। एक अन्य पोस्ट में ऑल्टमैन ने कहा कि उन्हें एपल से कोई भय नहीं है। उन्होंने एप्पल को दुनिया की सबसे सम्मानित और उत्कृष्ट कंपनियों में से एक बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका एपल के प्रति सम्मान है, लेकिन भय नहीं।

मस्क की स्पेसएक्स हाल ही में रिकॉर्ड 75 अरब डॉलर का आईपीओ पूरा कर चुकी है। कंपनी भविष्य में अंतरिक्ष आधारित डाटा सेंटर, एंटरप्राइज एआई सेवाओं व अंतरग्रहीय परिवहन परियोजनाओं पर काम की योजना बना रही है।

भारत-ईयू एफटीए से बढ़ेंगे सहयोग के अवसर

जर्मनी के सांसदों से राजदूत गुप्ते की अहम बातचीत

बर्लिन, एजेंसी। जर्मनी में भारत के राजदूत अजीत गुप्ते और जर्मन संसद (बुंडेस्टाग) के सदस्य व भारत-जर्मनी संसदीय मैत्री समूह के उपाध्यक्ष डर्क वीजे ने दोनों देशों के बीच बहुआयामी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। बर्लिन स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'राजदूत अजीत गुप्ते ने दस जुलाई 2026 को बुंडेस्टाग सदस्य और भारत-जर्मनी संसदीय मैत्री समूह के उपाध्यक्ष डर्क वीजे से मुलाकात की। इस दौरान भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने, संसदों के बीच आदान-प्रदान बढ़ाने और भारत के राज्यों तथा जर्मनी के संघीय राज्यों (लैंडर) के बीच सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा हुई।' राजदूत अजीत गुप्ते ने बुंडेस्टाग सदस्य और ट्रांसअटलांटिक समन्वयक मेटिन हकवेर्डी से भी मुलाकात की। इस बैठक में भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने के लिए भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से मिलने वाले अवसरों पर चर्चा हुई।

दूतावास ने 'एक्स' पर बताया, 'राजदूत अजीत गुप्ते ने 9 जुलाई 2026 को बुंडेस्टाग सदस्य और ट्रांसअटलांटिक समन्वयक मेटिन हकवेर्डी से मुलाकात की। बातचीत में भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने, भारत-ईयू एफटीए के अवसरों का इस्तेमाल करने, बढ़ते रक्षा और सुरक्षा सहयोग तथा वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा हुई। ' पिछले महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस के एवियां में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज से मुलाकात की थी। इस बैठक में दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय सहयोग को और बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की।

बवाल में बालेन: जेन ज़ेड ने बनाया, कहीं वही गिरा ना दे नेपाल की सरकार; क्यों सड़कों पर उतरे युवा

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में बालेन शाह ने अभी कुछ महीने पहले ही प्रधानमंत्री पद की शपथ ली है और उनकी सरकार के खिलाफ विरेध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। केपी शर्मा ओली की सरकार के खिलाफ जेन ज़ेड ने ही जबरदस्त विरोध किया और फिर सरकार ही गिर गई। इसके बाद बालेन शाह के नेतृत्व में नई सरकार बनी। हालांकि अब युवा बालेन शाह के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं और सड़कों पर उतर चुके हैं। नेपाल की सरकार ने काठमांडू में नदी किनारे बनी अवैध बस्तियों को हटाने का फैसला किया है। इसके विरोध में एक शख्स ने आत्मदाह कर लिया और उसकी मौत हो गई।

अभी बालेन शाह की सरकार को 104 दिन ही बीते हैं। विरोध प्रदर्शनों को रुकवाने के लिए पुलिस ने लोगों को हिरासत में लेना शुरू किया। कई ऐसे नेताओं को हिरासत में लिया गया है जो कि जेन ज़ेड आंदोलन के मुख्य चेहरे रहे हैं और बालने शाह की सरकार बनवाने में उनकी प्रमुख भूमिका थी। आंदोलन के प्रमुख चेहरों में रहे माजिद अंसारी को पुलिस की कार्रवाई में चोटें आई हैं और उनका इलाज चल रहा है। अवैध बस्तियों को हटाने का अभियान चला दिया है और पुलिस और सेना की तैनाती कर दी है। ऐसे में बड़ी संख्या में लोग बेघर हो गए हैं। नेपाल की सरकार ने उनको बसाने का भी कोई प्लान नहीं बनाया है। ऐसे में लोगों का कहना है कि पहले इन लोगों के रहने का इंतजाम करना चाहिए था। बेदखली अभियान के तहत हजारों घर तोड़े गए हैं। इसी वजह से लोगों का गुस्सा सरकार के खिलाफ फूटा है और युवा सड़कों पर उतर आए हैं। लोग बालेन शाह के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। रविवार को बड़ी संख्या में लोग काठमांडू के माइतीघर में इकट्ठा हुए थे। लोग सरकार से मांग कर रहे थे कि जिन के घर उजाड़े जा रहे हैं उन्हें फिर से बसाया जाए। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि ना सिर्फ उन्हें गिरफ्तार किया जा रहा है बल्कि पुलिस की हिरासत में बुरी तरह प्रताड़ित किया जाता है। नेपाल की पुलिस ने इन प्रदर्शनों की अगुआई कर रहे माजिद अंसारी

पाकिस्तान में अफगानों पर कार्रवाई तेज, यूएन ने की जबरन निर्वासन रोकने की अपील

वाशिंगटन, एजेंसी। पाकिस्तान ने अफगान प्रवासियों के खिलाफ अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। सरकार की ओर से बिना दस्तावेज वाले विदेशी नागरिकों को देश छोड़ने के लिए दी गई समय-सीमा खत्म होने के बाद अफगान नागरिकों की गिरफ्तारियां और उन्हें वापस भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, दस जुलाई की समय-सीमा खत्म होने के बाद, जिन अफगानों के पास वैध वीजा नहीं है, उन्हें स्वेच्छा से पाकिस्तान छोड़ने के लिए कहा गया था। इसके बाद अब उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू हो गई है।

अमू टीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान में रह रहे अफगानों का कहना है कि अधिकारी अब सिर्फ बिना दस्तावेज वाले लोगों को ही नहीं, बल्कि उन अफगानों को भी हिरासत में ले रहे हैं जिनके वीजा या अफगान सिटीजन कार्ड (एसीसी) की अवधि खत्म हो चुकी है। पाकिस्तानी अधिकारियों का कहना है कि यह अभियान पंजाब, सिंध, खैबर पख्तूनख्वा, बलूचिस्तान, गिलगित-बाल्टिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में चलाया जा रहा है। पाकिस्तान सरकार के अनुसार, अफगान सिटीजन कार्ड और दूसरे अस्थायी दस्तावेज रखने वाले लोगों को भी देश से वापस भेजा जा सकता है। तालिबान हाई कमीशन फॉर एड्रेसिंग रिटर्नीज इश्यूज के सेक्रेटेरिएट ने कहा कि पिछले सप्ताहांत 24 घंटे के अंदर 4,000 से ज्यादा अफगानों को पाकिस्तान से वापस भेजा गया। पाकिस्तान में रह रहे एक अफगान प्रवासी ने बताया कि कई परिवार अपने वीजा का नवीनीकरण नहीं करा पाए हैं। लगभग एक साल से वीजा मिलना या बढ़वाना बहुत मुश्किल हो गया है। अगर हमें गिरफ्तार

करके वापस भेज दिया गया, तो हम सभी जानते हैं कि अफगानिस्तान में हालात कैसे हैं। हमें तालिबान से बदले की कार्रवाई का डर है। अमू टीवी की रिपोर्ट में बताया गया कि पाकिस्तान में रहने वाले एक अफगान पत्रकार के अनुसार, सरकार के इस नए आदेश से अफगान परिवारों में काफी डर और चिंता फैल गई है। पाकिस्तानी मीडिया के आंकड़ों के मुताबिक, 2023 के अंत में पाकिस्तान की वापसी अभियान शुरू होने के बाद से अब तक करीब 25.9 लाख अफगान प्रवासियों और शरणार्थियों को वापस भेजा जा चुका है।

संपादकीय | लॉरेंस बिश्नोई के नेटवर्क पर सख्त कार्रवाई जरूरी

यह चिंता की बात है कि देश की जेल में बंद होने के बावजूद किसी कैदी पर अपनी आपराधिक गतिविधियां संचालित करने के आरोप लगते हैं और मामला अन्य देशों के दायरे में भी पहुंच जाता है। सरकार को जहां समय रहते इस मसले पर सख्त कदम उठाना चाहिए था, वहां उसने लगातार इस सवाल की अनदेखी की कि जेल में होने के बावजूद कोई कैदी कैसे अपनी मनमानी कर पा रहा है और उसे किसका संरक्षण मिला हुआ है।ऐसे आरोप आम रहे हैं कि कुख्यात अपराधी लारेंस बिश्नोई जेल में बंद होने के बावजूद देश और विदेश में काम कर रहे अपने गिरोह के जरिए हत्या, रंगदारी और फिरौती जैसे गंभीर अपराधों को अंजाम देता रहा है। अब अमेरिका के न्याय विभाग के आरोपपत्र में लारेंस बिश्नोई गिरोह को अभिनेता सलमान खान के घर पर गोलीबारी, पंजाबी अभिनेता और गायक गिप्पी ग्रेवाल को धमकी तथा पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या को अंजाम दिलाने जैसी कई घटनाओं के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है। आरोपपत्र में यह भी कहा गया है कि इस संगठित गिरोह के सदस्यों ने अक्सर भारत और विदेश में बसे भारतीय समुदाय की सांस्कृतिक और राजनीतिक हस्तियों तथा बड़े व्यावसायियों को हिंसा का निशाना बनाया। जाहिर है, लारेंस बिश्नोई की हरकतों के बारे में जितनी भी जानकारी सामने आ सकी है, उस आलोक में अमेरिका के न्याय विभाग के आरोपपत्र में आए तथ्य हैरान नहीं करते हैं। मगर यह समझना मुश्किल है कि वह अपनी आपराधिक योजनाएं बनाने से लेकर उन्हें अंजाम देने तक की सुविधाएं कैसे और किसके जरिए हासिल करता रहा। अब

एक अभियान के तहत अमेरिका, कनाडा और स्पेन की कानून प्रवर्तन एजंसियों ने मिल कर जो कार्रवाई की है, उसमें तीन देशों में चौबीस लोगों की गिरफ्तारी की गई और सैंतीस के खिलाफ आरोप तय किए गए। विचित्र यह है कि बिश्नोई की आपराधिक गतिविधियों के लिए किसी अन्य देश में आरोपपत्र तय किए जाते हैं, लेकिन भारत में ऐसी ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई, जिससे जेल में बंद एक कुख्यात कैदी को अपना अपराध-तंत्र संचालित करने से रोका जा सके। बिश्नोई के गिरोह के सदस्य सोशल मीडिया पर अपना प्रभाव बढ़ाने और भय पैदा करने के लिए खुलेआम धमकी जारी करते थे, तो उनके खिलाफ समय पर कार्रवाई क्यों नहीं की गई? गौरतलब है कि कनाडा में एक खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का आरोप लारेंस बिश्नोई गिरोह पर लगा था और उसी संदर्भ में भारत और कनाडा के बीच गंभीर कूटनीतिक विवाद पैदा हो गया था। अब अमेरिकी न्याय विभाग के आरोपपत्र के बाद सबसे बड़ी चुनौती यह है कि भारत में पुलिस बिश्नोई को जेल में मोबाइल फोन और इंटरनेट आधारित संचार उपकरणों का उपयोग करने की सुविधा देने वाले तंत्र का पता लगाए और उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करे। बिश्नोई अगर जेल में बंद रहते हुए भी अपनी आपराधिक योजनाओं को अंजाम दे पाता था, तो उसमें यही पहलू सबसे अहम है कि उसे तकनीकी संसाधन कैसे हासिल हुए और उसे मुहैया कराने तथा आसानी से उसका इस्तेमाल करने की सुविधा उसे किसके संरक्षण में मिलती थी। क्या इसमें सिर्फ संबंधित जेल के कर्मचारियों या अधिकारियों की मिलीभगत थी या फिर उसके तार उच्च स्तर पर कहीं जुड़े थे? उम्मीद की जानी चाहिए कि भारत में लारेंस बिश्नोई को जेल में एक आम कैदी की तरह ही रखा जाएगा और उस पर भी कानून के सख्त प्रावधान लागू होंगे।

कैसे सुधरेगी शिक्षा व्यवस्था?

शिक्षा का अर्थ केवल किसी विषय के ज्ञान का संग्रह नहीं, बल्कि बौद्धिक कौशल, विश्लेषणात्मक सोच तथा व्यावहारिक, सामाजिक और भावनात्मक क्षमताओं का विकास है। इसका जिम्मा शिक्षक के कंधों पर होता है, जो विद्यार्थी के भविष्य का निर्माण करता है। इसके लिए विद्यालयों में विद्यार्थियों और शिक्षकों की संख्या के बीच सही अनुपात होना भी जरूरी है, क्योंकि इसी से तय होता है कि शिक्षा की गुणवत्ता का स्तर कैसा होगा।

मगर सरकार के ताजा आंकड़ों पर गौर करें, तो स्थिति चिंताजनक नजर आती है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की 'यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इंफार्मेशन सिस्टम फार एजुकेशन प्लस' 2025-26 की रिपोर्ट के मुताबिक, देश में एक लाख से अधिक विद्यालय ऐसे हैं, जहां केवल एक ही शिक्षक तैनात है। इससे यह अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है कि इन विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता कैसी होगी। रिपोर्ट में एक और चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है कि वर्ष 2023-24 और 2025-26 के बीच सरकारी विद्यालयों के दाखिले में करीब 86 लाख की कमी दर्ज की गई है।

सरकार के ये आंकड़े न केवल शिक्षा की गुणवत्ता, बल्कि शिक्षा में समानता पर भी सवाल खड़े करते हैं। जाहिर है कि सरकारी विद्यालयों में

आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चे ही दाखिला लेते हैं और अगर शिक्षकों की कमी के कारण उनकी पढ़ाई प्रभावित होती है, तो यह उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित कर देता है। सरकार का तर्क है कि एक ही शिक्षक के सहारे संचालित किए जा रहे विद्यालयों की संख्या में वर्ष 2025-26 में उससे पहले के वर्ष की तुलना में कुछ कमी आई है, लेकिन क्या यह मामूली सुधार संतोषजनक स्थिति के लिए काफी है?

किसी विद्यालय में एक ही शिक्षक का होना यह दर्शाता है कि सरकार की शिक्षा नीति में खामियां हैं, जिनका खमियाजा विद्यार्थियों को भुगतना पड़ रहा है। रिपोर्ट से पता चलता है कि सरकारी विद्यालयों में जहां बच्चों के दाखिले में कमी आ रही है, वहीं वर्ष 2023-24 और 2025-26 के दौरान निजी स्कूलों में विद्यार्थियों की संख्या में 88 लाख से अधिक की वृद्धि हुई है। इससे स्पष्ट है कि सरकारी विद्यालयों पर आम लोगों का भरोसा कमजोर हो रहा है और सरकार को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

आज का कार्टून

संविधान के मूल्य और लोकतंत्र की दिशा...

जगमोहन सिंह राजपूत

> 1952 के बाद के सभी चुनाव देखे हैं और वे उस परिवर्तन के साक्षी रहे हैं, जिसमें अपवाद छोड़कर त्याग और जन-कल्याण की संस्कृति को हाशिए पर धकेल दिया गया तथा संग्रहण, लालच तथा स्वार्थ को जमकर बढ़ावा दिया गया। संसद की कार्यवाही प्रारंभिक वर्षों में जिस शालीनता से चलती थी, वह नई पीढ़ी के लिए अनुकरणीय थी। पक्ष-विपक्ष में किसी प्रकार की कटुता या वैमनस्य का कोई उदाहरण देखने को नहीं मिलता था। संविधान विशेषज्ञ डा सुभाष कश्यप ने अपनी एक पुस्तक में चक्रवर्ती राजगोपालाचारी द्वारा प्रस्तुत एक संशोधन पर उनके और पंडित जवाहर लाल नेहरू के बीच संवाद का जिक्र किया है, जो आज के संदर्भ में अत्यंत महत्त्वपूर्ण समझ प्रदान करता है। जब नेहरू ने राजगोपालाचारी से कहा कि बहुमत मेरे साथ है, तो उन्होंने कहा कि यह बात बिल्कुल सही है कि बहुमत आपके साथ है, लेकिन तर्क मेरे साथ हैं। उसके बाद पंडित नेहरू ने उनके तर्क के आधार पर पूर्ण संशोधन को स्वीकार कर लिया।

भारत के आजाद होने के बाद देश का स्व-निर्मित संविधान 26 जनवरी 1950 से लागू हुआ। इसमें प्रत्येक नागरिक को समानता, समता और गरिमा के साथ जीवन यापन करने के लिए आवश्यक प्रावधान निहित थे। इनके क्रियान्वयन के लिए देश को अपनी संसद की संरचना करने का उत्तरदायित्व मिला। साथ ही हर प्रकार की विविधता से परिपूर्ण संप्रभु राष्ट्र के संचालन और पुनर्निर्माण की जिम्मेदारी भी मिली। अंग्रेजों के शोषण के कारण देश आर्थिक दृष्टि से भी अत्यंत कठिन स्थिति में था। मगर भारत को उसके परंपरागत ज्ञान, त्याग और वैश्विकता से अलग नहीं किया जा सका था। परिणामस्वरूप द्वितीय विश्व युद्ध के बाद स्वतंत्र होने वाले राष्ट्रों में भारत के संविधान ने अपना अग्रणी स्थान बनाया और उसके क्रियान्वयन ने इसे सिद्ध भी कर दिया है। लोकतंत्र में संविधान सत्ता पक्ष को मार्ग दिखाता है और विपक्ष को विकल्पों के साथ सकारात्मक आलोचना के ऐसे अवसर प्रदान करता है, जो उसे सत्ता में वापसी की राह दिखाते हैं।

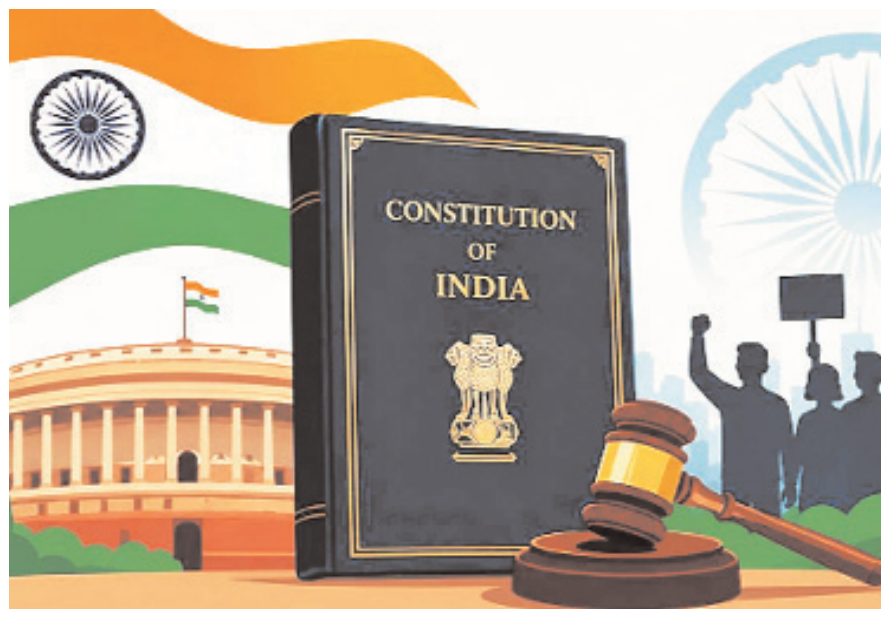

यह अपेक्षित ही है कि सत्ता पक्ष हर समय दोहराता है कि वह निष्ठापूर्वक संविधान का पालन कर रहा है। जबकि विपक्ष इसे नकारता है। कौन सही है- कौन नहीं, इसका फैसला जनता विधानसभा और लोकसभा के चुनावों में करती रही है। यह राजनीति में शालीनता के स्तर का मापक होता है कि जो चुनाव में विजयी न हो पाए, वह भी विनम्रता से जन-निर्णय को स्वीकार कर ले। मगर इस मामले में हम कमजोर होते जा रहे हैं!

दुर्भाग्य से शालीनता, समता, समादर, सौम्यता, जैसे व्यावहारिक तत्त्व राजनीति में ढूंढ़ पाना लगातार कठिन होता जा रहा है। भारत का संविधान निर्माण करने वाले अधिकांश लोग वे थे, जिन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में भागीदारी की थी और जो देश को भली-भांति समझते थे। भीम राव आंबेडकर और राजेंद्र प्रसाद की संविधान निर्माण में अग्रणी भूमिका थी। दोनों ही विद्वान और प्रखर अध्येता थे। इसका सबसे बड़ा उदाहरण हैं संविधान सभा की अंतिम बैठक में इन दोनों के भाषण के कुछ विशेष अंश, जो उनकी दूरदृष्टि की उज्ज्वलता तथा सटीकता को दर्शाते हैं। उनकी चिंताओं ने अब वह स्वरूप ले लिया है, जिसकी आशंका उन्होंने जताई थी। आंबेडकर ने आगाह किया था कि संविधान और उसके बाद की राजनीति दुहाई तो समता और समानता की देगी, लेकिन जो सामाजिक और सांस्कृतिक दूरियां सदियों में पनपी थीं तथा जो सांप्रदायिक दूरियां भारत विभाजन से जन्मी थीं, वे संविधान की व्यवहारिकता को प्रभावित करेंगी।

26 नवंबर, 1949 को राजेंद्र प्रसाद ने कहा था कि राष्ट्रहित और जन-कल्याण इस पर निर्भर करेगा कि देश का शासन तंत्र कैसे चलता है और उसे चलाने वाले लोग कैसे हैं। यदि चयनित प्रतिनिधि चरित्रवान और ईमानदार होंगे, तो अनेक कमियों के रहते हुए भी यह संविधान लोक कल्याण के लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल हो सकेगा। इससे पहले 25 नवंबर, 1949 को डा आंबेडकर ने आगाह किया था कि संविधान समता और बराबरी पर जोर देगा, लेकिन सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक जीवन में लंबे समय से चल रहे विरोधाभास अनेक अवरोध उत्पन्न करेंगे। ऐसे में संवैधानिक लोकतंत्र को व्यावहारिकता में चल रही अलोकतांत्रिक परंपराओं का सामना करना पड़ेगा! स्पष्ट है कि यह आमजन की और राजनीतिक नेतृत्व की जिम्मेदारी होगी कि इन दूरियों को समाप्त किया जाए। संविधान की आत्मा को समझ कर उसके क्रियान्वयन के लिए जो आवश्यक तत्त्व इन दोनों के भाषणों से निकलते हैं, वे हैं अनुकरणीय नेतृत्व तथा नागरिकों का चयनित नेताओं और उनके चरित्र पर विश्वास बने रहना। प्रारंभ तो सही दिशा में हुआ था, लेकिन सत्ता के आकर्षण से अनेक राजनेता दिग्भ्रमित होते रहे और वे संविधान की मूल भावना से मुंह फेर कर देशहित ही भूल गए।

कठिन समय में भी संविधान ने लोकतंत्र की मूल भावना से अपने समृद्ध होने के अनेक उदाहरण प्रस्तुत किए। वर्ष 1977 का लोकसभा चुनाव अपने आप में ऐतिहासिक था, देश में पहली गैर-कांग्रेस सरकार बनी, सत्ता हस्तांतरण शांतिपूर्वक और गरिमा के साथ हुआ। जय प्रकाश नारायण के आह्वान पर इंदिरा गांधी के विरोध में जनमत बना, अनेक विरोधी दल साथ आए और कांग्रेस हारी। जो कुछ संवैधानिक व्यवस्था में 25 जून 1975 को आपातकाल लगाने पर बिखर गया था, वह वर्ष 1977 में सारे विश्व के समक्ष सशक्त होकर उभरा। चुनाव में जनता ने अपने उत्तरदायित्व का आकलन किया और जो पीढ़ियों से कांग्रेस के समर्थक थे, वे भी अपने निर्णय तथ्यों के आधार पर ले सके। अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति जिमी कार्टर ने भारत को पत्र लिखकर बधाई दी और इसे अमेरिकी लोगों समेत समूचे वैश्विक समुदाय के लिए प्रेरणादायक बताया। उस समय राष्ट्रव्यापी स्तर पर सामान्य जन ने अपने मत के महत्त्व और ताकत को पहचाना। मगर वह नवनिर्वाचित लोकसभा केवल ढाई साल ही चल सकी। जो सत्ता में आए, वे स्थिति को संभाल नहीं पाए और देश की जनता ने अगले चुनाव में इंदिरा गांधी को पुनः सत्ता सौंप दी।

देश में एक ऐसी पीढ़ी अभी भी मौजूद है, जिसने वर्ष 1952 के बाद के सभी चुनाव देखे हैं और वे उस परिवर्तन के साक्षी रहे हैं, जिसमें अपवाद छोड़कर त्याग और जन-कल्याण की संस्कृति को हाशिए पर धकेल दिया गया तथा संग्रहण, लालच तथा स्वार्थ को जमकर बढ़ावा दिया गया। संसद की कार्यवाही प्रारंभिक वर्षों में जिस शालीनता से चलती थी, वह नई पीढ़ी के लिए अनुकरणीय थी। पक्ष-विपक्ष में किसी प्रकार की कटुता या वैमनस्य का कोई उदाहरण देखने को नहीं मिलता था। संविधान विशेषज्ञ डा सुभाष कश्यप ने अपनी एक पुस्तक में चक्रवर्ती राजगोपालाचारी द्वारा प्रस्तुत एक संशोधन पर उनके और पंडित जवाहर लाल नेहरू के बीच संवाद का जिक्र किया है, जो आज के संदर्भ में अत्यंत महत्त्वपूर्ण समझ प्रदान करता है। जब नेहरू ने राजगोपालाचारी से कहा कि बहुमत मेरे साथ है, तो उन्होंने कहा कि यह बात बिल्कुल सही है कि बहुमत आपके साथ है, लेकिन तर्क मेरे साथ हैं। उसके बाद पंडित नेहरू ने उनके तर्क के आधार पर पूर्ण संशोधन को स्वीकार कर लिया।

ऐसे अनेकानेक संदर्भ याद किए जा सकते हैं जो दलगत विचारधारा से ऊपर उठकर देशहित और जनकल्याण के लिए कार्य करने के प्रति प्रेरित करते हैं। आज हम कहां पहुंचे हैं? पहले के दशकों में यह कल्पनातीत था कि कोई राजनीतिक दल या जनप्रतिनिधि विरोध के नाम पर संसद की गरिमा को ठेस पहुंचाएगा, मगर आज संसद में ऐसे दृश्य अनेक बार देखने को मिल जाते हैं। ऐसे जनप्रतिनिधि जब यह कहते हैं कि वे संविधान का तथा आंबेडकर और राजेंद्र प्रसाद जैसे लोगों का सम्मान करते हैं, तो यह देश की जनता के लिए महज छलावा लगता है। यह याद रखना होगा कि जब तक देशहित और लोक कल्याण की भावना को राजनीतिक विचारधारा एवं निजी स्वार्थ से ऊपर नहीं रखा जाएगा, तब तक संविधान के मूल तत्त्व और लोकतंत्र की आत्मा को जीवित रखना आसान नहीं होगा।

मूलभूत आदर्शों और मूल्यों पर टिकी होती है मजबूत समाज की नींव

> आम जीवन में भी कूटनीति का अर्थ केवल छल या चतुराई नहीं है। जब व्यक्ति गंभीरता से अपने प्रत्येक कार्य और व्यवहार की जिम्मेदारी स्वीकार करता है, तब वह स्वाभाविक रूप से संवेदनशीलता, संतुलन और समझदारी के साथ व्यवहार करने लगता है। अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए भी वह इस बात का ध्यान रखता है कि किसी का अहित न हो। सही ढंग से बनाई गई योजनाएं संबंधों को सुदृढ़ बनाती हैं और समाज में सामंजस्य बनाए रखने में सहायक होती हैं। जब यही सोच व्यक्ति से आगे बढ़ती है, तो समाज के स्वरूप को भी प्रभावित करने लगती है।

एकता कानूनगो बक्षी

युद्ध और सत्ता के संदर्भ में 'कूटनीति' और 'रणनीति' जैसे शब्द भले ही बड़े और जटिल प्रतीत होते हों, पर उनकी असली नींव अक्सर हमारे बचपन में ही रख दी जाती है। जब हम दिनचर्या के छोटे-बड़े लक्ष्य पूरे करने के लिए अपने अनूठे तरीकों का निर्माण कर रहे होते हैं, तब अनजाने में ही हम निर्णय लेने और संबंधों को संतुलित रखने की कला भी सीख रहे होते हैं।

हमारे रोजमर्रा के काम- जैसे जब हम अपने लिए कुछ लेने से पहले आसपास के लोगों की आवश्यकता पूछ लेते हैं, या अपने काम को इस प्रकार करते हैं कि किसी और को उसके कारण असुविधा न हो- वहीं से इस समझ की शुरुआत होती है। जब छोटे-छोटे निर्णयों में हमें दूसरों का खयाल रखना, बांटना और धैर्य रखना सिखाया जाता है, साथ ही हमारे बड़े भी अपने आचरण से सही उदाहरण प्रस्तुत करते हैं, तब हम अपने लक्ष्य तक पहुंचने के मार्ग को केवल उसकी लंबाई या उससे मिलने वाले लाभ के आधार पर नहीं, बल्कि नैतिकता और व्यापक दृष्टि से देखने लगते हैं। हर अनुभव के साथ हमारा व्यक्तित्व परिष्कृत, मजबूत और सुदृढ़ बनने लगता है। न्यायपूर्ण और स्पष्ट निर्णय लेना धीरे-धीरे हमारे स्वभाव का हिस्सा बन जाता है। कहने को तो यह आचरण सामान्य शिष्टाचार की श्रेणी में आता है, जो लगभग हर व्यक्ति को बचपन में सिखाया जाता है, लेकिन भविष्य में जब जीवन अपना पूर्ण आकार लेता है और हमारे निर्णयों का प्रभाव पहले से कहीं अधिक व्यापक हो जाता है, तब हमारी कार्य-योजनाओं और निर्णयों को कूटनीति और रणनीति का नाम दे दिया जाता है। जबकि हमारे भीतर बचपन में विकसित हुई वही कोमल संवेदनाएं और आदर्श ही हमारा मार्गदर्शन कर रहे होते हैं। सच यह है कि हमारे व्यक्तित्व के सोचने-समझने की दिशा बचपन में ही चुपके-चुपके तय होती रहती है, जब हमें परिवार से लेकर समाज और हमारे खेलने-कूदने से लेकर लेकर स्कूल तक में व्यवहारों आदि के संदर्भ में सिखाया जाता है। वह हमारा सामाजिक प्रशिक्षण होता है, जिसके जरिए हमारे जीने का ढंग तय होता है और इसके समांतर ही हम अपने सामने घटने वाली घटनाओं को लेकर राय बनाते हैं, अपने भीतर सिंचित आग्रहों के आधार पर उसका आकलन करते हैं।

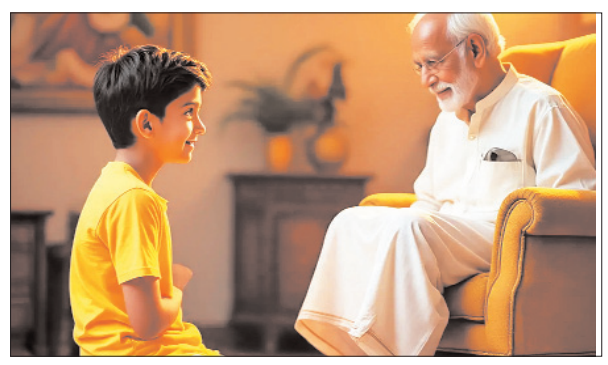

हां, बाद के दिनों में कुछ परिस्थितियों में अगर हमें अपने स्वतंत्र विवेक के साथ जूझने का मौका मिलता है और हम उसे स्वीकार करके सोचने-समझने की नई दिशा पर भी विचार करते हैं, तब हमारी 'कूटनीतिक' दिशा भी बदल सकती है। कई बार 'कूटनीति' को नकारात्मक अर्थों में देखा जाता है, जिसका वास्तविक कारण मनुष्य के भीतर की दुर्बलता होती है। जब व्यक्ति अपने भीतर आवश्यक जीवन-मूल्यों, आदर्शों और विचारों को पनपने का अवसर नहीं देता, तब उसके निर्णय स्वार्थ, संकीर्ण सोच या भय से प्रेरित होने लगते हैं। ऐसे में परिपक्व विचारों तथा न्यायसंगत और साहसिक योजनाओं की अपेक्षा करना ही अनुचित है। दरअसल, कूटनीति केवल परिस्थितियों को अपने पक्ष में मोड़ने की कला नहीं है, बल्कि यह एक चुनाव भी है- एक ऐसा चुनाव, जहां हम तत्काल लाभ और स्वार्थ से ऊपर उठकर व्यापक हित, संतुलन और न्याय को प्राथमिकता देते हैं। यह वही समझ है, जो बचपन की सरल सीखों से विकसित होकर जीवन के जटिल निर्णयों में हमारा मार्गदर्शन करती है। हम किन आदर्शों को लेकर चलते हैं, यही निर्धारित करता है कि हमारे निर्णय किस दिशा में आकार लेंगे और हम कितने दृढ़ बन सकेंगे।

आम जीवन में भी कूटनीति का अर्थ केवल छल या चतुराई नहीं है। जब व्यक्ति गंभीरता से अपने प्रत्येक कार्य और व्यवहार की जिम्मेदारी स्वीकार करता है, तब वह स्वाभाविक रूप से संवेदनशीलता, संतुलन और समझदारी के साथ व्यवहार करने लगता है। अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए भी वह इस बात का ध्यान रखता है कि किसी का अहित न हो। सही ढंग से बनाई गई योजनाएं संबंधों को सुदृढ़ बनाती हैं और समाज में सामंजस्य बनाए रखने में सहायक होती हैं। जब यही सोच व्यक्ति से आगे बढ़ती है, तो समाज के स्वरूप को भी प्रभावित करने लगती है।

इस संदर्भ में यह समझना आवश्यक हो जाता है कि कूटनीति केवल युद्ध और सत्ता का उपकरण मात्र नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति और समाज दोनों को परिभाषित करने वाली एक दृष्टि है। सही कूटनीति किसी एक नेता तक सीमित नहीं रहती, वह एक ऐसा पथ-प्रदर्शक विचार बन जाती है, जिसका अनुसरण करने के लिए किसी आदेश की नहीं, बल्कि विश्वास की आवश्यकता होती है।

निस्संदेह, यह यात्रा उसी क्षण आरंभ होती है, जब व्यक्ति अपने प्रत्येक निर्णय में न्याय को चुनने का साहस अपने भीतर जागृत करता है। भले ही इसकी शुरुआत किसी एक व्यक्ति या निर्णय से हो, पर धीरे-धीरे यह पूरी अवाम के चरित्र को प्रभावित करने लगती है।

जब निर्णय भय के प्रभाव में लिए जाते हैं, तब कूटनीति केवल बचाव का साधन बनकर रह जाती है और व्यक्ति अपने ही विवेक से पराजित हो जाता है। वास्तविक और सार्थक कूटनीति वही है, जो तटस्थ और संतुलित दृष्टि के साथ सही कार्य करने का मार्ग दिखाए।

ऐसी कूटनीति न केवल व्यक्ति के चरित्र को मजबूत बनाती है, बल्कि समाज में विश्वास और न्याय की भावना को भी बनाए रखती है। मजबूत समाज की नींव उसके मूलभूत आदर्शों और मूल्यों पर टिकी होती है। यही वे आधारभूत स्तंभ हैं, जिन पर सही और न्यायपूर्ण निर्णय लिए जा सकते हैं। जब समाज अपने इन आदर्शों के प्रति स्पष्ट होता है, तभी उसकी कूटनीति भी संतुलित और दूरदर्शी बनती है।

'गौतम गंभीर के कुछ पसंदीदा खिलाड़ी, उन्हें ही वह खिलाना चाहते'

भारतीय क्रिकेटर का हेड कोच पर निशाना, वैभव के लिए भी कही यह बात

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम का प्रदर्शन टी20 क्रिकेट में पिछले 15 दिनों में बेहद शर्मनाक रहा है। आयरलैंड में 2-0 से हार और फिर इंग्लैंड दौरे पर 4-0 से सीरीज हारने के बाद हेड कोच गौतम गंभीर और टीम मैनेजमेंट पर कई सवाल उठ रहे हैं। इसी कड़ी में भारत के टेस्ट क्रिकेटर हनुमा विहारी ने कोच गंभीर पर निशाना साधा है। उन्होंने साफतौर पर कहा है कि गौतम गंभीर के कुछ पसंदीदा खिलाड़ी टीम में हैं जिन्हें टीम में जरूर लिया जाता है और खिलाया जाता है। कुछ महीनों पहले हर्षित राणा के नाम पर बहुत विवाद हुआ था लेकिन उन्होंने अपने प्रदर्शन से छाप छोड़ी है। वहीं अब वाशिंगटन सुंदर, शिवम दुबे और सूर्यांश शेडगे व रवि बिश्नोई का सेलेक्शन सवालों के घेरे में है। यह सवाल उठाए हैं विहारी ने अपने यूट्यूब चैनल पर बोलते हुए। उन्होंने जमकर भारतीय हेड कोच को लताड़ा है और कई बातें बोली हैं। उन्होंने यह तक कहा है कि जो गंभीर के पसंदीदा खिलाड़ी हैं वह टीम के लिए किसी काम के नहीं हैं।

हनुमा विहारी का गंभीर पर हमला

हनुमान विहारी ने हेड कोच पर हमला करते हुए कहा, 'गौतम गंभीर के कुछ पसंदीदा खिलाड़ी हैं और वह (गंभीर) उन्हें ही टीम में लेना चाहते हैं और उन्हें ही खिलाना चाहते हैं। मुझे नहीं दिखता है कि यह खिलाड़ी टीम के किसी काम आ रहे हैं। मुझे नहीं समझ आ रहा है कि कुछ खिलाड़ी क्यों हैं टीम में। दुबे (शिवम) गेंदबाजी नहीं करते, फील्डिंग कर नहीं पाते और बैटिंग में भी अच्छा फॉर्म नहीं है।

लॉर्ड्स में बेटियों का जलवा

इंग्लैंड में अजेय अभियान जारी: अब महिलाओं के WTC का समय

नई दिल्ली। होम ऑफ क्रिकेट पर भारत की बेटियों ने कमाल कर दिया। महिला क्रिकेट की शुरुआत 1934 में हुई थी। 92 साल लग गए क्रिकेट के मक्का यानी लॉर्ड्स में पहले महिला टेस्ट मैच को देखने के लिए। इस ऐतिहासिक मैच में आमने-सामने थीं भारत और इंग्लैंड की महिला टीमें। भारतीय टीम ने इतिहास रचते हुए मेजबान इंग्लैंड टीम को 270 रन से हराया। इस जीत के साथ भारतीय महिला टीम ने इंग्लैंड में अपना टेस्ट क्रिकेट का अजेय क्रम भी जारी रखा है। अब उसके बाद यही सवाल है कि क्या अब महिलाओं के ड्ब्ल्यूश्ट (विश्व टेस्ट चैंपियनशिप) का समय आ चुका है? लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर पहला टेस्ट मैच 1884 में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया की पुरुष टीमों के बीच हुआ था। 142 साल के इंतजार के बाद अब महिला क्रिकेट टीमों ने भी इस मैदान पर ऐतिहासिक टेस्ट मैच खेला। भारतीय महिला टीम ने नवंबर 2025 में वनडे वर्ल्ड कप जीतते हुए इतिहास रचा था। अब इस टीम ने टेस्ट क्रिकेट की दुनिया में भी इतिहास रच दिया है।

भारतीय टीम ने लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए ऐतिहासिक टेस्ट मैच में बेहतरीन प्रदर्शन किया। इस शानदार जीत के बाद अब आवाज उठने लगी हैं, महिलाओं के ड्ब्ल्यूश्ट को लेकर। मगर एक चौंकाने वाली बात यह है कि महिला क्रिकेट में सिर्फ तीन देशों ने ही टेस्ट क्रिकेट खेला है। न्यूजीलैंड, साउथ अफ्रीका जैसी शानदार टीमों ने अब तक एक भी टेस्ट मैच नहीं खेला है। भारत, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के अलावा किसी भी देश की महिला टीम टेस्ट मैच नहीं खेली है।

इंग्लैंड में एक भी टेस्ट मैच नहीं हारी भारतीय महिला टीम

भारतीय महिला क्रिकेट टीम का रेड बॉल क्रिकेट में बेहतरीन प्रदर्शन पिछले कुछ समय से लगातार जारी है। लॉर्ड्स में मिली इस ऐतिहासिक जीत का यह पल पिछले कुछ दिनों में भारत के शानदार प्रदर्शन को दर्शाता है। पिछले 11 टेस्ट मैचों में इंग्लैंड की सरजमीं पर भारतीय टीम ने सात जीत हासिल की हैं, जबकि तीन मैच ड्रॉ रहे हैं और सिर्फ एक में उसे हार मिली है। इंग्लैंड में भारतीय महिला टीम का यह 11वां टेस्ट मैच था। वह इंग्लैंड में इस फॉर्मेट में अब भी अजेय है।

अब महिलाओं के WTC का समय...

ऐसे में सवाल यही है कि क्या यह महिलाओं के ड्ब्ल्यूश्ट का सही समय है? या फिर अब उससे पहले महिलाओं के टेस्ट क्रिकेट को आगे बढ़ाने का वक्त आ चुका है। एक तरफ वनडे, टी20 में महिला क्रिकेट पुरुष क्रिकेट की बराबरी कर रहा है। यहां तक की दुनियाभर की कई टी20 लीग में महिलाओं के भी संस्करण होने लगे हैं। भारतीय महिला क्रिकेट टीम के विश्व चैंपियन कोच और अपने समय में 11 हजार से ज्यादा फर्स्ट क्लास रन बनाने वाले अमोल मजूमदार ने भी इस पर प्रकाश डाला है। भारत की ऐतिहासिक जीत के बाद अमोल से महिलाओं से ड्ब्ल्यूश्ट को लेकर एक खास प्रश्न किया गया। उन्होंने इस जीत के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में साफतौर पर कहा कि अगर महिलाओं का ड्ब्ल्यूश्ट होता है तो इससे अच्छा कुछ नहीं हो सकता। 'बिल्कुल हमें खुशी होगी अगर ऐसा हुआ मैंने हमेशा टेस्ट क्रिकेट को क्रिकेट का अल्टीमेट फॉर्मेट माना है। सिर्फ लीडरशिप ग्रुप ही नहीं जो नई खिलाड़ी भी आ रही हैं, सभी ने टेस्ट क्रिकेट को प्राथमिकता दी है। इस साल हम तीन टेस्ट मैच खेल रहे हैं। एक हमने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था और अब इंग्लैंड से खेला। इसी साल एक टेस्ट दिसंबर में हम साउथ अफ्रीका में उनके खिलाफ खेलेंगे। तो एक साल में तीन टेस्ट मैच हम खेल रहे हैं तो क्यों नहीं? लेकिन मैं इस पर प्रकाश डालने वाला या निर्णय देने के लिए कोई नहीं हूं। हां, मुझे लगता है कि अगर ऐसा हुआ तो शानदार होगा।'

क्रांति-यास्तिका के नाम ऑनर बोर्ड पर दर्ज

नई दिल्ली। आखिरकार वह हो ही गया! एक बहुत ही खास मौके पर भारत की एक शानदार जीत! लॉर्ड्स को अपना पहला महिला टेस्ट मैच होस्ट करने में 142 साल लग गए और भारतीय महिला टीम ने इस ऐतिहासिक मैदान पर इंग्लैंड की महिला टीम को 270 रनों से हराकर इस मौके को यादगार बना दिया। हरमनप्रीत कौर और उनकी टीम हर मामले में इंग्लैंड से बेहतर साबित हुई। चाहे वह बल्लेबाजी हो, गेंदबाजी हो या क्षेत्ररक्षण। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर इतिहास रच दिया

है। होम ऑफ क्रिकेट पर खेले गए पहले महिला टेस्ट मैच में भारतीय महिलाओं ने इतिहास रचा और मेजबान इंग्लैंड को करारी शिकस्त दी। भारत के लिए इस मैच में यास्तिका भाटिया ने शतक लगाया और क्रांति गौड़ ने पांच विकेट लेकर अपना नाम ऑनर बोर्ड पर दर्ज करवाया। दोनों महिला क्रिकेट में यहां ऑनर बोर्ड पर नाम दर्ज करवाने वाली पहली महिला क्रिकेटर्स हैं। लॉर्ड्स में खेले गए पहले महिला टेस्ट मैच में भारत का दबदबा ऐसा रहा मानो वह हमेशा से यहीं खेलते आया हो। भारतीय महिला टीम ने इस ऐतिहासिक टेस्ट मैच में इंग्लैंड को 270 रनों से हराकर अपना नाम इतिहास के पन्नों पर अमर कर दिया है। इस मैच में यास्तिका भाटिया दूसरी पारी में 113 रन बनाकर स्टार बनीं, लेकिन स्मृति मंधाना 153 रन (83,70) बनाकर इस मैच की टॉप स्कोरर रहीं।

रेड बॉल क्रिकेट में महिलाओं का दबदबा

रेड-बॉल क्रिकेट में भारत का दबदबा कायम है। जीत का यह पल पिछले कुछ दिनों में भारत के शानदार प्रदर्शन को दर्शाता है। पिछले 11 टेस्ट मैचों में टीम ने सात जीत हासिल की हैं, तीन मैच ड्रॉ रहे हैं और सिर्फ एक में हार मिली है। इंग्लैंड में भारतीय महिला टीम का यह 11वां टेस्ट मैच था। वह इंग्लैंड में इस फॉर्मेट में अब भी अजेय है।

चेन्नई सुपर किंग्स और स्टीफेन फ्लेमिंग की राहें हुईं जुदा

17 साल तक रहे कोच

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग की सबसे सफल फ्रेंचाइजियों में से एक चेन्नई सुपर किंग्स ने कोच बदलने का ऐलान कर दिया है। स्टीफेन फ्लेमिंग की हेड कोच पद से सोमवार (13 जुलाई) को छुट्टी हो गई। वह 17 साल तक पद पर रहे। स्टीफेन फ्लेमिंग 2008 में चेन्नई सुपर किंग्स के साथ बतौर खिलाड़ी जुड़े थे। 2009 में कोच बन गए थे। इस दौरान फ्रेंचाइजी ने 5 खिताब जीते हैं। उसने 2 चैंपियंस लीग के खिताब भी जीते। फ्रेंचाइजी ने बयान में कहा, 'सुपर किंग्स और स्टीफेन फ्लेमिंग ने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया है, जिससे इंडियन प्रीमियर लीग के इतिहास की सबसे सफल और लंबे समय तक चलने वाली पार्टनरशिप खत्म हो गई है। फ्लेमिंग और सुपर किंग्स मैनेजमेंट के बीच खुली और ईमानदारी बातचीत के बाद सम्मान और आभार के साथ यह फैसला लिया गया।' फ्लेमिंग ने क्या कहा? फ्लेमिंग ने कहा, '18 साल खेल में जीवन खपाना होता है और मैं शुक्रगुजार हूं। चेन्नई सुपर किंग्स के साथ मेरा सफर मेरे कोचिंग करियर का सबसे बड़ा पल रहा है। हमने जो कुछ भी हासिल किया है उस पर मुझे गर्व है। साथ मिलकर हमने यादगार जीत का जश्न मनाया। मुश्किल पलों से गुजरे और ऐसी यादें बनाईं जो हमेशा मेरे साथ रहेंगी।

चेन्नई का खराब प्रदर्शन

फ्लेमिंग के कोच रहते हुए चेन्नई ने शानदार पल देखे। फ्रेंचाइजी ने उनके कोच रहते हुए 11 एडिशन में नॉकआउट और प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई किया। 2023 में खिताब जीतने के बाद चेन्नई सुपर किंग्स ने पिछले तीन एडिशन में काफी खराब प्रदर्शन किया है।

किलियन एम्बाप्पे और मेसी में कांटे की टक्कर

हैरी केन 5वें पर, फीफा वर्ल्ड कप 'गोल्डन बूट' की रेस में बने हैं 5 खिलाड़ी

नई दिल्ली। फीफा विश्व कप 2026 में सर्वाधिक गोल करने वाले छह खिलाड़ियों में से पांच खिलाड़ी अब भी मैदान में बने हुए हैं। इससे 'गोल्डन बूट' हासिल करने की दौड़ रोचक हो गई है। अर्जेंटीना के सुपरस्टार लियोनल मेसी और फ्रांस के स्टार स्ट्राइकर किलियन एम्बाप्पे ने 8-8 गोल किए हैं। किलियन एम्बाप्पे ने तीन असिस्ट किये हैं, जबकि लियोनल मेसी ने दो असिस्ट किये हैं। यही वजह है कि किलियन एम्बाप्पे 'गोल्डन बूट' हासिल करने की दौड़ में सबसे आगे हैं। किलियन एम्बाप्पे और लियोनल मेसी दोनों खिलाड़ियों के बीच विश्व कप करियर में सर्वाधिक गोल करने का रिकॉर्ड बनाने के लिए भी रोचक जंग चल रही है। लियोनल मेसी ने अब तक सभी विश्व कप में कुल मिलाकर 21 गोल किए हैं, जबकि किलियन एम्बाप्पे के नाम पर 20 गोल दर्ज हैं। मौजूदा टूर्नामेंट में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में इन दोनों के बाद नॉर्वे के एर्लिंग हॉलैंड का नंबर आता है। एर्लिंग हॉलैंड ने सात गोल किए हैं। हालांकि, अब उनके गोलों की संख्या बढ़ नहीं पाएगी, क्योंकि उनकी टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गई है। इसके अलावा इंग्लैंड के जूड बेलिंगहम और हैरी केन भी दौड़ में हैं। हालांकि, हैरी केन एक स्थान खिसक गए हैं।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 के क्वार्टर फाइनल मुकाबले होने के बाद हैरी केन अब पांचवें नंबर पर हैं। जूड बेलिंगहम अप्रत्याशित रूप से चौथे नंबर पर पहुंच गए हैं। पहले वह नौवें स्थान पर थे। इंग्लैंड के मिडफील्डर जूड बेलिंगहम ने फुटबॉल विश्व कप 2026 में अब तक छह गोल किये हैं, जबकि एक असिस्ट भी किया है। इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन ने भी छह गोल किये हैं। उन्होंने भी एक असिस्ट किया है, लेकिन फीफा की गोल्डन बूट रेस टैली में वह पांचवें स्थान पर हैं।

IPL 2027 से पहले RCB से होगी दिग्गज की विदाई?

मैं बहुत हैरान...: कार्तिक

नई दिल्ली। इंग्लैंड की टेस्ट टीम में खलबली का असर अब आईपीएल तक पहुंचता दिख रहा है। ब्रेंडन मैकुल्लम के टेस्ट टीम से कोचिंग पद छोड़ने के बाद कई दिग्गजों के नाम लिस्ट में सामने आ रहे हैं। इसमें भारतीय दिग्गज राहुल द्रविड़ से लेकर जिम्बाब्वे के दिग्गज एंडी फ्लॉवर का भी नाम शामिल है। अब अटकलें ऐसी हैं कि अगर फ्लॉवर ने यह जिम्मेदारी संभाली तो आईपीएल 2027 से पहले वह आरसीबी से विदाई ले सकते हैं। इसको लेकर टीम के मौजूदा मेंटोर दिनेश

कार्तिक ने खास प्रतिक्रिया दी है।

टीम के बल्लेबाजी कोच और मेंटोर दिनेश कार्तिक ने इस बात को स्वीकारा है कि ब्रेंडन मैकुल्लम के बाद एंडी फ्लॉवर इंग्लैंड के टेस्ट हेड कोच के प्रबल दावेदार बन सकते हैं। मगर उन्होंने यह भी कहा है कि उसके लिए अगर वह आरसीबी का साथ छोड़ते हैं तो उन्हें हैरानी होगी। एंडी फ्लॉवर इससे पहले इंग्लैंड की टीम को आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में टॉप पर और ऑस्ट्रेलिया में आखिरी एशेज जीत तक पहुंचा चुके हैं। ऐसे में उनका नाम अब दोबारा से इस पद के लिए प्रबल दावेदार के तौर पर सामने आ रहा है।

क्या बोले दिनेश कार्तिक?

इसको लेकर दिनेश कार्तिक ने स्काई स्पोर्ट्स के साथ क्रिकेड पॉडकास्ट में बात करते हुए कहा, 'अगर गंभीरता से देखा जाए तो वह (एंडी फ्लॉवर) अच्छे विकल्प हो सकते हैं। वह बिल्कुल इस पद के लिए एक नाम हो सकते हैं लेकिन मैं बहुत हैरान हो जाऊंगा अगर वह इसे स्वीकार करते हैं, यह जानते हुए कि इंग्लैंड का शेड्यूल बहुत व्यस्त रहता है। वह अभी बहुत सारी लीग का हिस्सा हैं और मुझे पक्का पता है कि उनके पास वक्त नहीं है। उनके पास अभी आरसीबी के साथ साइन किया हुआ करार है इसलिए मुझे लगता है कि अगर वह ऐसा करेंगे तो वह कई टेस्ट मिस कर सकते हैं।' कार्तिक ने यह भी कहा, 'हालांकि, इंग्लैंड की तरफ से आईपीएल और टेस्ट क्रिकेट के बीच सामंजस्य बनाने की बात एक आर्टिकल में लिखी गई थी। लेकिन क्या यह इंग्लैंड के लिए ठीक होगा कि एशेज की तैयारी के बीच उनके हेड कोच कुछ मैचों के लिए मौजूद नहीं रहेंगे? मैंने सुना है कि अगले साल मई में इंग्लैंड को बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट मैच खेलना है और उस वक्त फ्लॉवर आरसीबी के साथ होंगे, जो एक बड़ी चुनौती हो सकता है। मुझे भरोसा है कि वह एक अच्छे कोच हैं लेकिन सवाल यह है कि उनके पास वक्त है या नहीं। अगर हां है वक्त तो मैं बहुत हैरान हो जाऊंगा।' एंडी फ्लॉवर ने आईपीएल 2024 से पहले तीन साल का कॉन्ट्रैक्ट साइन किया था।

काला सूट, टाई और ब्लैक चश्मा

- **बॉस बेबी ने बताया किसने दिलाए कपड़े?**

नई दिल्ली। वैभव सूर्यवंशी ने महज 15 साल की उम्र में अपना कद इतना ऊंचा बना लिया है कि वह जहां भी जाते हैं सुर्खियां बटोरते हैं। हाल ही में इंग्लैंड दौरे पर 15 साल 99 दिन की उम्र में डेब्यू करके इतिहास रचने वाले बॉस बेबी का आगाज जहां खास नहीं रहा। वहीं उसके बाद वह विंबलडन फाइनल में पहुंचकर चर्चा में आ गए। वैभव सूर्यवंशी का लुक बेहद खास था और अभिषेक शर्मा व युवराज सिंह के साथ वह काफी बातें करते दिखे। इस दौरान उन्होंने अपने कपड़ों और लुक के पीछे का राज भी बताया। विंबलडन फाइनल देखने पहुंचे वैभव सूर्यवंशी ने इस दौरान काल सूट, टाई और ब्लैक चश्मा लगा रखा था। उनका लुक बेहतरीन था और वह एक मैच्योर पर्सन लग रहे थे। उनसे इस दौरान उनके

विंबलडन फाइनल में छाए वैभव सूर्यवंशी

किसने वैभव के लिए मंगवाए कपड़े?

वैभव सूर्यवंशी से जब उनके फैशन डिजाइन को लेकर पूछा गया तो उन्होंने बताया, 'नहीं नहीं मैंने कुछ किया नहीं। जल्दी-जल्दी में जो मिला मुझे, मैं डालकर (पहनकर) आ गया। मैंने अभिषेक भैया (अभिषेक शर्मा) से अरेंज करवाया।' इसके बाद वैभव ने अपने पसंदीदा टेनिस प्लेयर की बात करते हुए राफेल नडाल और नोवाक जोकोविच का नाम लिया। इसके अलावा वैभव ने यानिक सिनर की तारीफ की। उन्होंने मैच से पहले ही सिनर का नाम विनर के लिए प्रेडिक्ट कर दिया था।

- **युवराज सिंह को बताया अपना आइडियल**- वैभव सूर्यवंशी ने इस दौरान दिग्गज युवराज सिंह से मुलाकात भी की। उन्होंने युवी को अपना आइडियल बताते हुए कहा, 'युवी पाजी भी मेरे आइडल हैं। उनसे पहली बार मिलना एक खास पल था। मुझे उनके साथ समय बिताने का मौका मिला और उन्होंने खेल के बारे में बहुत सारी बातें बताईं। उन्होंने खेल के मेंटल साइड, प्रेशर को कैसे हैंडल करें और खुद पर विश्वास करने के महत्व के बारे में बात की। उनके जैसे किसी से इतना कुछ सीखना बहुत अच्छा लगता है। मुझे यकीन है कि यह मेरे आगे के करियर में मेरी बहुत मदद करेगा।'
- **जिम्बाब्वे सीरीज में नजर आएंगे वैभव सूर्यवंशी**- अब वैभव सूर्यवंशी 23 जुलाई से 26 जुलाई तक जिम्बाब्वे दौरे पर होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए चर्चा में रहेंगे। इन तीनों मैच में वैभव को अभिषेक शर्मा के साथ पारी की शुरुआत करने का मौका मिलेगा। इस दौरे के लिए संजू सैमसन टीम का हिस्सा नहीं हैं। इंग्लैंड में तीन मैचों में फ्लाप होने के बाद वैभव के पास इंटरनेशनल स्टेज पर चमक बिखेरने का मौका होगा।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लांट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा रातू पुलिस स्टेशन रांची में मुद्रित तथा विजय जनरल स्टोर, हिनू चौक रांची-834002 से प्रकाशित समस्त दिवानी विवाद न्यायोचित एवं दंडित परिवादों के लिए त्राधिकारी रांची न्यायालय में रहेगा। पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार। **प्रधान संपादक**-अन्नपूर्णा गुप्ता, कार्यायल नं.0651-2253830,मो.9471717919, 7895244551 ईमेलः alagpahchan@gmail.com, www.alagpahchan.com पोस्टल रजिस्ट्रेशन 2013 JHAHINO0575 RNI No.JHAHIN(2013) 66670